RNI-MPHIN/2005/14721
Po.-Malwa Division/244/2017-2019
Despatch Date - 02 October, 2019

अंक - 4 (मासिक) वर्ष - 15 अक्टूबर, 2019 मूल्य 20/-

अपनों के लिए-अपनी पत्रिका

श्री माहेश्वरी टाईम्स

हमारे वरिष्ठ आईकॉन

फिर करेंगे युवा संगठन का नेतृत्व

राजकुमार काल्या

सेवा का ध्वज

माहेश्वरी भवन गोवर्धन

महासभा में महाभारत

चयन या निर्वाचन

RR KĀBEL

MAKE THE RIGHT CHOICE FOR YOUR HOME

DO THE AKALMAND THING!

RR GLOBAL
RAM RATNA GROUP

R R KABEL LTD. Regd. Office : Ram Ratna House, Oasis Complex, P. B. Marg, Worli, Mumbai - 400 013.
T : +91 - 22 - 2494 9009 / 2492 4144 • **F** : +91 - 22 - 2491 2586 • **E** : mumbai.rrkabel@rrglobal.in
Corp. Office : 305/A, Windsor Plaza, R. C. Dutt Road, Alkapuri, Vadodara - 390 007.
T : +91 - 265 - 2321 891 / 2 / 3 • **F** : +91 - 265 - 2321 894 • **E** : vadodara.rrkabel@rrglobal.in
www.rrkabel.com • www.rrglobal.in

श्री माहेश्वरी टाईम्स

RNI-MPHIN/2005/14721

अंक-4 ▸▸ अक्टूबर 2019 ▸▸ वर्ष-15

हजारों हजार दीये जलाएँ
अपनी व अपने परिवार की
समृद्धि के लिए
एक दीया जरूर जलाएँ
इस महान देश एवं समाज की एकता,
अखण्डता और संस्कृति के लिए.

दीपपर्व पर
हार्दिक मंगलकामनाएं

श्री माहेश्वरी टाईम्स परिवार

प्रेरणास्रोत
स्व. श्री बंशीलाल बाहेती
स्व. श्री मदनलाल पलौड़

प्रबंध सम्पादक एवं निदेशक
श्रीमती सरिता बाहेती

सम्पादक
पुष्कर बाहेती

संरक्षक
पद्मश्री बंशीलाल राठी (चैन्नई)
श्री नेमीचन्द तोषनीवाल (कोलकाता)
श्री जोधराज लड्ढा (कोलकाता)
श्री बनवारीलाल जाजू (इन्दौर)

अतिथि सम्पादक
विजयशंकर मूंदड़ा, सरवाड़ (अजमेर)

परामर्शदाता
दिनेश माहेश्वरी (भूतड़ा) मुम्बई/इन्दौर
घनश्याम करनानी (कोलकाता)

कला निदेशक
अक्षय आमेरिया

विधि सलाहकार
राजेन्द्र ईनाणी, एडव्होकेट (बागली)

सम्पादकीय सलाहकार
गोविन्द मालू (इन्दौर)
बाबूलाल जाजू (भीलवाड़ा)
बंशीलाल भूतड़ा 'किरण' (इन्दौर)

कार्यालय-
90, विद्या नगर (टेड़ी खजूर दरगाह के पीछे),
सांवेर रोड, उज्जैन-456010 (म.प्र.)
Phone : 0734-2526561, 2526761
Mobile : 094250-91161
e-mail : smt4news@gmail.com
स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती सरिता बाहेती द्वारा ऋषि ऑफसेट, श्री माहेश्वरी भवन, गोलामण्डी, उज्जैन (म.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।

▸ श्री माहेश्वरी टाईम्स में प्रकाशित सभी लेखों के विचारों पर सम्पादक/प्रकाशक की सहमति हो, यह आवश्यक नहीं है।
▸ सभी प्रसंगों का न्यायक्षेत्र उज्जैन (म.प्र.) होगा।

Sri Maheshwari Times
■ PNB A/c. No. : 0459002100043471
IFSC- PUNB0045900
■ ICICI A/c. No. : 030005001198
IFSC- ICIC0000300

Tariff of Membership
Rs. 800/- for Three years
Rs. 3100/- for Life Time (12 Years)

जहाँ भेदभाव वहाँ महाभारत!

विचार क्रान्ति

घर-परिवार, समाज या संगठन में जब मुट्ठी भर स्वार्थी और लोभी लोग बेक़ाबू हो जाए और सशक्त और बड़े-बुजुर्ग या तो धृतराष्ट्र की तरह 'अंधे' हो जाए या भीष्म-द्रोण की भाँति 'चुप्पी साध' ले तब 'महाभारत' रोके नहीं रुकती! इसलिए कि जिस भी समाज में 'लोकतंत्र' की अवहेलना कर 'एक पक्ष को लाभ' और 'दूसरे पक्ष की उपेक्षा' कर 'भेदभाव' किया जाता है, वहाँ 'धर्म की हानि' होती है और अंततः 'विनाश' होता ही है।

महाभारत के उद्योगपर्व की कथाएँ इसकी सच्ची गवाही देती है। नियमानुसार 13 वर्ष का वनवास काट लेने के बावजूद जब धृतराष्ट्र 'धन के मोह' और 'अपनो को सत्ता देने के स्वार्थ' में पांडवों को यथोचित राज्यभाग देने पर राजी न हुआ तब उसे विदुर और संजय ने ख़ूब समझाया। इस पर्व के 36वें अध्याय में विदुर की सीख बताती है कि जिस भी समाज मे 'प्रमुख पद पर विराजमान प्रधान' भेदभाव करता है, वह किस तरह अमङ्गलकारी युद्ध में जूझकर नष्ट हो जाता है।

अद्भुत सूत्र हैं जो हर देशकाल में 'भेदभाव' से बचने की सलाह देते हैं। यथा विदुर ने कहा हे राजन्! 'आपस में फूट रखने वाले लोग अच्छे बिछौनों से युक्त पलंग पाकर भी कभी सुख की नींद नहीं सो पाते, जो परस्पर भेदभाव रखते हैं, वे कभी धर्म का आचरण नहीं करते। न वे सुख पाते हैं, न ही उन्हें गौरव की प्राप्ति होती है। यहाँ तक कि उन्हें शांतिवार्ता भी नहीं सुहाती।'

'हे राजन्! जलती हुई लकड़ियाँ अलग-अलग होने पर धुआँ फेंकती हैं और एक साथ होने पर प्रज्ज्वलित हो उठती हैं, इसी प्रकार जाति बन्धु भी फूट होने पर दुःख उठाते और एकता होने पर सुखी रहते हैं।'

'परस्पर मेल होने और एक से दूसरे को सहारा मिलने से समाज या जाति के लोग ठीक उसी प्रकार वृद्धि को प्राप्त होते हैं, जैसे तालाब में कमल',

और विदुरजी का सर्वोत्तम वचन-

न वै तेषां स्वदते पथ्यमुक्तं, योगक्षेमं कल्पते नैव तेषाम्।
भिन्नानां वै मनुजेन्द्र परायणं, न विद्यते किंचिदन्यद् विनाशात्॥

'हित की बात भी कही जाए तो उन्हें अच्छी नहीं लगती। उनके योगक्षेम की भी सिद्धि नहीं हो पाती। राजन्! भेदभाव वाले पुरुषों की विनाश के सिवा और कोई गति नहीं है।'

हम जानते हैं धृतराष्ट्र ने इन उपदेशों को अनसुना किया और कुल का नाश हो गया। समाज में जब कभी ऐसी नौबत आए जब भेदभाव, मोह और लोभ के कारण आपस में ही 'युद्ध' सम्भावित लगे तब इस कथा को स्मरण कर लेना चाहिए। **-डॉ. विवेक चौरसिया**

सम्पादकीय

दीप की धन्यता ...

यह अंक आपके हाथों में दीपावली की शुभकामनाओं के साथ सौंपते हुए मन दीप की धन्यता पर नतमस्तक है। यह प्रचलित बात है कि दीप स्वयं को जलाकर दूसरे को रौशनी देता है। बात बहुत सामान्य है लेकिन मानने की है। समान्तर में बदलते दृष्टिकोण के साथ यह अब भी बहुत प्रेरक और अनुकरणीय है। दीपावली पर जलने वाले हजारों दीप अमावस्या की कालिमा को धुमिल कर उसे रोशनी का त्यौहार बना देते हैं। बस, बात यहीं से शुरू करते हैं। यह अंक समाज के उन वरिष्ठजनों को समर्पित है, जिनका व्यक्तित्व किसी दैदीप्यमान दीये से कम नहीं। उन्होंने अपने समाज को दिए अवदान से अपने व्यक्तित्व को रोशनी की तरह व्यापक बनाया है। यह अंक तैयार करते वक्त जब इनके कृतित्व को जानने का मौका मिला, तो स्वतः ही उनके प्रति धन्यता का भाव पनप गया। निश्चित ही आज के अखबार रक्तरंजित छल-कपट और षड्यंत्रों की खबरों से विद्रुप पड़े हों, लेकिन जब ऐसे व्यक्तित्व समाज के बीच हों तो वे इस कलुषता पर भारी हैं, समाज के लिए संबल हैं। उनके कृतित्व की रोशनी मन में उभरते निराशा के अंधकार को चीर डालती है। ऐसे व्यक्तित्व ही समाज और राष्ट्र को नई दिशा दे सकते हैं।

बात जब धन्यता की हो रही है, तो कुछ बात समाज की करने में भी कोई हिचक नहीं होना चाहिए। श्री माहेश्वरी महासभा के दिसम्बर में चुनाव का ऐलान हो जाने से एक बार फिर समाजजन मंथन के दौर में आ गए हैं। एक नई बहस पदाधिकारियों के मनोनयन या मतदान को लेकर शुरू हो गई है। दिसम्बर में होने वाले चुनाव का रास्ता क्या हो? यह अभी तय होना है। मौजूदा महासभा के किरदार फिर सर्वानुमति से पदाधिकारियों का चयन करने के लिए अभियान छोड़ चुके हैं। दूसरी तरफ वे लोग मैदान में आ गए हैं, जो समाज को अपनी स्वतंत्र राय से पदाधिकारी चुनने का हक दिलाने के पक्ष में है। यह मामला अब चुनाव अधिकारी के पाले में भी इसलिए चला गया है कि सर्वानुमति को नकारते हुए अध्यक्ष पद के लिए भी प्रत्याशी दावा कर चुके हैं। अब चुनाव अधिकारी को फैसला लेना है कि चुनाव मतदान से हो। अब तक बहस की दिशा मतदान प्रणाली के पक्ष में जाती नजर आ रही है। इससे यह उम्मीद नजर आ रही है कि नई महासभा का गठन चयन की विवशता से नहीं, मतदान के स्वतंत्र अधिकार से हो सकेगा। हमारा मानना है कि मतदान से उन्हें जरा भी भयभीत नहीं होना चाहिए, जिन्होंने चयन से मिली जिम्मेदारी का पूरी ताकत से समाजहित में निर्वाह किया है। उनके कृतित्व की रोशनी मतदान में भी दमकेगी। समाज उनके प्रति धन्यता का बोध महसूस करेगा। जैसे युवा संगठन की बागड़ोर फिर से राजकुमार काल्या को सौंपी गई।

दीपावली व वरिष्ठजनों दोनों की जानकारी को समाहित यह अंक आपके हाथों में है। इसमें आप पाऐंगे स्थायी स्तंभों के साथ दीपावली पर संग्रहणीय आलेख तथा समाज के उन वटवृक्ष तुल्य स्नेह की छाया दे रहे वरिष्ठों की जानकारी जो समाज की नई पीढ़ी को प्रेरित करते हैं। उन्हें सादर बधाई। इस अंक के बारे में अपनी प्रतिक्रिया भेजना न भूलें।

पुष्कर बाहेती
सम्पादक

अतिथि सम्पादकीय

सरवाड़ (राजस्थान) निवासी श्री विजयशंकर मूंदड़ा की पहचान समाज ही नहीं बल्कि क्षेत्र में एक ऐसे प्रखर समाजसेवी के रूप में है, जो हर गलत बात के विरोध में निर्भिकता से खड़े होते हैं। श्री मूंदड़ा का जन्म 26 जनवरी 1972 को स्व. श्री रामप्रसाद व श्रीमती लाड़देवी मूंदड़ा के यहां हुआ। बचपन से राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से सम्बद्ध रहे। अतः संघ के संस्कारों व कठोर अनुशासन का आप पर विशेष प्रभाव रहा। इससे उनके व्यक्तित्व में निर्भिकता का विशिष्ट गुण भी समाहित हो गया। श्री मूंदड़ा राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ, सरवाड़ के नगर कार्यवाह रहे हैं तथा उसकी शैक्षणिक इकाई विद्या भारती संगठन सरवाड़ को मंत्री के रूप में सक्रिय सेवा दे रहे हैं। व्यावसायिक क्षेत्र में आप व्यापार मंडल संगठन के साथ ही वर्तमान में मध्य राजस्थान प्रादेशिक सभा को मंत्री तथा प्रतिष्ठित सेवा संस्था ''श्री आदित्य विक्रम बिड़ला व्यापार सहयोग केन्द्र को सदस्य के रूप में सेवाएं दे रहे हैं। अ.भा. माहेश्वरी सेवा सदन को कार्यालय मंत्री तथा अजमेर जिला माहेश्वरी समाज को मंत्री के रूप में अपनी महत्वपूर्ण सेवाऐं दे चुके हैं।

सर्वसम्मति व 'कथित चयन' में बड़ा अंतर

अ.भा. माहेश्वरी महासभा समाज ही नहीं बल्कि राष्ट्र का भी सबसे पुराना व प्रतिष्ठित संगठन है। इसकी इस प्रतिष्ठा के पीछे वे योगदान हैं, जो महासभा ने स्वतंत्रता आंदोलन से लेकर स्वतंत्रता के बाद भी सतत रूप से दिए हैं। वास्तव में महासभा की यह प्रतिष्ठा इसलिए रही क्योंकि यह किसी 'खांप पंचायत' की तरह तथाकथित संगठन नहीं बल्कि पूर्णतः प्रजातांत्रिक संगठन रहा है। इस दौर में भी संगठन की प्रतिष्ठा व उसके महत्व को बढ़ाया, जब संपूर्ण विश्व में प्रजातांत्रिक व्यवस्था का सूर्योदय हो ही रहा था।

अभी तक महासभा अपनी इसी प्रजातांत्रिक व्यवस्था के आधार पर ही अपने पदाधिकारियों को चुनकर सर्वमान्य संगठन के रूप में प्रतिष्ठित होती रही है, लेकिन वर्तमान सत्र में जो हुआ, उसने यह सोचने पर विवश कर दिया है कि कहीं हम प्रजातांत्रिक संगठन से 'खांप पंचायत' तो नहीं बनते जा रहे हैं। इस सत्र में सर्वसम्मति से निर्वाचन का प्रयास हुआ। लक्ष्य था चुनावी खर्च व चुनावी गुटबंदिता से महासभा को बचाने का यह एक अत्यंत उत्कृष्ट प्रयास था। लेकिन यह सब एक शीर्ष पद पर सर्वसम्मति के बाद शेष पदों पर एक गुट विशेष का चयन बनकर रह गया। यदि यह कहें तो कोई अतिश्योक्ति नहीं होगी कि कई पदाधिकारी थोप दिए गए। यदि वर्तमान सत्र के चयनित पदाधिकारियों ने रहीम की इन पंक्तियों का अनुसरण किया होता, तो यह स्थिति नहीं बनती-

''रुठे सजन मनाइए, जो रुठें सौ बार,
रहिमन फिरि फिरि पोइए, टूटे मुक्ता हार॥''

वर्तमान सत्र में जो हुआ उससे भी अधिक दुःखद स्थिति आगामी सत्र के निर्वाचन को लेकर बन रही है। इसमें तो शुद्ध रूप से दबाव के साथ 'चयन' का सूत्र ही अपना लिया गया है। वास्तव में सर्वसम्मति तो उसे कहते हैं, जो निर्विरोध निर्वाचित हो। इसके लिए दबावपूर्वक प्रत्याशियों को चुनाव से रोककर किसी व्यक्ति विशेष का चयन करना तो प्रजातांत्रिक व्यवस्था हो ही नहीं सकती। दुःखद स्थिति यह है कि इस दबाव को बढ़ाने के लिए कई ऐसे नियम कार्यकारी मंडल सदस्यों पर लाद दिए गए हैं, जिससे वे प्रत्याशी के रूप में चुनावी समर में उतर ही न पाएं और एक गुट अपनी मनमानी कर अपना चयन कर ले। इतना ही नहीं इन नए नियमों से कई पात्र सदस्यों व समाज के प्रतिष्ठित गौरवशाली सदस्यों को मतदाता सूची से भी बाहर का रास्ता दिखा दिया गया है।

अंत में मैं तो संपूर्ण समाज व कार्यकारी मंडल सदस्यों से एक ही अनुरोध करना चाहूंगा कि वे समाज हित में इस महान संस्था के प्रजातांत्रिक मूल्यों को बचाने का निर्भय होकर प्रयास करें। याद रखें जबर्दस्ती रखवाया गया मौन एक दिन अत्यंत विस्फोटक स्थिति निर्मित करता है। यदि समय रहते इन अप्रजातांत्रिक स्थितियों को रोकने का प्रयास नहीं किया गया तो हमारी यह उदासीनता इस अत्यंत प्रतिष्ठित संस्था की प्रतिष्ठा धुमिल हो जाएगी। याद रखें विश्वास ही संगठन की शक्ति है और यही अगर नहीं बचा तो फिर बचेगा क्या? अंत में मैं वरिष्ठजन विशेषांक के प्रकाशन पर भी आभार व्यक्त करता करना चाहूंगा, जिनके स्नेह की छत्रछाया समाज को सम्बल देती है।

विजयशंकर मूंदड़ा, सरवाड़ (अजमेर)
अतिथि सम्पादक

श्री नौशल्या माताजी

टीम SMT

श्री नौशल्या माताजी माहेश्वरी समाज की खटोड़ खाँप की कुलदेवी हैं। स्थानीय स्तर पर श्री नौशल्या माताजी के प्रति लोगों की अपार श्रद्धा है। अग्रवाल समाज वाले भी कुलदेवी के रूप में पूजते हैं।

श्री नौशल्या माताजी का भव्य मंदिर नागौर जिले के ग्राम जायल में स्थित है। इसकी स्थापना करीबन 200-250 वर्ष पूर्व हुई थी। यहाँ लगे शिलालेख के अनुसार इस मंदिर का जीर्णोद्धार 21 अप्रैल सन् 1947 को हुआ। यह मंदिर अपने आप में अनोखा है क्योंकि यहाँ माताजी की प्रतिमा नहीं है। केवल माताजी का त्रिशुल बना हुआ है जिसकी शक्ति स्वरूप में मांडना मांडकर पूजा होती है। नवरात्रि में विशेष श्रंगारित त्रिशुल की रचना होती है। आम श्रद्धालुओं की माताजी के प्रति इतनी श्रद्धा है कि दूर-दूर से श्रद्धालु यहाँ आते हैं। मान्यता के अनुसार यह ऐसा सिद्ध स्थान है जहाँ मांगी गई मिन्नतें अवश्य पूरी होती हैं। प्रतिदिन सुबह यहाँ पूजा होती है और मिश्री आदि पंच मेवे का भोग लगाया जाता है।

विशेष आयोजन

चेत्र व आसोज नवरात्रि में यहाँ भव्य मेला लगता है जिसमें दूर-दूर सें बड़ी संख्या में श्रद्धालु आते हैं तथा चुनड़ चड़ा कर मिन्नत मांगते हैं व पूरी भी करते हैं। इस दौरान यहाँ विशाल भंडारा भी होता है। स्थानीय ग्रामीण इस आयोजन में विशेष सक्रियता निभाते हैं।

कैसे पहुँचें-कहाँ ठहरें

ग्राम जायल सड़क मार्ग से जुड़ा है। नागौर, डेगाना, जयपुर, सीकर, झुंझुनू, पिलानी, दिल्ली, हिसार, जोधपुर, बाड़मेर, बालोहरा, सूरत, अहमदाबाद, फलौदी आदि से ग्राम जायल की बसें उपलब्ध रहती हैं। मंदिर पुजारी ताराचंदजी मंदिर परिसर में ही निवास करते हैं अतः चाही जाने पर भोजन व ठहरने की व्यवस्था वे करवा देते हैं।

युवा संगठन की बागडोर फिर काल्या के हाथों

चित्तौड़गढ़ में आयोजित बैठक में हुआ फिर निर्विरोध निर्वाचन

दक्षिणी राजस्थान प्रादेशिक माहेश्वरी युवा संगठन के आयोजकत्व एवं चित्तौड़गढ़ जिला माहेश्वरी युवा संगठन के आतिथ्य में अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी युवा संगठन की त्रयोदश कार्यसमिति बैठक आयोजित हुई। इसमें मुख्य निर्वाचन अधिकारी अशोक ईनानी एवं सहनिर्वाचन अधिकारी नारायण मालपानी व कमल भूतड़ा ने राजकुमार काल्या को सर्वानुमति से निर्विरोध राष्ट्रीय अध्यक्ष घोषित किया। इससे पूर्व भी श्री काल्या राष्ट्रीय अध्यक्ष पद पर निर्विरोध निर्वाचित हुए थे। इस तरह श्री काल्या लगातार दूसरी बार इस पद पर निर्विरोध निर्वाचित हुए।

व्यवसायी परिवार में लिया जन्म

भीलवाड़ा जिले के गुलाबपुरा नगर के उत्कृष्ठ व्यवसायी श्री बसन्तीलाल काल्या एवं समाजसेवी श्रीमती मनोरमादेवी काल्या के यहाँ 1 नवम्बर 1979 को हुआ। श्री काल्या ने अपनी प्रारम्भिक शिक्षा गुलाबपुरा में व मास्टर डिग्री बिजयनगर से की। श्री काल्या ने एम.बी.ए. करने के पश्चात अपने पैतृक एक्सप्लोसिव व्यवसाय के साथ ही रियल एस्टेट व्यवसाय में कई शहरो में अनेक आवासीय, वाणिज्यिक, फॉर्म हॉउस, इण्डस्ट्रीयल टाउनशिप प्रोजेक्ट विकसित किए हैं। इस प्रकार उन्होंने यह ऊँचाइयां अपनी शादी से पूर्व अल्पायु में ही प्राप्त कर ली। 6 फरवरी 2007 को भीलवाड़ा निवासी राधेश्याम कचौलिया की

अ.भा. माहेश्वरी युवा संगठन ने नेतृत्व की बागडोर फिर राजकुमार काल्या के हाथों में सौंपकर उनके प्रति विश्वास जताया हैं। उनके पुनः निर्वाचन को समाज में उनकी योजनाओं व कार्यों के प्रति युवावर्ग के विश्वास के रूप में देखा जा रहा है। अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी युवा संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष के निर्वाचन लेक, नाहरगढ़ पैलेस में संपन्न हुए। इसमें राजकुमार काल्या पुनः निर्विरोध निर्वाचित हुए।

सुपुत्री दिव्या कचौलिया के साथ परिणय सूत्र में बंधे। 2 फरवरी, 2008 को पुत्र 'रचित' एवं 8 अगस्त, 2011 को दूसरे पुत्र 'रिषित' का जन्म हुआ। एक्सप्लोसिव, रियल एस्टेट व्यवसाय के साथ ही एग्रो फार्मिंग, माईनिंग, फाइनेन्स व मिडिया सम्बन्धित व्यापार व्यवसाय मे भी आपने अपनी अमिट छाप छोड़ी है।

समाज के प्रति भी सदैव समर्पित

समाज सेवा की प्रेरणा श्री काल्या को विरासत में प्राप्त हुई। वर्ष 2006 में अहमदाबाद में श्री काल्या को अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी युवा संगठन के नवम सत्र का राष्ट्रीय सांस्कृतिक मंत्री व दशम सत्र हेतु राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष नियुक्त किया। एकादश सत्र में राष्ट्रीय महामंत्री के दायित्व का सफलतापूर्वक निर्वहन किया है। समाज व संगठन के प्रति लगन व कार्यनिष्ठा को देखते हुए श्री काल्या को द्वादश सत्र के लिए निर्विरोध राष्ट्रीय अध्यक्ष निर्वाचित किया गया। श्री काल्या वर्तमान में अखिल भारतीय माहेश्वरी सेवा ट्रस्ट, श्री बद्रीलाल सोनी माहेश्वरी शिक्षा सहयोग केन्द्र, श्री बांगड माहेश्वरी मेडिकल वेलफेयर सोसायटी, श्री प्राज्ञ कुंदन वल्लभ हॉस्पिटल, श्री नाकोडा पार्श्वनाथ भैरव मंदिर ट्रस्ट, श्री कृष्णदास जाजू स्मारक ट्रस्ट, एबीएमएम माहेश्वरी रिलीफ फाउंडेशन, अ.भा. माहेश्वरी एज्यूकेशनल एण्ड चेरिटेबल ट्रस्ट कोटा, अ.भा. माहेश्वरी एज्यूकेशनल एण्ड चेरिटेबल ट्रस्ट मुम्बई के ट्रस्टी तथा श्री अ.भा.

माहेश्वरी सेवा सदन के प्रबन्धकारिणी सदस्य के रूप में सामाजिक दायित्वों का कुशलतापूर्वक निर्वहन कर रहे हैं। श्री काल्या के परिवार के सहयोग से अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी युवा संगठन द्वारा युवाओं को खेल, कला, साहित्य एवं सांस्कृतिक क्षेत्र में प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से 1 करोड रू. के ''श्री बसन्तीलाल मनोरमादेवी काल्या अ.भा. माहेश्वरी युवा फाउंडेशन'' ट्रस्ट का गठन भी किया गया है।

वर्तमान सत्र में भी रचा इतिहास

इस सत्र मे संगठन के सभी पदाधिकारियों, प्रदेशों के अध्यक्ष, सचिव, राष्ट्रीय कार्यसमिति व कार्यकारी मण्डल सदस्य व सम्पूर्ण भारतवर्ष के युवा साथियों एवं समाज बंधुओं के सहयोग एवं प्रयासों से उच्च शिक्षा, रोजगार, व्यापार, व्यवसाय, खेल, कला, साहित्य, सांस्कृतिक विकास से सम्बन्धित एवं जनकल्याण आदि से संबंधित कार्यक्रम आयोजित हुए है। 25 मार्च, 2017 को सूरत में सत्र प्रारम्भ से ही इस सत्र की कार्ययोजनाओं को मूर्तरूप दिया जाने लगा और अब तक इस सत्र में चारोधाम सहित 13 कार्यसमिति की बैठके सम्पन्न हुई। प्रथम-कोटा, द्वितीय-वृंदावन, तृतीय-रामेश्वरम धाम, चतुर्थ-रायपुर, पंचम-हैदराबाद, षष्ठम-बद्रीनाथ धाम, सप्तम-इंदौर, अष्टम-द्वारकाधीश धाम, नवम-जगन्नाथपुरी धाम, दशम-लोहार्गल धाम, एकादश-गुवाहाटी, द्वादश-बेंगलुरू व त्रयोदश-लेक नाहरगढ पैलेस, चितौड़गढ़ में आयोजित हुई। 5 कार्यकारी मंडल बैठक प्रथम-वृंदावन, द्वितीय-रायपुर, तृतीय-इंदौर, चतुर्थ-लोहार्गल धाम, पंचम-बेंगलुरू में आयोजित हुई। रायपुर में राष्ट्रीय माहेश्वरी बिजनेस कॉन्क्लेव 2500 से अधिक युवा साथियों की उपस्थिति में सम्पन्न हुआ। युवा शिक्षारत्न 2017 सम्मान समारोह हैदराबाद में व युवा शिक्षा रत्न 2018 सम्मान समारोह गुवाहाटी में सम्पन्न हुआ। इंदौर में आयोजित झंवर राष्ट्रीय खेल महोत्सव में सम्पूर्ण भारतवर्ष के 24 से अधिक प्रदेशों से 850 से अधिक प्रतिभागियों एवं प्रतिनिधियों नें भाग लिया तथा 13 स्टेडियमों में एक साथ प्रतियोगिताएं आयोजित हुई। राष्ट्रीय सांस्कृतिक कार्यक्रम ''एवनप्लास्ट कौन बनेगा सुपरस्टार'' बेंगलूरू में आयोजित हुआ, जिसमें नेपाल एवं सम्पूर्ण भारतवर्ष के 25 प्रदेशों से 1000 से अधिक प्रतिभागियों एवं युवा साथियों ने भाग लिया। इसके साथ पहली बार समाज के मंच पर विशिष्ट दिव्यांग प्रतिभाओं को सम्मानित किया गया।

विशिष्ट कार्यों से विशिष्ट कीर्तिमान

''सशक्त युवा-समृद्ध समाज'' की परिकल्पना को साकार करते हुए राष्ट्रीय सदस्यता अभियान के तहत स्थानीय संगठनों में 45000 से

अधिक सक्रिय सदस्य जुडे है। पदाधिकारियों द्वारा 500 से अधिक स्थानों पर भ्रमण किया गया है। लगातार तीनों वर्ष महेश नवमी महोत्सव पर देशभर में सेकडों की संख्या में रक्तदान शिविरों का आयोजन हुआ। साथ ही संपूर्ण भारतवर्ष में प्रथम वर्ष केप का, द्वितीय वर्ष प्राउड टू बी माहेश्वरी के स्टीकर का व तृतीय वर्ष युवा संगठन के प्रतीक चिन्ह के की-चेन का वृहद स्तर पर वितरण हुआ। माई स्टाम्प योजना के तहत युवा संगठन के "लोगो" का डाक टिकट जारी हुआ। तीनों वर्ष विश्व पर्यावरण दिवस पर सम्पूर्ण भारतवर्ष और भारत से बाहर अनेक स्थानों पर हजारों की संख्या में पौधारोपण हुआ व तुलसी पौधें का वितरण हुआ। तीनों वर्ष विश्व योग दिवस पर सम्पूर्ण भारतवर्ष में अनेक स्थानों पर योग शिविरों का आयोजन हुआ। युवा संगठन के महत्वपूर्ण प्रकल्प उत्पत्ति स्थल लोहार्गलधाम में भवन का लोकार्पण होकर समाज को समर्पित किया गया। लोहार्गल धाम में भव्य मन्दिर के निर्माण हेतु भूमि पूजन एवं शिलान्यास किया गया है। युवाओं को खेल, कला, साहित्य, सांस्कृतिक क्षेत्र में प्रोत्साहित करने हेतु "श्री बसन्तीलाल मनोरमादेवी काल्या अ.भा. माहेश्वरी युवा फाउंडेशन" ट्रस्ट का विधिवत गठन भी हो चुका है।

अपने कार्यकाल में अब यह करेंगे

श्री काल्या ने अपने उद्बोधन में कहा कि युवा संगठन की परंपरागत कार्ययोजनाओं को यथावत आगे बढ़ाते हुए आगामी सत्र में सर्वप्रथम माहेश्वरी समाज के उत्पत्ति स्थल लोहार्गल धाम में भव्य मंदिर का निर्माण

कराया जाएगा। युवा संगठन के कार्यकलापों को संचालित करने के लिए अधिकतर प्रदेशों में 'मिनी यूथ सेंटर' का निर्माण कराया जाएगा। युवाओं के व्यापार-व्यवसाय और रोजगार में वृद्धि हेतु मोबाइल ऐप के जरिए ऑनलाइन प्लेटफॉर्म उपलब्ध कराया जाएगा। रोजगार मेले लगाए जाएंगे। स्टार्टअप फंडिंग उपलब्ध कराई जाएगी, महाअधिवेशन एवं

एक्सपो का आयोजन किया जाएगा। राष्ट्रीय कला एवं साहित्यिक प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा। समाज के विभिन्न ट्रस्टों के माध्यम से जरूरतमंद बंधुओं को आवश्यक सहायता उपलब्ध कराई जाएगी। 'श्री बसंतीलाल मनोरमादेवी काल्या युवा फाउंडेशन' द्वारा अधिक से अधिक सहायता उपलब्ध कराई जाने के प्रयास किए जाएंगे। दिव्यांग बंधुओं के उत्थान के लिए ठोस एवं दूरगामी कार्ययोजना बनाकर उनकी सहायता की जाएगी। परिचय सम्मेलन, सेमिनार, कैरियर गाइडेंस शिविर, चिकित्सा शिविर, सिविल सर्विसेज हेतु शिविरों का आयोजन कराया जाएगा। युवतियों की युवा संगठन में सहभागिता सुनिश्चित की जाएगी। समाजबंधुओं की राजनीति में भागीदारी के लिए फोरम का निर्माण किया जाएगा। श्री काल्या ने पुनः निर्विरोध निर्वाचन हेतु सभी का धन्यवाद एवं आभार प्रकट किया।

परिवार के साथ श्री काल्या

बड़ी संख्या में सदस्य उपस्थित

बैठक का संचालन राष्ट्रीय महामंत्री प्रवीण सोमानी ने किया। प्रदेशाध्यक्ष सीपी नामधरानी ने सभी आगंतुक अतिथियों का स्वागत व अभिनंदन किया। बैठक में अर्जुन मूंदड़ा, ओम तोषनीवाल, राजेंद्र गगरानी, शैलेंद्र झंवर, सुरेश कचोलिया, श्रीलाल कोगटा, लोकेश आगाल की गरिमामय उपस्थिति रही। राष्ट्रीय संगठन मंत्री दीपक चांडक, राष्ट्रीय सांस्कृतिक मंत्री संदीप करनानी, राष्ट्रीय खेल मंत्री अरुण बाहेती, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष अमित सारडा, भरत तोतला, पंकज राठी, जुगल झंवर, राहुल बाहेती तथा राष्ट्रीय संयुक्त मंत्री अनंत समदानी, नीरज काकानी, सवाई चांडक, मधु मालू, शिव कासट, पुष्पक लड्ढा, जगदीश लड्ढा, हरीश पोरवाल, देवकरण समदानी आदि कई समाज बंधु उपस्थित थे। जिलाध्यक्ष प्रदीप लड्ढा ने सभी आगंतुक अतिथियों एवं कार्यसमिति सदस्यों का आभार प्रकट किया।

पश्चिमी म.प्र. प्रादेशिक माहेश्वरी सभा

की ओर से आप सभी को

दीपावली पर्व की हार्दिक शुभकामनाएँ

राजेन्द्र ईनाणी
अध्यक्ष

पुष्प माहेश्वरी
मानद मंत्री

प्रकाश बाहेती

रामअवतार जाजू

महेश तोतला

भरत सारड़ा

अ.भा. माहेश्वरी महासभा, कार्यसमिति सदस्यगण

रामचंद्र तोतला
कोषाध्यक्ष

अनिल मंत्री
संगठन मंत्री

रामप्रसाद गगरानी
विशेष संयुक्त मंत्री

नरेन्द्र धीरन

सुनील गगरानी

रामरतन लड्ढा

कमलकिशोर लड्ढा

संभागीय उपाध्यक्ष

डॉ. राजेन्द्र पलोड़

मांगीलाल अजमेरा

बालकृष्ण माहेश्वरी

चन्द्रप्रकाश लड्ढा

संभागीय संयुक्त मंत्री

सावन की तीज का हुआ आयोजन

मदुरै. माहेश्वरी महिला मंडल द्वारा सावन की तीज का पर्व एक होटल में धूमधाम से मनाया गया। इसमें समाज की सभी बड़ी महिलाओं ने सभी बहुओं का स्वागत किया और मिठाई खिलाकर व मेहंदी से लाड़ लड़ाया। सांस्कृतिक कार्यक्रम व विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन भी किया गया। इसी दिन माहेश्वरी महिला संगठन द्वारा लकी ड्रॉ निकाला गया। इसमें महिला मंडल ने 1 लाख 20 हजार की धनराशि एकत्र की। इस राशि द्वारा अनाथ बच्चों की सहायता की जाएगी।

गट्टानी का सम्मान

उदयपुर. पतंजलि पीठ जिला उदयपुर द्वारा संचालित योग केंद्र मंशापूर्ण महादेव आदर्श नगर सेक्टर-4 के नवनियुक्त योग शिक्षक मुरलीधर गट्टानी को शिक्षक दिवस पर 5 सितंबर को रोटरी क्लब रॉयल के अध्यक्ष प्रतीक हींगड़ द्वारा सम्मानित किया गया। इस अवसर पर कई क्लब सदस्य उपस्थित थे।

सेवा संगठन ने मनाया हरियाली उत्सव

रतलाम. गत 25 अगस्त को लावण्य पैलेस सालाखेड़ी में सेवा संगठन द्वारा साधारण सभा में हरियाली उत्सव कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य आयोजक डॉ. लक्ष्मण परवाल, भूपेंद्र चिचाणी, प्रहलाद सोमानी, नवलकिशोर राठी, अशोक चितलांगिया, कैलाश मालपानी, अनिल गगरानी एवं राजेश गिलड़ा के साथ मातृशक्ति थीं। संगठन की साधारण सभा भी आयोजित की गई। सचिव सुनील डांगरा ने संपूर्ण संगठन की जानकारी दी। संगठन के संस्थापक माधव काकाणी ने बताया कि संगठन द्वारा जिले के समाजजनों हेतु महेश क्रेडिट सोसायटी का गठन किया गया। संगठन अध्यक्ष रजनी धूत ने संगठन और समाज के सभी सदस्यों से महेश क्रेडिट सोसायटी के सदस्य बनने की अपील की।

तीजोत्सव का हुआ आयोजन

महू. माहेश्वरी महिला मंडल द्वारा सातुड़ी तीजोत्सव मनाया गया। माहेश्वरी स्कूल में हुए कार्यक्रम में महिलाओं के लिए तीज क्वीन, तंबोला व रिश्तों की नोक-झोंक प्रतियोगिता रखी गई। निर्णायक अलका शारदा व शकुंतला ढोली थी। अध्यक्ष उमा सोढ़ानी, रमिला मालानी, सीता चिचाणी, संगीता लड्ढा, प्रेमलता सोढ़ानी आदि महिलाएं उपस्थित थीं। संचालन संगीता सोढ़ानी ने किया। आभार रजनी सोढ़ानी ने माना। तीज क्वीन प्रतियोगिता में प्रथम योगिता मारवाड़ी व द्वितीय नीलिमा सोढ़ानी रहीं। रिश्तों की नोक-झोंक प्रतियोगिता में वैशाली बाहेती व द्वितीय शालिनी लड्ढा रहीं।

असावा अध्यक्ष एवं दरगड़ सचिव

राजसमंद. श्री महेश महिला प्रगति संस्थान की आम सभा का आयोजन स्थानीय महेश नगर में किया गया। इसमें संस्थान के 2019-2022 के लिए त्रिवार्षिक चुनाव दक्षिणी राजस्थान प्रादेशिक महिला संगठन की पर्यवेक्षक सरस्वती रांदड़ व कृष्णा समदानी चित्तौड़गढ़एवं चुनाव अधिकारी डॉ. सुशीला असावा एवं मंजु अजमेरा राजसमंद के सान्निध्य में संपन्न हुए। चुनाव में निर्विरोध रूप से अध्यक्ष सीमा असावा, उपाध्यक्ष ज्योति अजमेरा व अरुणा सोमानी, सचिव उषा दरगड़, कोषाध्यक्ष चंदा ईनानी तथा संगठन मंत्री रेणु मूंदड़ा चुनी गईं। गणेश चतुर्थी के उपलक्ष्य में सभी सदस्यों द्वारा भजन कीर्तन कर गणेश महोत्सव का आयोजन भी किया गया।

जन्मदिन के अवसर पर रुग्ण सेवा

नागदा. माहेश्वरी समाज के उपाध्यक्ष एवं लायंस ग्रेटर अध्यक्ष घनश्याम राठी ने अपने जन्मदिन पर सरकारी अस्पताल में मरीजों को फल वितरित किए। उल्लेखनीय है कि श्री राठी इसी तरह कई वर्षों जन्मदिन पर मरीजों को फल वितरित करते आ रहे हैं। इस अवसर पर गोपाल मोहता, मनोज राठी, राजकुमार मोहता, जमना मालपानी आदि मौजूद थे। उक्त जानकारी विपिन मोहता द्वारा दी गयी।

'समय अच्छा' हो तो आपकी गलती भी मजाक लगती है, और 'समय ख़राब' हो तो आपकी मजाक भी गलती बन जाती है!!'

With Best Compliments From

Rahul Somany
9849048000

Dharmendra Kalantri
9441330440

Somany Sanitation

Authorised Dealers for

» Somany Aquaware » Somany Sanitaryware » Somany C.P. Fittings
» Somany Vitrified & Ceramic Wall & Floor Tiles
Digital Tiles, Complete Bathroom Fittings & Accessories
» Jaquar CP Fitting & All Product of
Bathroom & Kitchen Accessories

PROUD BNI MEMBER

Sec-Bad Address -
5-4-78/1, Opp. Tvs Sundaram Motors,
M.G. Road, Ranigunj, Sec-Bad -500003
Ph. : 040-27545455, 66383940

Banjara Hills Add :
8-2-684/3/16
"Disha Banjara" Banjara Green Colony,
Road No. 12, Banjara Hills, Hyderabad

With Best Compliments From

Somani SOMANI ISPAT PRIVATE LIMITED

theinner**strength** foryour**construction**

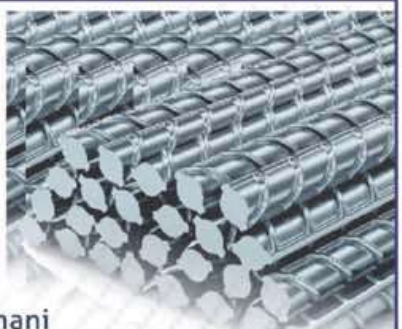

Sanjay Kumar Somani
+91 - 92465 34957

Sudhir Kumar Somani
+91 - 98490 24065

Aakash Somani
+91 - 99080 99081

11-6-27/1, 2 & 3, Opp. IDPL Factory, Balanagar, Hyderabad - 37 (T.S.) INDIA
+91 - 40 - 2377 1877 / 8375 / 2411, contact@somanisteel.com, www.somanisteel.com

HR Coil / TMT De-Coiling Unit & Godown at
Survey No. 76/2, Gundlapochampally
Near Kompally, Hyderabad, Cell : 77022 66065

VIZAG
Gajadhar Gaggar - 90003-04058
Dinesh Gaggar - 90003-04044
Plot No. 28, D Block Extn., Behind Sail Yard
Autonagar, Visakhapatnam, Ph : 0891-2754044

GROUP COMPANY

MAHESWARI FASTENERS & BRIGHT PVT. LTD.
Mahendra Rathi
92468-87753
Manufactures of : MS & HDG Fasteners (BIS & AP TRANSCO APPROVED)
Plot No. 152 & 154, Medchal Industrial Estate, Hyderabad, Ph : +91 - 40 - 2980 3123

vishalprinter.com

Authorised Dealer of : SAIL, VSP, JSW, JSPL, ESSAR & UTTAM VALUE

गीता भवन में मना नंदोत्सव

बूंदी. श्री माहेश्वरी महिला मंडल के तत्वावधान में गीता भवन में नंदोत्सव मनाया गया। कृष्ण जन्म पर महिलाओं ने पीले वस्त्र में सजधज कर भजनों पर कृष्ण रंग में डूब भाव विभोर होकर खूब नृत्य किए। महिला मंडल अध्यक्ष नीलम हल्दिया, पुष्पा बिड़ला, सोनल मूंदड़ा ने पूजा-अर्चना कर कार्यक्रम की शुरुआत की। सचिव नीलम थेबड़िया ने सदस्यों का स्वागत किया। नंदबाबा की भूमिका मीनाक्षी काबरा ने, वासुदेव की लीला सोमानी ने, यशोदा की अंजली नुवाल ने एवं कान्हा की भूमिका नन्हे बालक अर्जुन ने निभाई। इस दौरान यशोदा-बालकृष्ण की जोड़ी प्रतियोगिता का आयोजन भी किया गया। प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पर सीमा व सौम्य मंडोवरा, द्वितीय स्थान पर रुचि व रचित सोमानी रहे। स्वाति तोतला, संगीता सोमानी, रेणु बहेड़िया, माया मूंदड़ा, सरोज बिड़ला, संगीता मूंदड़ा, निधि तोषनीवाल, सविता मंडोवरा, मंजू मोदी सहित महिला मंडल की समस्त सदस्याएं मौजूद थीं।

नंदोत्सव का हुआ आयोजन

लखनऊ. श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के पावन पर्व पर महिला मंडल ने नंदोत्सव धूमधाम से मनाया। मेजबान श्रीमती सीता, राखी एवं शुभरा बल्दुआ थीं। सभी सखियां पीले और नारंगी परिधान में सुसज्जित थीं। गोपियों द्वारा मनमोहक नृत्य की प्रस्तुति दी गई। अध्यक्ष मधु तोषनीवाल और मंत्री मीना अटल ने नंदबाबा व यशोदा मैया के रूप में उपस्थित होकर सभी साथियों को बधाई दी। अंत में प्रसादी ग्रहण कर समाप्ति की गई।

राधाष्टमी पर भजन संध्या

अहमदाबाद. श्री माहेश्वरी महिला मंडल ओढ़व द्वारा राधा जन्मोत्सव पर एक भजन संध्या का आयोजन किया गया। इसमें राधा जन्म एवं राधा रानी के भजनों की प्रस्तुति महिला मंडल की महिलाओं द्वारा दी गई। इसमें श्री माहेश्वरी रामायण मंडल का भी योगदान रहा। रात 9 बजे से 11 बजे तक भजन का आयोजन किया गया। बाद में अल्पाहार के साथ कार्यक्रम की समाप्ति की गई।

राम लेखन कला कार्यशाला

कोलकाता. राम लेखन कला की ख्यात कलाकार कविता डागा की एक और कार्यशाला गत 10 सितंबर को टाटानगर (जमशेदपुर) में आयोजित की गई। पहली बार इस राम लेखन कार्यशाला में 175 से ज्यादा प्रतिभागी सम्मिलित हुए, जिसमें 80 बच्चे भी शामिल थे। प्रतिभागियों में पति-पत्नी एवं मां-बच्चों ने भी भाग लिया। उल्लेखनीय है कि राम लेखन कार्य शाला जो भी आयोजित करवाना चाहते हैं, वे श्रीमती डागा संपर्क कर सकते हैं। यह कार्यशाला निःशुल्क रहती है।

आमदनी पर्याप्त न हो तो खर्चों पे नियंत्रण रखिये...
जानकारी पर्याप्त न हो तो शब्दों पे नियंत्रण रखिये...

तीज सिंजारा का किया आयोजन

सूरत. माहेश्वरी महिला मंडल द्वारा गत 10 अगस्त को तीज सिंजारा के कार्यक्रम का आयोजन डीआर वर्ल्ड आई माता रोड में किया गया था। कार्यक्रम में करीब 150 सदस्यों की उपस्थिति रही। सोलह शृंगार के गीतों पर नृत्य, फूलों के गहने और भाई-बहन के रिश्ते पर नाटक की प्रतियोगिता रखी गई थी। अध्यक्ष उमा जाजू विशेष रूप से उपस्थित रहीं।

जन्माष्टमी पर्व का किया आयोजन

बरेली. जय महेश माहेश्वरी महिला समिति द्वारा जन्माष्टमी का कार्यक्रम धूमधाम से मनाया गया। महिलाओं ने कन्हैयाजी की बधाइयां तथा भजन गाए व गोपी बनकर नृत्य प्रस्तुत किए। सभी के सहयोग से कार्यक्रम सफल रहा। गत 30 अगस्त को माहेश्वरी महिला समिति बरेली के चुनाव समिति के पूर्व पदाधिकारियों के सान्निध्य में संपन्न हुए। इसमें संरक्षिका कुमकुम काबरा, जिलाध्यक्ष प्रभा मूना, अध्यक्ष शशि साबू, उपाध्यक्ष ललिता परवाल, सचिव रेणू परवाल, सहसचिव मनीषा झंवर, कोषाध्यक्ष अंजलि काबरा चुनी गईं।

वाराणसी दर्शन यात्रा का किया आयोजन

कोलकाता. वृहतर कोलकाता प्रादेशिक माहेश्वरी महिला संगठन अध्यक्ष निर्मला मल्ल के नेतृत्व में सुरम्या समिति के अंतर्गत 8 से 10 अगस्त तक वाराणसी दर्शन यात्रा का आयोजन किया गया।

इसके अंतर्गत सात अंचलों की 41 महिलाओं ने मिलकर काशी विश्वनाथ ज्योतिर्लिंग, विध्यांचल देवी, संकटमोचन हनुमान, देवी मां अन्नपूर्णा, कालभैरव दर्शन, नौका विहार करते हुए पंच गंगा स्नान, नौका विहार में सुंदरकांड पाठ, संध्या गंगा आरती दर्शन आदि का लाभ उठाया। मुख्य आकर्षण भगवान आशुतोष महामृत्युंजय मंदिर में महारुद्र अभिषेक का आयोजन था। देवा फाउंडेशन द्वारा अनाथ और स्ट्रीट के बच्चियों को काम सिखाकर आत्मनिर्भर बनाया जाता है। उस संस्था को संगठन के सभी सदस्यों ने मिलकर 27 हजार रुपए की राशि प्रदान की। उन लोगों के साथ मिलकर उनके उत्साह में वृद्धि के साथ ही साथ उनके उज्जवल भविष्य की कामना की गई। प्रातःकालीन योगा, शॉपिंग, कई तरह के खेल, हाउजी एवं विभिन्न तरह के व्यंजनों का संगठन की सदस्याओं ने भरपूर आनंद उठाया। वाराणसी माहेश्वरी महिला संगठन की अध्यक्ष शशि नेवर ने 07 अगस्त को सावन सिंजारे के उपलक्ष्य में कोलकाता प्रदेशाध्यक्ष निर्मला मल्ल एवं राष्ट्रीय ट्रस्ट उपाध्यक्ष राज झंवर को अतिथि के रूप में बुलाकर सम्मानित किया गया। इस यात्रा में दिल्ली प्रदेश से लक्ष्मी बाहेती और कोलकाता प्रदेश से राज झंवर की उपस्थिति सराहनीय रही।

बागड़ी ने किया प्रतियोगिता का पुरस्कार वितरण

नागपुर. महाराष्ट्र शासन द्वारा लागू की गई करीब 15 जनकल्याण योजनाओं पर राज्यस्तरीय इंटर कॉलेज वक्तृत्व प्रतियोगिता का आयोजन कॉलेज स्तर पर महाराष्ट्र सरकार द्वारा आयोजित किया जा रहा है। इसी तरह का आयोजन नागपुर में धनवटे नेशनल कॉलेज में किया गया। इसमें 20 कॉलेज के 60 छात्रों ने भाग लिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता धनवटे नेशनल कॉलेज के प्राचार्य डॉ. सुरेंद्र जिचकर ने की। स्पर्धा के निर्णायक समाजसेवक शरद बागड़ी, कॉलेज प्राध्यापक लता देशमुख, स्मिता लोखंडे व योगिता देशमुख नियुक्त किए गए थे। कॉलेज द्वारा समाजसेवी श्री बागड़ी को प्रमुख अतिथि व मुख्य वक्ता का सम्मान भी दिया गया। प्रमुख अतिथि श्री बागड़ी, प्राचार्य डॉ. जिचकर व प्राध्यापक डॉ. देशमुख के हाथों कॉलेज की भाग्यश्री पांडे को प्रथम पुरस्कार दिया गया।

सुंदरकांड का किया आयोजन

अमृतसर. सावन के अंतिम रविवार को शिवाला बाबा पंजपीर मंडी जीटी रोड में माहेश्वरी समाज व मारवाड़ी समाजजनों द्वारा सुंदरकांड पाठ व भोलेनाथ का श्रृंगार कीर्तन किया गया। इसमें सरला बूब, उमा पारिक, नीलम साबू पूजा आरती मालू, मीरा, पूनम, राजेश साबू, कमला पारीक आदि कई समाजजन उपस्थित थे।

महिला मंडल का हुआ नवगठन

मनासा (नीमच). माहेश्वरी महिला मंडल की नवीन कार्यकारिणी के चुनाव सुदामापुरी में गत 28 अगस्त को निर्विरोध संपन्न हुए। चुनाव अधिकारी के रूप में उषा काबरा, प्रेमलता मूंदड़ा व मनोरमा मूंदड़ा उपस्थित थीं। अध्यक्ष लता स्व. अनिल तोषनीवाल, उपाध्यक्ष रितु संजय समदानी, सचिव लता दिनेश तोषनीवाल, कोषाध्यश सावित्री विवेक समदानी, सांस्कृतिक सचिव संगीता अजय दरक और सहसचिव प्रेमलता रामानुज मूंदड़ा को चुना गया। कार्यकारिणी सदस्यों का भी चयन हुआ।

चेहरे की चमक और घर की ऊंचाइयों पर मत जाइये जनाब, घर के 'बुजुर्ग' गर मुस्कुराते मिलें तो समझ लीजिये कि आशियाना 'अमीरों' का है.

वनभ्रमण कर मनाया हरियाली उत्सव

उदयपुर. महेश माहेश्वरी सोसायटी ने पिछोला झील के किनारे जंगल सफारी के पास स्थित सीतामाता मंदिर में हरियाली उत्सव मनाया एवं वनभ्रमण किया। प्रचार मंत्री गौतम सोमानी ने बताया कि सोसायटी अध्यक्ष कैलाश कालानी एवं सचिव बृजगोपाल माहेश्वरी के नेतृत्व में उदयपुर की झीलों के ओवरफ्लो होने के बाद वनभ्रमण एवं हरियाली उत्सव की शुरुआत हुई। इसमें सौ से भी अधिक महिला, पुरुषों एवं बच्चों ने भाग लिया। महिला सोसायटी अध्यक्ष नीलम पेड़ीवाल, कोषाध्यक्ष दीक्षा मंत्री एवं करण मंडोवरा के निर्देशन में सामूहिक खेलों का सभी ने आनंद लिया। कार्यक्रम के दौरान ही सामाजिक विषयों पर भी परिचर्चा हुई जिसमें अध्यक्ष कैलाश कालानी, उपाध्यक्ष रमेशचंद्र मूंदड़ा, संयुक्त सचिव प्रशांत लाहोटी, संरक्षक शंकरलाल भदादा, मुरलीधर गट्टानी, सलाहकार डॉ. वल्लभलाल मंडोवरा, डॉ. मुकेश जागेटिया, राजेंद्र मंत्री, शोभा कालानी, कांता भदादा, शकुंतला गट्टानी आदि ने अपने विचार व्यक्त किए। संगठन मंत्री मुकेश मूंदड़ा, सांस्कृतिक मंत्री राकेश लड्ढा, आयोजन मंत्री दिनेशचंद्र तोषनीवाल, खेल मंत्री मदनगोपाल लावटी, प्रचार प्रसार मंत्री गौतम सोमानी, अनुज पेड़ीवाल, अनिल सोमानी आदि ने कार्यक्रम की व्यवस्थाएं संभाली। प्रेम अजमेरा, प्रेम मूंदड़ा, शांता माहेश्वरी, आराधना सोमानी, सुनीता राठी, कविता जागेटिया आदि उपस्थित थे। पारितोषिक वितरण अध्यक्ष कैलाश कालानी, महिला सोसायटी अध्यक्ष नीलम पेड़ीवाल, सचिव बृजगोपाल माहेश्वरी, महिला सोसायटी सचिव सुनीता राठी द्वारा किए गए। सचिव बृजगोपाल माहेश्वरी ने आभार व्यक्त किया।

शिक्षकों का सम्मान

बीकानेर. शिक्षक दिवस के शुभ दिवस पर पीओएसडीसी ड्रीम फाउंडेशन की स्थापना की गई। प्रथम दिन स्थापना व शिक्षक दिवस के उपलक्ष्य में सेवा आश्रम प्रथम सुदर्शना नगर में शिक्षकों को सम्मानित किया गया। फाउंडेशन अध्यक्ष पुनीत चोपड़ा ने बताया कि कार्यक्रम के मुख्य अतिथि माहेश्वरी सभा के सेक्रेटरी रघुवीर झंवर का माल्यार्पण करके अभिनंदन किया गया। श्री झंवर ने सेवा आश्रम के बच्चों व फाउंडेशन के सदस्यों को संबोधित करते हुए जीवन में सत्य प्रेम और करुणा तीन गुणों को अपनाने पर जोर दिया।

'हम' से 'मैं' पर आते ही 'अभिमान' शुरू और 'मैं' से 'हम' पर आते ही 'प्रगति' और 'परिणाम' शुरू.

मंदिर ट्रस्ट व भवन समिति के चुनाव संपन्न

रायपुर. माहेश्वरी सभा द्वारा माहेश्वरी भवन डुंडा में चुनावी सभा आयोजित की गई। इसमें गोपाल मंदिर ट्रस्ट हेतु चार ट्रस्टियों और माहेश्वरी भवन डूंडा की प्रबंधन समिति का चुनाव किया गया। गोपाल मंदिर सदर बाजार ट्रस्ट के लिए विजयकुमार दम्माणी, बद्रीदास झंवर, ओमप्रकाश नागोरी और देवरतन बागड़ी को ट्रस्टी चुना गया। माहेश्वरी भवन प्रबंधन समिति में अध्यक्ष संपत काबरा, कार्यकारी अध्यक्ष अजय सारडा, उपाध्यक्ष राजेश गोविंदलाल राठी, सचिव सूर्यप्रकाश राठी, कोषाध्यक्ष हेमंत टावरी, सहसचिव भूपेंद्र करवा तथा कार्यकारिणी में राजकुमार राठी (सिविल लाइंस), आदित्य माहेश्वरी, विष्णु सारडा, ओमप्रकाश नागोरी एवम संदीप मर्दा को सदस्य चुना गया।

महिला उद्यमियों के मेले का आयोजन

नेवरा. उद्यमशील महिलाओं के समूह द्वारा स्वरोजगार एवम महिला स्वावलंबन को बढ़ावा देते हुए पहली बार भव्य एक्जीबिशन एवं सेल का आयोजन माहेश्वरी भवन नेवरा (तिल्दा) में किया गया। इस पहल से जुड़ी रायपुर की प्रज्ञा राठी ने बतलाया कि दो दिवसीय इस एक्जीबिशन में राजधानी से इस क्षेत्र में अपनी विशिष्टता के साथ पहचान बनाने वाली महिलाओं द्वारा अपनी कलात्मक एवम अनूठी वस्तुओं का प्रदर्शन एवं विक्रय भी किया गया। इस अवसर पर रमेश भट्टड़ जिलाध्यक्ष माहेश्वरी सभा बिलासपुर, द्वारकादास गांधी सभा अध्यक्ष, श्रीनिवास राठी, नीलेश राठी युवा मंडल अध्यक्ष, अमित भट्टड़, पप्पू राठी आदि कई गणमान्यजन मौजूद थे।

राष्ट्रीय समूह गान प्रतियोगिता का हुआ आयोजन

नागपुर. दक्षिण मध्य क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र एवं भारत विकास परिषद द्वारा संयुक्त रूप से राष्ट्रीय समूह गान प्रतियोगिता का आयोजन रामनगर के भातृमंडल सभागृह में किया गया। इस अवसर पर प्रमुख अतिथि भारत सरकार सांस्कृतिक मंत्रालय अधीन द.म. क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र निर्देशक दीपक खिरवाड़कर, केंद्रीय फिल्म सेंसर बोर्ड सदस्य रमाताई गोलवलकर, वरिष्ठ समाजसेवक शरद गोपीदासजी बागड़ी व धरमपेठ गृहनिर्माण संस्था सचिव अशोक दवंडे थे। समूह गान में शहर के 19 स्कूलों ने भाग लिया। प्रतियोगिता में हिंदी व संस्कृत भाषा में गीतों की प्रस्तुति हुई। प्रमुख अतिथि श्री बागड़ी ने बच्चों को संबोधित करते हुए कहा कि हमारी छोटी-छोटी आदतों पर ध्यान देना जरूरी होता है। कारण हमारी आदत धीरे धीरे हमारा स्वभाव तथा स्वभाव से हमारा चरित्र निर्माण होता है। प्रमुख अतिथि श्री बागड़ी व श्री दवंडे के हाथों विजेता स्कूल सोमलवार, खामला एवं उपविजेता टीम को ट्रॉफी, सर्टिफिकेट देकर पुरस्कृत किया गया। कार्यक्रम का संचालन संदीप झंवर ने किया।

त्रिदिवसीय आनंद मेले का आयोजन

देवास. श्री माहेश्वरी महिला संगठन द्वारा आयोजित मेले का उद्घाटन जिला अध्यक्ष राजकुमारी ईनानी, जिला सचिव अरुणा भूतड़ा, समाज अध्यक्ष प्रहलाद दाड, युवा संगठन अध्यक्ष विपिन डागा द्वारा किया गया। इस अवसर पर माहेश्वरी महिला संगठन द्वारा स्मारिका 'अनुभूति' का विमोचन भी किया गया। महिला संगठन अध्यक्ष शोभा चिचाणी एवं सचिव मधु परवाल द्वारा समाज संगठन, युवा संगठन, सखी संगठन एवं महिला संगठन की पूर्व अध्यक्ष एवं कार्यकारिणी सदस्यों का सम्मान किया गया। मेले में पुष्पा काबरा, मणि डागा, सरोज भूतड़ा, सुशीला परवाल, शीला डागा आदि अतिथि थे। मंजू लाठी, मीना गगरानी, रेखा भुराड़िया, मंगला परवाल, रंजना परवाल, उमा डागा, सुमन मूंदड़ा, ज्योति मालू, मधु झंवर सहित कई सदस्य उपस्थित थीं। कार्यक्रम का संचालन चेतना माहेश्वरी व अनीता मंत्री द्वारा किया गया। आभार सुधा झंवर द्वारा माना गया।

स्टार्टअप बिजनेस प्लान प्रतियोगिता

अमरावती. स्टार्टअप बिजनेस प्लान प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इसमें मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित जिलाधीश शैलेष नवाल ने कहा कि जीवन में अपने पैरों पर खड़े होते हुए नई कल्पनाओं को आकार देना सीखें। विद्यार्थी अपने साथ औरों को रोजगार देने योग्य बनें। मिस्टर फुल नहीं बल्कि मिस्टर कुल बनें।

तराशने वाले तो पत्थरों को भी तराश देते हैं...
नासमझ तो हीरे को भी पत्थर करार देते हैं...

एडीजे विपिन माहेश्वरी को विशिष्ट पदक

भोपाल. अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक विपिन कुमार माहेश्वरी को मप्र के मुख्यमंत्री कमलनाथ द्वारा स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर राष्ट्रपति के विशिष्ट सेवा पदक से सम्मानित किया गया। उल्लेखनीय है कि श्री माहेश्वरी वर्ष 2012 में गालेन्ट्री मेडल व 2019 में डिस्टिंग्युश्ड प्रेसिडेंट मेडल से भी सम्मानित हो चुके हैं।

सिंजारा उत्सव का किया आयोजन

अमृतसर. स्थानीय माहेश्वरी मित्र मंडल द्वारा सिंजारा उत्सव का आयोजन किया गया। इसमें 18 अगस्त को राधेश्याम साबू के निवास स्थान पर सातुड़ी तीज व नीमड़ी पूजन किया गया। सरला बूब, सुमन मूंदड़ा, शांति बंग, नीलम साबू, सरोज मूंदड़ा, पूजा, मीनाक्षी, गिरजा, राजश्री सारड़ा, मंजू, रेखा सारडा, कृष्णा सारडा, सुनीता, मीनल साबू, पूनम साबू आदि कई महिलाएं इसमें उपस्थित थीं।

तहसील माहेश्वरी संगठन की कार्यकारिणी गठित

धामणगांव. तहसील माहेश्वरी संगठन की कार्यकारिणी का गठन गत दिनों किया गया। इसमें अध्यक्ष पद पर अशोककुमार मूंदड़ा एवं सचिव पद पर राजेश गगन का चयन किया गया। इसी प्रकार उपाध्यक्ष ओमप्रकाश इंदाणी, कोषाध्यक्ष विजय गांधी, सहसचिव मुकेश राठी, संगठन मंत्री संजय मोकाती सर्वसम्मति से चुने गये। मुख्य चुनाव अधिकारी रामपाल कलंत्री व सह निर्वाचन अधिकारी राधेश्याम लड्ढा तथा राजीव महेंद्र थे। इसी प्रकार तहसील महिला संगठन में अध्यक्ष सुषमा गांधी, सचिव उषा राठी एवं कोषाध्यक्ष निलोत्तमा मूंदड़ा सहित कार्यकारिणी सर्वसम्मति से गठित की गई।

नंद महोत्सव का किया आयोजन

अहमदाबाद. श्री माहेश्वरी रामायण मंडल ने अपने रजत जयंती वर्ष पर प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी एक विशाल नंद महोत्सव का आयोजन किया गया। इसमें प्रथम दिवस को भजन संध्या का आयोजन किया गया। इसमें प्रयागराज से आए भजन कलाकार गणेश श्रीवास्तव ने अपनी सुमधुर वाणी द्वारा श्रोताओं को मंत्र मुग्ध कर दिया। दूसरे दिन नंद महोत्सव में सुबह 8 बजे मटकी फोड़ कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसके बाद एक विशाल शोभायात्रा नगर के मुख्य मार्गों से होती हुई निकली। अंत में लगभग 2 हजार लोगों का सहभोज आयोजित किया गया।

नंदोत्सव का हुआ आयोजन

खरगोन. महिला जिला संगठन द्वारा नंदोत्सव मनाया गया। इसमें जिलाध्यक्ष स्मिता बियानी कृष्ण बनीं और सभी सदस्याएं राधा और गोपियां बनीं। जानकी खटौड़, अलका सोमानी, पुष्पा जाजू, उमा सोमानी, राधा, कौशल्या अग्रवाल आदि कई महिलाएं मौजूद थीं। इसी प्रकार सेवा गतिविधि में महिला मंडल द्वारा शासकीय अस्पताल में रक्तदान किया गया। इसमें खरगोन जिलाध्यक्ष स्मिता बियानी, विनोद बियानी, उमा सोमानी और कई छात्रों ने रक्तदान किया।

गुरु वंदन समारोह संपन्न

जायस (अमेठी). पंकज माहेश्वरी स्मृति महाविद्यालय के विद्यार्थियों ने गुरु वंदन अभिनंदन समारोह आयोजित कर अपने गुरुजनों का सम्मान किया और शिक्षकों से केक कटवा कर मुंह मीठा करवाया। इस अवसर पर सबा, शिवारानी व रचना ने जीवन में गुरु के महत्व व आशीर्वाद प्रकाश डाला। पूर्व छात्रा शायरा बानो व शिवानी ने इस कॉलेज से मिले शिक्षा व संस्कार के लिए विद्यालय परिवार के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित की। प्रबंधक मनोज माहेश्वरी ने इस अवसर पर कहा कि शिक्षा, संस्कार और विकास हमारा मूल मंत्र है। 'अच्छी शिक्षा व उज्जवल भविष्य' इस ध्येय वाक्य पर महाविद्यालय विशेष ध्यान देता है।

आपणो उत्सव का हुआ आयोजन

वर्धा. माहेश्वरी मंडल वर्धा द्वारा विगत दिनों आपणो उत्सव का आयोजन किया गया। महासभा के दक्षिणांचल के उपसभापति अशोक बंग, माहेश्वरी मंडल वर्धा के आपणो उत्सव के प्रमुख अतिथि थे। उल्लेखनीय है कि विगत 60 वर्षों से मंडल द्वारा बड़ी तीज की पूर्व संध्या पर आपणो उत्सव का आयोजन करने की परंपरा रही है। कार्यक्रम में माहेश्वरी मंडल वर्धा के प्रमुख ट्रस्टी जगदीश चांडक, अध्यक्ष ओमप्रकाश पसारी, महिला अध्यक्ष हर्षा परमानंद टावरी, नवयुवक अध्यक्ष अमित टावरी, नवयुवती अध्यक्ष विजेता पनपालिया भी मंचासीन थे। जल बचाओ थीम पर आकर्षक मंच बनाया था। अमित गांधी व राजकुमार जाजू ने इसी थीम पर आपणो उत्सव की विस्तृत जानकारी देते हुए कार्यक्रम का संचालन किया था। स्वागत भाषण अध्यक्ष ओमप्रकाश पसारी ने दिया। चेतन लड्ढा, बद्रीनारायण पनपालिया, दामोदर दरक, ललित राठी, स्वप्निल बिसाणी, विजय मोहता आदि सदस्य मौजूद थे।

कोठारी दंपति ने ली बालिका की शिक्षा की जिम्मेदारी

अमरावती. शहर की लायंस क्लब ऑफ अमरावती प्रीमियम के अध्यक्ष डॉ. प्रकाश कोठारी व डॉ. संध्या कोठारी दंपती ने एक जरूरतमंत बालिका की शिक्षा की जिम्मेदारी ली। इस योगदान के लिए डॉ. लक्ष्मीकांत राठी, डॉ. आशीष साबू, उज्जवल सारडा सहित शहर के कई नागरिकों ने उनका अभिनंदन किया।

गुरु वंदन-छात्र अभिनंदन

ब्यावर. भारत विकास परिषद का राष्ट्रीय प्रकल्प 'गुरु वंदन-छात्र अभिनंदन' हर्षोल्लास के साथ संपन्न हुआ। प्रकल्प प्रभारी-संजय जिंदल ने बताया कि ये कार्यक्रम गुरु पूर्णिमा 16 जुलाई को राजकीय पटेल उच्च माध्यमिक विद्यालय से प्रारंभ किया गया था जो 6 सितंबर को अशोक नगर स्कूल में संपन्न हुआ। लगभग 50 दिनों तक चले इस प्रकल्प में लगभग 45 स्कूलों में ये कार्यक्रम आयोजित हुआ। करीबन 45 शिक्षकों व 51 विद्यार्थियों को माला पहनाकर श्रीफल, शॉल व प्रशस्ति-पत्र देकर भारत विकास परिषद, ब्यावर द्वारा सम्मानित किया गया। सभी स्कूलों से 21,000 विद्यार्थी इस कार्यक्रम में सम्मिलित हुए। भारत विकास परिषद, ब्यावर शाखा अध्यक्ष राजेंद्र काबरा ने बतलाया कि संस्था द्वारा इस कार्यक्रम को हर विद्यालय में उत्सव की तरह मनाया गया।

राजस्थान बुक ऑफ रिकॉर्ड का आयोजन

जोधपुर. राजस्थान बुक ऑफ रिकाड्र्स द्वारा प्रायोजित जोधपुर आर्ट फेस्टिवल का गत 1 सितंबर सुबह 10.30 बजे आगाज हुआ। समारोह का उद्घाटन फीता काटकर विकास चांडक फाउंडर एवं अध्यक्ष जोधपुर आर्ट फेस्टिवल रंजीत सिंह, दिलशाद खान व राजीव मल्होत्रा ने किया। इसके पश्चात नेशनल फेम नृत्यांगना मनस्वी ने भारतनाट्यम आधारित नृत्य की प्रस्तुति दी। तत्पश्चात ख्यात कहानीकार हरिप्रकाश राठी की कहानी 'प्रेत-पितर' की संगीतमय ऑडियो क्लिप का मंचन हुआ। कार्यक्रम में दिल्ली से आए मेडिकल कॉलेज प्राचार्य महेश राठी ने भी विचार प्रस्तुत किए। कार्यक्रम का संचालन नीलम मूंधड़ा ने किया।

राठी अध्यक्ष व जाजू बनीं सचिव

अमरावती. स्थानीय रामदेव बाबा मंदिर में आयोजित श्री रामदेव बाबा महिला मंडल की सभा में 2019 से 2021 के लिए अध्यक्ष व सचिव का चयन किया गया। इसमें अध्यक्ष रजनी राठी तथा सचिव ज्योति जाजू सर्वसम्मति से चुनी गईं।

किसी को गिराकर तुम अपनी हस्ती बना रहे हो
अपनी पहचान तो देखो
कितनी सस्ती बना रहे हो

मिनल को सीए इंटर में 17वां स्थान

अमरावती. दी इंस्टिट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया द्वारा आयोजित सीए इंटरमिडीएट परीक्षा 2019 में महाराष्ट्र से मिनल लाहोटी ने समूचे भारत में 17वां स्थान प्राप्त किया है। उन्होंने 800 अंकों में से 637 अंक प्राप्त कर महाराष्ट्र के राठी करियर फोरम का नाम रोश किया है। उल्लेखनीय है कि मिनल एक गायिका भी हैं और माहेरा, भजन संध्या जैसे सभी इनवेन्ट्स लेती हैं। वे शंकर-अर्चना लाहोटी की सुपुत्री हैं।

मिट्टी के गणेश बनाओ प्रतियोगिता

नागदा. माहेश्वरी मंडल ने 'मिट्टी के गणेश बनाओ' प्रतियोगिता आयोजित की। प्रतियोगिता में 9 प्रतियागियों ने भाग लिया। सभी प्रस्तुत गणेश प्रतिमाएं बहुत सुंदर और मनमोहक थीं। प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार वंदना मोहता, द्वितीय-संध्या लड्ढा, तृतीय-राधिका राठी व मीनल गट्टानी को मिला। अन्य सभी प्रतियोगियों को भी प्रोत्साहन पुरस्कार संगठन द्वारा दिए गए।

माहेश्वरी शिक्षिकाओं का सम्मान

नागदा. गत 5 सितंबर शिक्षक दिवस के अवसर पर माहेश्वरी समाज की शिक्षिकाओं का सम्मान शॉल और श्रीफल देकर सम्मान किया गया। इस अवसर पर कई समाजजन उपस्थित थे।

सोमानी ने किया नड्डा का अभिनंदन

निजामाबाद. हैदराबाद स्थित भारतीय जनता पार्टी कार्यालय में भाजपा के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष जेपी नड्डा का निजामाबाद चेंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के संस्थापक अध्यक्ष पीआर सोमानी ने सम्मान किया। इस अवसर पर श्री सोमानी ने श्री नड्डा का अभिनंदन करते हुए कहा कि उन्होंने कैंसर की दवाइयों के मूल्य पर 87 प्रतिशत की कमी कर एक नया कीर्तिमान बनाया है, जिससे आम आदमी को बहुत ही लाभ होगा।

महिला सशक्तिकरण पर कार्यशाला

नागपुर. जेसीआई नागफेम द्वारा जेसीआई सर्विस विक में महिला सशक्तिकरण व महिलाओं के रोजगार हेतु स्किल डेवलपमेंट पर तीन दिवसीय कार्यशाला आयोजित की गई। प्रमुख अतिथि वरिष्ठ समाजसेवक शरद गोपीदास बागड़ी व स्किल डेवलपमेंट पर प्रमुख वक्ता कैट के राष्ट्रीय अध्यक्ष बीसी भरतिया थे। श्री बागड़ी ने महिला सशक्तिकरण पर कहा कि कुदरत ने महिलाओं को बहुत विशेष गुण, शक्ति दी है। हम अपने शास्त्र, पुराण, इतिहास उठाकर देखेंगे तो हिंदुस्तान की महिलाओं ने हमेशा पुरुषों से कंधे से कंधा मिलाकर परिवार व राज्य में योगदान दिया है। दशरथजी असुर युद्ध में घायल हुए थे, तब महारानी कैकेयी ने युद्ध करके दशरथजी के प्राण बचाए थे। झांसी की रानी ने भी अंग्रेजों से युद्ध किया था।

सोसायटी अध्यक्ष बने बंकटलाल सारडा

अकोला. अकोला पत्रकार सहकारी गृह निर्माण सोसायटी के अध्यक्ष पद पर बंकटलाल सारडा का पुनः सर्वसम्मति से चयन किया गया। उल्लेखनीय है कि श्री सारडा लगातार 10 वर्षों से सोसायटी के अध्यक्ष पद पर सेवा दे रहे हैं।

आज के दौर में रिश्ते हो या मोबाइल
अगर नेटवर्क में न रहे
तो लोग गेम खेलने लगते हैं

दो दिवसीय धार्मिक यात्रा संपन्न

भीलवाड़ा. मरूधरा माहेश्वरी संस्थान द्वारा सदस्यों के लिए दो दिवसीय धार्मिक यात्रा लोहार्गल धाम का कार्यक्रम सपरिवार आयोजित किया गया। मुख्य प्रभारी जगदीश सोनी ने बताया कि स्पेशल दर्शन, मनोरंजन एवं भोजन की व्यवस्था भी संस्थान की ओर से सदस्यों के लिए की गई। सालासर बालाजी मंदिर में सुंदरकांड पाठ का आयोजन संस्थान ने किया। अध्यक्ष दामोदरलाल सिंगी ने बताया कि लोहार्गल धाम माहेश्वरी समाज का उत्पत्ति स्थल है। यहां कुंड में स्नान कर सभी ने आनंद लिया। प्रभारी रामकुमार बाहेती ने बताया कि जीण माता के दर्शन के पश्चात खाटू श्याम, लोहार्गल धाम एवं सालासर बालाजी के दर्शन कर पुनः भीलवाड़ा पहुंचे। सचिव दिनेशकुमार राठी ने धार्मिक यात्रा में पधारे सभी सदस्यों का आभार प्रकट किया।

शब्दनिष्ठा सम्मान समारोह आयोजित

सलूंबर. शब्द निष्ठा संस्था की ओर से अजमेर के कला रत्न भवन में शब्द निष्ठा सम्मान समारोह आयोजित हुआ। इस वर्ष आचार्य रतनलाल विद्यानुग की जन्म शताब्दी पर बाल साहित्य पुरस्कार बाल कथा संग्रह 'एक बाल कहानी' के लिए प्रदान किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता वरिष्ठ साहित्यकार विमला भंडारी सलूंबर ने की। मुख्य अतिथि आशा शर्मा जयपुर एवं डॉ बजरंग सोनी जयपुर मुख्य वक्ता थे। कार्यक्रम में बाल कहानी के लिए सात और बाल संग्रह के लिए छह रचनाकारों को सम्मानित किया गया। इस कार्यक्रम के संयोजक और शब्द निष्ठा संस्था के संस्थापक चिकित्सक डॉ. अखिलेश पालरिया और शब्द निष्ठा पुरस्कार समारोह की टीम ने डॉ. भंडारी का माला पहनाकर, शॉल ओढ़ाकर, प्रतीक चिह्न अर्पित कर अभिनंदन किया।

महेश बैंक देगी 20 फीसदी लाभांश

हैदराबाद. महेश बैंक भी इस वर्ष अपनी तकनीकी सेवाओं के दायरे को बढ़ाते हुए ई केवायसी, प्रिपेड पैमेंट इन्सट्रूमेंट, आधार पे आदि सेवाएं शीघ्र ही शुरू करने वाला है। उपरोक्त उद्‌गार महेश बैंक के चेयरमैन पुरषोत्तम दास मानधना ने महेश बैंक के बंजारा हिल्स स्थित नव निर्मित प्रधान कार्यालय के सभागृह में 43वीं वार्षिक साधारण सभा में शेयर होल्डर्स को सम्बोधित करते हुये व्यक्त किये। बैंक की प्रगति के बारे में बताते हुये श्री मानधना ने कहा कि लगातार दूसरे साल भी बैंक को कर पूर्व लाभ 27.11 प्रतिशत की रिकार्ड बढोतरी के साथ 54.43 करोड़ रू हुआ। कर भुगतान के बाद लाभ विगत वर्ष के 29.49 करोड रू से 44.18 प्रतिशत वृद्धि के साथ 42.52 करोड़ रू हुआ। बैंक का सकल व्यापार विगत वर्ष के 3561.48 करोड़ रू को पार करते हुये इस वित्तीय वर्ष के अन्त तक 7.52 की वृद्धि के साथ 3829.13 करोड़ रू पर जा पहुँचा। बैंक के प्रति शेयर की बुक वेल्यू विगत वर्ष के 160.78 रू से बढ़कर 177.32 रुपए हो गई। प्रति शेयर पर आय विगत वर्ष के 17.74 रू की जगह पर 24.84 रू हुई। श्री मानधना ने कहा कि अंश धारकों की सतत् मांग को ध्यान में रखते हुए इस वर्ष रिकार्ड लाभ के कारण बैंक द्वारा प्रोरेटा 20 प्रतिशत के लाभांश की सिफारिश की जा रही है। वार्षिक साधारण सभा में निदेशक मंडल के बृजगोपाल असावा, चैनसुख काबरा, कमलनारायण राठी, कृष्णचंद बंग, लक्ष्मीनारायण राठी, नंदकिशोर हेडा, ओमप्रकाश जाखोटिया, पुष्पा बूब, रामप्रकाश भंडारी, श्रीगोपाल बंग, श्रीकांत ईन्नानी, श्रीनिवास असावा, सीए किशनगोपाल मणियार, सीएस सुमन हेड़ा एवं पूर्व निदेशकगण उपस्थित थे।

माहेश्वरी बनी महिला परिषद अध्यक्ष

जयपुर. श्री माहेश्वरी महिला परिषद, कार्यकारिणी के सत्र 2019-22 के चुनावों में अध्यक्ष पद पर रजनी माहेश्वरी निर्विरोध निर्वाचित हुई। मुख्य चुनाव अधिकारी अजय कुमार गुप्ता द्वारा जारी सूची के अनुसार सचिव स्नेहलता साबू, उपाध्यक्ष विमला मालपानी, राजेश्वरी परवाल एवं ज्योति तोतला, सहसचिव ज्याति हुरकट, ज्योति बिड़ला एवं आराधना सोमानी, संगठन एवं प्रचार मंत्री शशि देवी लखोटिया, कोषाध्यक्ष अल्पना सारड़ा, अर्थमंत्री कृष्णा सोनी, सांस्कृतिक मंत्री सुनीता जैथलिया, सहसांस्कृतिक मंत्री नीरजा मांधना, क्रीड़ा मंत्री मिथलेश मारू, गृहउद्योग मंत्री राजकुमारी लड्ढा एवं कार्यालय मंत्री मंजू सोढानी निर्विरोध निर्वाचित घोषित हुई।

पंकज माहेश्वरी का किया पुण्य स्मरण

जायस (अमेठी)। पंकज माहेश्वरी स्मृति महाविद्यालय, नंद्रग्राम जायस में प्रेरणास्रोत पंकज माहेश्वरी की पुण्यतिथि का आयोजन किया गया। श्रद्धांजलि अर्पित करते प्राचार्य डॉ. आरडी मिश्र एवं डॉ. मिथलेश कुमार ने उनके व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर प्रकाश डाला। प्रशांत माहेश्वरी ने हिंदी भाषा पर अपने विचार रखते हुए कहा कि आज का युवा अगर प्रयास करे तो हिंदी राजभाषा से राष्ट्रभाषा बन सकती है। इस अवसर पर विद्यार्थियों ने हिंदी को सबल बनाकर खुद सबल बनने की बात कही। प्रबंधक मनोज माहेश्वरी ने कहा कि हिंदी बोलने व लिखने-पढ़ने में हमें आत्मगौरव होना चाहिए। कार्यक्रम का संचालन डॉ. आशुतोष पांडेय ने किया। इस अवसर पर डॉ. विजय मौर्या, उत्तम राय, पुल्कित माहेश्वरी आदि उपस्थित थे।

तीज के सिंधारा का हुआ आयोजन

दिल्ली. गत 9 अगस्त को सायं 5.30 बजे से शाह ऑडिटोरियम सिविल लाइंस दिल्ली में माहेश्वरी मंडल (दिल्ली) की महिला समिति के तत्वावधान में तीज उत्सव धूमधाम से संपन्न हुआ। अतिविशिष्ट अतिथि के रूप में किरन चौपड़ा संपादक पंजाब केसरी, विशिष्ट अतिथि के रूप में प्रतिभा श्याम जाजू समाजसेवी, कुमारी ज्योति माहेश्वरी मेट्रोपोलियन मजिस्ट्रेट, वंदना कुमार विधायक शालीमार बाग, कंचन माहेश्वरी जोन चेयरपर्सन शाहदरा दक्षिण की गरिमामयी उपस्थिति रही। इसमें छोटे बच्चों की प्रतिभा को निखारने के लिए किड्स फैशन शो का आयोजन भी किया गया। इसमें आयु वर्ग 4-8 वर्ष के 18 बच्चों व आयु वर्ग 9-13 वर्ष के 12 बच्चों ने रैंप पर अपनी प्रतिभा प्रस्तुत की। महिला समिति की वरिष्ठ सदस्याओं द्वारा समारोह की अतिविशिष्ट व विशिष्ट अतिथियों को पौधे भेंट स्वरूप प्रदान कर उनका स्वागत किया गया। तत्पश्चात मंडल के दिवंगत संरक्षक सदस्यों व कार्यकारिणी सदस्यों की यादगार में उनकी धर्मपत्नियों को अतिथियों द्वारा शॉल ओढ़ाकार व स्मृति चिह्न भेंटकर सम्मानित किया गया। नारी के विभिन्न स्वरूपों को प्रदर्शित करती लघु नाटिका 'नारी एक स्वरूप अनेक' का मंचन किया गया। प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी सत्तू के लिए गेहूं, चावल, चने के आटे एवं पीसी हुई चीनी के वितरण की विशेष व्यवस्था की गई।

जीवन में गलती सिर्फ एक पन्ना है लेकिन रिश्ता पूरी किताब है... रिश्तों की पूरी किताब के खातिर गलती का एक पन्ना फाड़ें पर गलती के एक पन्ने की वजह से पूरी किताब नहीं फाड़ें...।

सार्थक 2019 का शिरडी में हुआ आयोजन

अ.भा माहेश्वरी महासभा की कार्यसमिति एवं मंडल की बैठक सम्पन्न

शिरडी. जिला सभा के आतिथ्य में महासभा की बैठक सार्थक 2019 संपन्न हुई। माहेश्वरी समाज प्रदेशाध्यक्ष मधुसूदन गांधी ने अहमदनगर जिला माहेश्वरी सभा के 40 वर्ष के इतिहास पर बसंत मणियार द्वारा संपादित स्मरणिका 'सार्थक 2019' के विमोचन पर सम्बोधित किया। इस अवसर पर महासभा के पूर्व सभापति रामपाल सोनी, सभापति श्यामसुंदर सोनी, महामंत्री संदीप काबरा, संगठन मंत्री अजय काबरा, उपसभापति अशोक बंग, संयुक्त मंत्री सतीश चरखा, प्रदेश उपाध्यक्ष रामबिलास बूब, संयुक्त मंत्री गणेशलाल बाहेती, जनसंपर्क मंत्री मनीष मणियार, विधायक किरण माहेश्वरी, महिलाध्यक्ष कल्पना गगरानी, सार्थक 2019 के स्वागाध्यक्ष राजेश मालपाणी, स्वागत मंत्री मोहनलाल मानधना तथा संपूर्ण भारत से आये महासभा कार्यकारिणी सदस्य उपस्थित थे। उद्घाटन अवसर पर जितेन्द्र बिहाणी, श्रीगोपाल धूत, किशोरीलाल धूत, एलवी राठी, प्रदीप बूब, रमेश झंवर, शिवरतन मूंदड़ा, प्रवीण बजाज, प्रवीण लाहोटी, रमेश कासट आदि कई गणमान्य जन उपस्थित थे।

समदानी बने मंदिर ट्रस्ट अध्यक्ष

भीलवाड़ा. श्री माहेश्वरी समाज श्री चारभुजा जी मंदिर ट्रस्ट बड़ा मंदिर की 21 सदस्यीय कार्यकारिणी सर्वसम्मति से बनाई गई। श्री महेश सेवा समिति के अध्यक्ष राधेश्याम चेचाणी ने सभी का स्वागत किया। इसमें संरक्षक-चन्द्र सिंह तोषनीवाल एवं रामेश्वरलाल तोषनीवाल, अध्यक्ष- उदयलाल समदानी, वरिष्ठ उपाध्यक्ष- राकेश पटवारी, मंत्री- रामस्वरूप सामरिया, उपाध्यक्ष- रामस्वरूप तोषनीवाल एवं बालमुकुन्द राठी, कोषाध्यक्ष- सुनील कुमार सोनी, वरिष्ठ सहमंत्री- छीतरमल डाड तथा सहमंत्री- रामपाल राठी चुने गये। इनके साथ ट्रस्टियों का चयन भी किया गया।

यकीन मानो वो भी याद करेगा..
जो तुम्हे भूल चुका है...
बस...
उसके मतलब के दिन आने दो...

परिवार मिलन समारोह हुआ आयोजित

कालांवाली (सिरसा). युवा संगठन की ओर से माहेश्वरी परिवार मिलन समारोह का आयोजन किया गया। संगठन के कैशियर तरुण कोठारी ने बताया कि सभी माहेश्वरी परिवारों ने इस कार्यक्रम में शिरकत की। महिला मंडल द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम भी पेश किए गए। बच्चों के कार्यक्रम व कपल्स गेम्स भी हुए तथा विजेता को सम्मानित किया गया। इस मौके पर सभा के प्रधान नरेश माहेश्वरी, माहेश्वरी महिला मंडल की प्रधान वीणा माहेश्वरी, युवा संगठन के प्रधान जितेंद्र माहेश्वरी व पूर्व प्रधान पंकज माहेश्वरी को समाज द्वारा सम्मानित किया गया।

भाजपा वाणिज्य प्रकोष्ठ प्रभारी बने खटोड़

पटना. भाजपा वाणिज्य मंच द्वारा समाज सदस्य विनोदकुमार खटोड़ को वाणिज्य प्रकोष्ठ प्रभारी नियुक्त किया। श्री खटोड़ पटना, नालंदा व नवादा का प्रभारी संभालेंगे। उल्लेखनीय है कि श्री खटोड़ को पूर्वोत्तर सीमा रेलवे द्वारा जोनल रेलवे उपभोक्ता सलाहकार समिति सदस्य भी मनोनीत किया गया है।

साधना कचोलिया अध्यक्ष, सुधा मूंधड़ा सचिव निर्विरोध निर्वाचित

इन्दौर। श्री दक्षिण क्षेत्र माहेश्वरी महिला संगठन के निर्वाचन सम्पन्न हुए, चुनाव अधिकारी निर्मला बाहेती पर्यवेक्षक ललिता मालपानी और सहयोगी के रूप में मंजू भलिका और सुनीता लढ्ढा की उपस्थिति में निर्विरोध चुनाव संपन्न हुए। नवनिर्वाचित पदाधिकारियों में- अध्यक्ष-साधना कचोलिया सचिव-सुधा मूंधड़ा, वरिष्ठ उपाध्यक्ष-पिंकी काकाणी उपाध्यक्ष-अनिता मंत्री, सह सचिव-प्रज्ञा सोमानी, कोषाध्यक्ष - ज्योति सोमानी, प्रचार मंत्री-सीमा बेड़िया, संगठन मंत्री-अनिता बागड़, सांस्कृतिक मंत्री-सुनीता परवाल एवं कार्यसमिति सदस्य के लिए मोनिका लड्ढा, रूखमणी बाहेती, वंदना मूंधड़ा, दिप्ती मंडोवरा, रेखा भूतड़ा, रचना लाठी, सविता मंत्री को मनोनीत किया गया। नव निर्वाचित पदाधिकारियों को सभी स्नेहीजनों ने शुभकामनाएँ दी।

झूला उत्सव का हुआ आयोजन

खंडवा। श्री माहेश्वरी महिला मंडल द्वारा सावन में झूला उत्सव सत्यनारायण मंदिर में आयोजित किया गया। इस अवसर पर पौधा रोपण भी किया गया व जरुरतमंद बच्चों को 51 हजार रुपयें की राशि महिला सेवा ट्रस्ट को भेंट की। अध्यक्ष रत्ना राठी के नेतृत्व में मनीषा गांधी व प्रदेश अध्यक्ष अरुणा बाहेती, जिला अध्यक्ष किरण मंत्री आदि का सहयोग रहा।

मेधावी विद्यार्थियों का किया अभिनंदन

रायपुर. छत्तीसगढ़ प्रादेशिक माहेश्वरी सभा के अन्तर्गत स्थापित आर्थिक सेवार्थ ट्रस्ट छत्तीसगढ़महेश सेवा निधि द्वारा प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी माहेश्वरी समाज के मेधावी छात्र छात्राओं का अभिनंदन स्थानीय सिविल लाइंस स्थित वृन्दावन हाल में किया गया।

ट्रस्ट के प्रबंध न्यासी डॉ. सतीश राठी ने बताया कि महेश सेवा निधि ट्रस्ट विगत 14 वर्षों से लगातार इस तरह के प्रयास कर रहा हैं, जिसमें छत्तीसगढ़ में निवासरत माहेश्वरी समाज के जरूरतमंद अस्वस्थ्य, निराश्रित लोगों को सहयोग एवं युवाओं को शिक्षा तथा व्यापार के लिए आर्थिक सहयोग एवं मार्गदर्शन प्रदान किया जाता है। साथ ही ट्रस्ट समाज के प्रतिभावान बच्चों का अभिनन्दन प्रोत्साहन स्वरूप 5000 रुपये की राशि भेंट कर रहा है। इस वर्ष ट्रस्ट द्वारा शिक्षा के क्षेत्र में दसवीं, बारहवीं के साथ ही प्रोफेशनल्स, सीए, एमबीए, एमडीएस, बीडीएस, सीएस आदि सहित 65 बच्चों का अभिनंदन किया गया। ट्रस्ट के मानद मंत्री मनोज राठी ने बतलाया कि अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महासभा के अर्थमंत्री आर.एल. काबरा मुंबई मुख्य अतिथि व महासभा के मध्यांचल क्षेत्र के उपसभापति मोहनलाल राठी विशिष्ट अतिथि थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता विठ्ठलदास भूतड़ा अध्यक्ष छत्तीसगढ़ प्रादेशिक माहेश्वरी सभा ने की। प्रमुख वक्ता डॉ. एचपी सिन्हा डीएम न्यूरोलॉजी द्वारा प्रेरक उद्बोधन में दिया गया। विजय दम्मानी, डीडी भूतड़ा, बालकिशन झंवर, बृजकिशोर सूरजन, सम्पत काबरा, सूरजप्रकाश राठी, नरेंद्र लोहिया, सत्यनारायण राठी, श्रवण टावरी, गणेश भट्टड, अजय सारडा, राजकिशोर गांधी आदि कई गणमान्यजन उपस्थित थे।

सावन मेले का हुआ आयोजन

बेमेतरा. उद्यमशील महिलाओं के समूह द्वारा स्वरोजगार एवम महिला स्वावलंबन को बढ़ावा देते हुए, पहली बार भव्य सावन एक्जीबिशन एवं सेल का आयोजन माहेश्वरी भवन बेमेतरा में किया गया। प्रज्ञा राठी रायपुर ने बतलाया कि मेले में जिसमे कलात्मक हैंडमेड राखियां, होम डेकोर आर्टिकल्स, लेडिज एसेसरीज लेकर आई डिजायनर चादरें, भगवान के पोशाक, आसन, ज्वेलरीज, सिंहासन, डिजायनर कुर्तियां, फुट वियर्स, पर्स, बैग, डिजायनर सूट, साड़ियां आदि की स्टॉल लगीं। इस अवसर पर सुनीता चांडक, भगवती राठी, वर्षा लखोटिया, आशा गिल्डा, रेणु राठी, अनीता गिल्डा, शोभा गांधी (कांकेर), सोनल महेश्वरी (गढ़चिरोली), ताराचंद माहेश्वरी, मोतीलाल गिल्डा, अमित गिल्डा सक्रिय सहयोग प्राप्त हुआ।

इस दुनिया में लॉजिक से ज्यादा
मैजिक पर विश्वास किया जाता है
इसलिए
हमारे देश में वैज्ञानिक कम
और बाबा ज्यादा हैं।

व्यवसाय करने हेतु प्रदान की केबिन

भीलवाड़ा. आनंद माहेश्वरी सहयोग संस्थान भीलवाड़ा द्वारा छोटे कद के रमेश लड्ढा को एक कैबिन तैयार करके दी एवं कार्यशील पूंजी की व्यवस्था स्थानीय समाज सोसायटी द्वारा प्रदान की गई। वर्तमान में श्री माहेश्वरी लड्ढा पेट्रोल पंप पर कार्यरत हैं ओर 3000 प्रति माह वेतन प्राप्त कर रहे हैं। उन्हें अपने स्वयं का व्यवसाय करने हेतु कैबिन प्रदान की गई। भीलवाड़ा केंद्र पर दस हजार रुपए मासिक तक कम आय वाले समाज सदस्यों के लिए यह सुविधा उपलब्ध है।

धूमधाम से मनाई डोल ग्यारस

राजोद. माहेश्वरी समाज राजोद द्वारा डोल ग्यारस पर पूरे नगर मे भगवान को झूले में बैठाकर नगर भ्रमण करवाया गया। नगर में जगह-जगह भक्तों द्वारा भगवान की पूजा-अर्चना की गई। नगर में स्थित कोटेश्वरी नदी में भगवान को स्नानकर पुनः मंदिर में विराजित किया गया। इस अवसर पर सभी समाजजन उपस्थित रहे।

मिस एंड मिसेज माहेश्वरी इंडिया 2019 सम्पन्न

नईदिल्ली. शिवाय एंटरटेंमेंट एंड खंड मिश्री एंटरटेंमेंट के संयुक्त तत्वाधान में गत 30 अगस्त को देश की राजधानी नई दिल्ली में डिवाईन मेटास मिस माहेश्वरी एंड मिसेस माहेश्वरी इंडिया 2019 प्रतियोगिता आयोजित की गई थी।

इसकी आयोजक एवं ब्रेन्ड अॅम्बेसेडर मिसेस इंडिया युनिवर्स 2019 रूपल मोहता तथा बॉलीवुड की सुप्रसिद्ध अभिनेत्री शहाजहाँ प्रमुख रूप से उपस्थित थीं। प्रतियोगिता का उदघाटन इंटरनेशनल बिजनेस कोच व बिजनेस ट्रेनर अमित माहेश्वरी के करकमलों द्वारा किया गया। इसमें डिझर्व्ह ग्रुप मुंबई के डायरेक्टर मनीष सारडा का विशेष सहयोग प्राप्त हुआ। मिस प्रवर्ग की प्रतियोगिता में मिनल राठी कोलकत्ता को प्रथम पुरूस्कार और वैभवी लड्ढा नांदेड व अनुष्का माहेश्वरी वाराणसी को फेस ऑफ द ईयर से सम्मानित किया गया। प्रियंका चांडक- पुरुलिया प्रथम उपविजेता और कुमकुम राठी धमतरी द्वितीय उपविजेता रहीं। उम्र 40 वर्ष के नीचे प्रतियोगिता मिसेस माहेश्वरी सिल्वर प्रवर्ग में मिसेस रितु राठी-सूरत प्रथम रहीं। प्रियंका मनियार जलगांव प्रथम उपविजेता व समृद्धि सोनी द्वितीय उपविजेता रहीं। फेस ऑफ द ईयर का सम्मान खुशबू काबरा इचलकरंजी को मिला। उम्र 40 वर्ष के ऊपर प्रतियोगिता मिसेस माहेश्वरी गोल्डन ग्रुप प्रवर्ग में रितु माहेश्वरी दिल्ली व डॉ. मंजुश्री बूब अमरावती को संयुक्त रूप से विजयी घोषित किया गया। डॉ. पूनम बियाणी- मुंबई प्रथम उपविजेता व रितु डालिया पुणे द्वितीय उपविजेता रहीं। इस प्रतियोगिता को सफल बनाने के लिए नीतू मदान, अर्चना मुंधडा, अमृता भट्टड आदि का सहयोग मिला। डिवाईन मेटास मिस आणि मिसेस इंडिया प्रतियोगिता के अध्यक्ष विवेक मोहता ने सभी का आभार माना।

माहेश्वरी समाज के चुनाव संपन्न

सनावद. माहेश्वरी समाज के चुनाव निर्विरोध संपन्न हुए। इसमें अध्यक्ष कैलाशचंद मंत्री, उपाध्यक्ष विजय माहेश्वरी, सचिव राम मूंदड़ा, सहसचिव शिरीष अजमेरा, कोषाध्यक्ष महेशनारायन परवाल व संगठन मंत्री विट्ठल लाहोटी चुने गए। साथ ही नई कार्यकारिणी के कुछ सदस्यों का चुनाव किया गया जिसमें अनिल पलोड़, गोविंद जाखेटिया, राजुल माहेश्वरी, श्याम मूंदड़ा शामिल है। चुनाव अधिकारी प्रवीण दुजारी, पर्यवेक्षक डॉ. राजेंद्र पलोड़, श्याम माहेश्वरी थे।

जिन्दगी में कुछ नादानो से भी रिश्ता ज़रूर रखना समय पडने पर समझदार अक्सर व्यस्त रहते है

डॉ. काबरा हुए सम्मानित

देवलगांवराजा. नेत्रदान सप्ताह 25 अगस्त से 8 सितंबर की कालावधि में मनाया जाता है। इसमें गणपति नेत्रालय की ओर से देवलगांव राजा, जिला बलढाणा, महाराष्ट्र के डॉ. अशोक काबरा को 29 अगस्त को आयोजित समारोह में नेत्रदान प्रोत्साहक के सम्मान से सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में गणपति नेत्रालय के प्रमुख राजेन्द्र बारवाले, आर.वी. मूंदड़ा और डॉक्टर नायगांवकर सहित कई गणमान्यजन उपस्थित थे।

माहेश्वरी समाज द्वारा चाय वितरण

रायपुर. भारत का सबसे बड़ा तिरंगा 'मेरी जान तिरंगा यात्रा' के अवसर पर माहेश्वरी सभा एवम फ्रेंड सर्कल द्वारा पेय जल एवं चाय पिलाई गई। माहेश्वरी सभा के प्रचार प्रभारी सूरज प्रकाश राठी ने बतलाया कि इस अवसर पर स्कूली छात्र-छात्राओं, नगर सैनिकों, पुलिस, जांबाज सैनिकों, युवा, महिला, वृद्ध, बालक, बालिकाओं द्वारा श्रंखलाबद्ध होकर तिरंगा लहराया गया। 4000 से अधिक लोगों द्वारा समाज की इस जल व चाय सेवा का लाभ लिया। संदीप मर्दा, जगदीश चांडक, आलोक बागड़ी, ओमप्रकाश नागोरी, संपत काबरा, अजय सारदा, सुरेश मूंधड़ा, विनय कोठारी, डॉ. रवि राठी, विजय केला, करण चांडक, सूरज प्रकाश राठी, प्रज्ञा राठी, प्रेक्षा राठी, राजू सारदा, निधि सारदा, ललित बागड़ी आदि ने अपनी सेवाएं प्रदान की।

चापलूस ओर आलोचक में बस इतना ही फर्क है... चापलूस अच्छा बनकर बुरा करता है...
और
आलोचक बुरा बनकर अच्छा करता है...

क्रांतिवीरों को दी आदरांजलि

नागपुर. स्थानीय माहेश्वरी संस्थाओं के संयोजन में माहेश्वरी स्वतंत्रता क्रांतिवीरों को जिलास्तरीय कार्यक्रम में आदरपूर्वक स्नेहांजलि कैंडल जलाकर दी गई। संचालन कमल तापड़िया, पूर्णिमा काबरा, रूपा चांडक ने किया। सुंदर देशभक्ति गीत की प्रणाली एवं वैष्णवी मूंधड़ा, मानसी पनपालिया, गणेश वंदना विधि लड्ढा, कनिका राठी ने दी। सामूहिक देशभक्ति नृत्य की मंजू हुरकट, मंजू भट्टड़, प्रतिभा भोले, विधि भट्टड़, कनिष्का राठी, नेतल कलंत्री, रिद्धि चांडक द्वारा प्रस्तुति दी गई। स्वच्छ भारत अभियान पर हरदेव चांडक द्वारा प्रस्तुति दी गई। इस अवसर पर जिले के विभिन्न माहेश्वरी स्वतंत्रता सेनानियों, क्रांतिवीरों को उनकी जीवनी गाथा पर संपूर्ण चित्रण पर आधारित आदरपूर्वक स्नेहाजंलि कार्यक्रम नाटिका के माध्यम से पेशकर दी गई। इसमें उपस्थित सभी महानुभावों का मन भावविभोर कर दिया। संगठन की राष्ट्रीय समिति प्रभारी प्रमुख शोभा सादानी, लता बसंत मोहता डायरेक्ट गीमा टैक्स इंडस्ट्रीज, अलका एम भांगड़े, विदर्भ प्रदेश म.सं. अध्यक्ष उषा करवा, उषा श्याम सोनी, जिलाध्यक्ष शिवरतन गांधी नगर सभाध्यक्ष पुरुषोत्तम मालू आदि उपस्थित थे। मेजर आकाश अशोक शीला तापड़िया को देशभक्त समाज गौरव-सैन्य पदक से सम्मानित किया गया।

शिक्षक दिवस पर हुआ शिक्षक सम्मान

रायपुर. शारदा विद्या मंदिर जीई रोड में छत्तीसगढ़ प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन द्वारा शिक्षक दिवस के उपलक्ष्य में 16 शिक्षक-शिक्षिकाओं का पुष्प एवं स्मृति चिह्न भेंटकर अभिनंदन किया गया। इसी अवसर पर खेल, नृत्य, संस्कृति आदि क्षेत्र में विशेष योग्यता रखने वाले पांच छात्र-छात्राओं का भी पुष्प एवम मेडल के साथ सत्कार किया गया। छत्तीसगढ़ प्रदेश मारवाड़ी सम्मेलन के अध्यक्ष पुरूषोत्तम सिंघानिया, कोषाध्यक्ष सुरेश चौधरी, सूरज प्रकाश राठी, सौरभ अग्रवाल, अजय अग्रवाल आदि कई सदस्य उपस्थित थे। आभार प्रदर्शन सूरज प्रकाश राठी ने किया।

असावा अध्यक्ष- हेड़ा मंत्री

मुकेश असावा

केदार हेड़ा

इंदौर। माहेश्वरी समाज संयोगितागंज क्षेत्र के पदाधिकारियों, कार्यकारिणी सदस्यों एवं जिला सभा कार्यकारी मण्डल सदस्यों के त्रैवार्षिक चुनाव निर्वाचन अधिकारी मांगीलाल कासट एवं निर्वाचन सहयोगी राजेश बाहेती एवं इसमें श्याम बाहेती द्वारा निर्विरोध संपन्न करवाये गये। इसमें अध्यक्ष मुकेश असावा, वरिष्ठ उपाध्यक्ष गोपाल लाहोटी, उपाध्यक्ष संजय चंडक, मंत्री केदार हेड़ा, संयुक्त मंत्री नन्दकिशोर अटल, कोषाध्यक्ष दीपक भूतड़ा, संगठन मंत्री पंकज काबरा, प्रचार मंत्री सौरभ राठी चुने गये। कार्यसमिति के लिए 18 सदस्यों का निर्वाचन भी हुआ।

जाजू बने समाज अध्यक्ष

इन्दौर. श्री बिजासन क्षेत्र माहेश्वरी समाज के चुनाव गत दिनों निर्विरोध सम्पन्न हुये। इसमें अध्यक्ष बलदेवदास जाजू एवं मंत्री प्रवीण अजमेरा, उपाध्यक्ष कमलेश माहेश्वरी, उपाध्यक्ष राधेश्याम सारड़ा, संगठन मंत्री महेश राठी, संयुक्त मंत्री अशोक चिलांग्या, कोषाध्यक्ष हर्ष राठी, प्रचार मंत्री अजय बदादा, सहित उनकी पूरी कार्यसमिति को निर्विरोध चुना गया।

मित्रता
एवं
रिश्तेदारी
'सम्मान' की नहीं
'भाव' की भूखी होती है...
बशर्ते
लगाव 'दिल' से होना चाहिए
'दिमाग' से नहीं.

दवाओं पर तय हो ट्रेड मार्जिन

निजामाबाद. निजामाबाद चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री के संस्थापक अध्यक्ष पीआर सोमानी ने दिल्ली के प्रेस क्लब ऑफ इंडिया में प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए कहा कि अधिसूचित और गैर अधिसूचित दवाओं को इस तरह के विभाजन की कोई जरूरत नहीं है। सरकार कैंसर की दवाओं की तरह सभी तरह की दवाओं, जीवन रक्षक दवाओं पर 2 या 2 रुपए से अधिक के ऊपर (व्यावहारिकता के लिए) मूल्य पर 30 फीसदी का ट्रेड मार्जिन तय कर सकती है। उन्होंने कहा कि इससे दवा और मेडिकल उपकरणों की कीमतें 90 फीसदी तक कम हो जाएंगी, लेकिन दवा निर्माताओं का दवा का बिक्री पर कोई असर नहीं पड़ेगा। इससे होलसेलर और रिलेटर को भी अच्छा मुनाफा मिलेगा। इसका सबसे बड़ा लाभ यह होगा कि इससे 130 करोड़ लोगों को लाभ पहुंचेगा। वर्तमान में महंगे इलाज से हुई आर्थिक तंगी से लोग बाहर नहीं निकल पा रहे हैं क्योंकि आजकल दवाओं और इलाज का खर्च खाने-पीने के खर्च से ज्यादा हो गया है।

राधाष्टमी पर हुआ मधुर भजनों का आयोजन

रायपुर. माहेश्वरी महिला समिति, गोपाल मंदिर, सदर बाजार द्वारा गत 6 सितंबर 2019 को गोपाल मंदिर के प्रांगण में राधा अष्टमी पर मधुर भजनों का कार्यक्रम आयोजित किया गया। कल्पना नत्थानी एवं माला नत्थानी ने अपने भजनों की प्रस्तुति दी। नन्ही बच्ची हेमशिखा ने राधे-रानी बनकर सुंदर नृत्य प्रस्तुत किया। अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महिला संगठन मध्यांचल की उपाध्यक्षा ज्योति राठी, पूर्व जिलाध्यक्ष श्रीकांता बियानी, समिति की निवृतमान अध्यक्षा मधुरिका नत्थानी, समिति अध्यक्षा संगीता चांडक आदि कई सदस्याएं उपस्थित थीं।

मोदानी को समाजसेवा रत्न

नाथद्वारा. साहित्यकार ममता मोदानी को साहित्य मंडल नाथद्वारा द्वारा हिंदी दिवस समारोह के अवसर पर समाजसेवा रत्न की मानद उपाधि से अलंकृत किया गया। पं. मदनमोहन साहित्य मंडल उनका प्रधानमंत्री श्यामप्रकाश देवपुरा सहित अतिथियों ने श्रीनाथजी की छवि सम्मान-पत्र शाल उपरना प्रसाद भेंटकर अभिनंदन किया। सभागार में देश के ख्याति प्राप्त साहित्यकार उपस्थित थे। साहित्यिक एवं समाजसेवा के क्षेत्र में उल्लेखनीय सेवाओं के लिए श्रीमती मोदानी को यह पुरस्कार प्रदान किया गया।

डागा का सक्रिय योगदान

नागपुर. समाज सदस्य राजेश डागा सतत रूप से स्थानीय किराना एसोसिएशन को सक्रिय कार्यकर्ता के रूप में सेवा दे रहे हैं। श्री डागा महेश भवन गांधी बाग तथा माहेश्वरी सेवा सदन के भी सक्रिय कार्यकर्ता हैं। इसके साथ अन्य कई समाज-सेवी संस्थाओं में भी महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं।

माधुरी सुदा का सम्मान

अमरावती (विदर्भ)। प्रादेशिक माहेश्वरी महिला संगठन द्वारा राष्ट्रीय स्तर पर कला के क्षेत्र में अहर्निश सेवा के लिए, प्रादेशिक माहेश्वरी महिला संगठन की ओर से माधुरी सतीश सुदा का सम्मान स्मृति चिह्न भेंट कर किया गया। उषा करवा, भारती राठी आदि ने उन्हें यह स्मृति चिह्न प्रदान किया।

अंधे निकालने लगे हैं नुक्स मेरे किरदार में... और बहरों को ये शिकायत है कि मैं गलत बोलता हूँ...

गुजरात महिला संगठन की बैठक संपन्न

वडोदरा. गुजरात प्रांतीय माहेश्वरी महिला संगठन के तत्वावधान में अष्टम सत्र की तृतीय कार्यसमिति बैठक गत 18 सितंबर को एक प्रतिष्ठित होटल में रखी गई। मुख्य अतिथि बिमला साबू भूतपूर्व अध्यक्ष अखिल भारतीय माहेश्वरी महिला संगठन, उमा जाजू अध्यक्ष गुजरात माहेश्वरी महिला संगठन, मीना साबू अध्यक्ष भरूच माहेश्वरी महिला मंडल, ज्योति लड्ढा सचिव भरुच माहेश्वरी महिला मंडल व विशेष अतिथि के रूप में भवानीशंकर करनानी व गुजरात प्रांताध्यक्ष त्रिभुवन काबरा उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन डॉ. सीमा मूंदड़ा ने किया।

शिक्षक दिवस पर किया सम्मान

उज्जैन. लायंस क्लब उज्जैन महाकाल द्वारा प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी शिक्षक दिवस पर शिक्षक सम्मान समारोह का आयोजन इंदौर रोड स्थित घूंघट गार्डन पर किया गया। इसमें शहर के सम्मानीय शिक्षक श्रीमती चित्रा नायगांवकर एवं योगेश गुमास्ते का सम्मान किया गया। इस अवसर पर क्लब अध्यक्ष कैलाश डागा एवं सचिव लायन अजीत बैराठी ने शिक्षकद्वय का शॉल-श्रीफल से सम्मान किया। आभार संयोजन लायन अनुराग निगम ने माना।

भारत को जाने प्रतियोगिता का हुआ आयोजन

ब्यावर. भारत विकास परिषद द्वारा अपने देश की संस्कृति, इतिहास, धर्म तथा आधुनिक भारत की जानकारी से ओतप्रोत कार्यक्रम 'भारत को जानो प्रतियोगिता' के द्वितीय चरण प्रश्नमंच का आयोजन गत दिनों आदर्श विद्या मंदिर स्कूल में हुआ। अध्यक्षता-राजेंद्र काबरा अध्यक्ष-भारत विकास परिषद, ब्यावर, विशिष्ट अतिथि-लादूराम सीरवी प्रधानाचार्य-आदर्श विद्या मंदिर थे। कार्यक्रम का संचालन-प्रशांत पाबुवाल व ज्योति माहेश्वरी ने किया।

युवा संगठन की कार्यकारिणी गठित

अहमदाबाद. माहेश्वरी युवा संगठन हेतु नयीं कार्यकारिणी का गठन किया गया। इसमें सर्वसम्मति से कौशल थिरानी अध्यक्ष, नीरज सोमानी मंत्री, पुनीता पेड़ीवाल कोषाध्यक्ष, विशाल लोहिया संगठन मंत्री चुने गये। कार्यकारिणी में सांस्कृतिक मंत्री विकास चांडक, खेलमंत्री सुनील तापड़िया, खाद्यमंत्री मनोज करनानी, रजिस्ट्रेशन हेड कपिल सोमानी, आईटी हेड आशीष थिरानी, संचार प्रसार मंत्री चेतन बिड़ला चुने गये। नई कार्यकारिणी के नेतृत्व में आगामी 12 अक्टूबर को रंगीला रास गरबा का आयोजन होगा।

बाबा रामदेव पीर का मना जन्मोत्सव

दुर्ग. द्वारिकाधीश के अवतार बाबा रामदेव पीर का जन्मोत्सव बाबा रामदेव मंदिर गंजपारा दुर्ग में धूमधाम से मना। इस अवसर पर 31 अगस्त से 9 सितंबर तक लगातार विभिन्न धार्मिक आयोजन किए गए। कार्यक्रमों में छग प्रादेशिक माहेश्वरी सभा अध्यक्ष विट्ठल भूतड़ा, जिलाध्यक्ष राजकुमार गांधी, श्री माहेश्वरी पंचायत अध्यक्ष राधेश्याम राठी, रामदेव मंदिर समिति अध्यक्ष नंदकिशोर चांडक, रामावतार राठी, संतोष चांडक, राधेश्याम भूतड़ा, अशोक राठी, चतुर्भुज राठी, रमेश राठी, नरेश सोमानी, नरेंद्र राठी, शरद राठी, नरसिंग भूतड़ा, चंद्रप्रकाश राठी आदि कई माहेश्वरी समाजजन भी उपस्थित थे।

मां रत्नीदेवी काबरा ट्रस्ट करेगा महिला सशक्तीकरण

ट्रस्ट ने पंजीकृत होते ही प्रारंभ की गतिविधि - प्रथम प्रयास में राष्ट्रस्तरीय निबंध प्रतियोगिता

मुंबई. अभा माहेश्वरी महासभा अभी तक अपने 11 ट्रस्टों के माध्यम से सेवा दे रही थी। इसमें अब 'मां रत्नीदेवी काबरा माहेश्वरी महिला सशक्तीकरण ट्रस्ट' भी जुड़ गया है। इस ट्रस्ट ने पंजीकरण होते ही अपना कार्य करना भी प्रारंभ कर दिया।

समाजसेवा की प्रत्येक गतिविधि हेतु चेरिटेबल ट्रस्ट के रूप में एक अलग इकाई गठित किए जाने की परिपाटी महासभा के अंतर्गत स्थापित है। इसी स्थापित परिपाटी के अनुसार महासभा में 11 ट्रस्ट भी अभी कार्यरत हैं। महिलाओं के सर्वांगीण विकास को बढ़ावा देने के उद्देश्य से एक नई इकाई की आवश्यकता महसूस की गई तथा रामरत्ना औद्योगिक प्रतिष्ठान के प्रवर्तक पद्मश्री रामेश्वरलाल काबरा की स्वीकृति उपरांत 'मां रत्नादेवी काबरा माहेश्वरी महिला सशक्तीकरण ट्रस्ट' के नाम से नई इकाई का पंजीकरण हो गया है। आयकर छूट हेतु इनकम टैक्स कानून के अंतर्गत आवेदन कर दिया गया है तथा आगामी माह के अंत तक छूट का सर्टिफिकेट मिलने की संभावना भी है। इस ट्रस्ट का कार्यक्षेत्र भी महासभा के कार्यक्षेत्र के अनुसार संपूर्ण भारत रहेगा।

महिला सशक्तीकरण पर विचार जानने के प्रयास

अब न्यास की उद्देश्य पूर्ति हेतु बिना विलंब कार्य प्रारंभ होना आवश्यक है। अतः समाज के सभी सदस्य जो महासभा तथा महिला संगठन से संलग्न हैं जो सभी स्थानीय, तहसील, जिला, प्रादेशिक अथवा आंचलिक किसी-न-किसी स्तर पर कार्यरत हैं, वे सभी कार्यकर्ता महिला सशक्तीरकण विषय पर क्या सोच रखते हैं, यह जानना आवश्यक है। कार्यकर्ताओं से प्राप्त विचारों के आधार पर ही उद्देश्य पूर्ति की गतिविधियों का निर्धारण करना सहज और उचित होगा। इस बात के मद्देनजर एक अखिल भारतवर्षीय निबंध प्रतियोगिता आयोजित की गई है। ट्रस्ट के मैनेजिंग डायरेक्टर विष्णुदास दरक ने समाज के सभी चिंतक, लेखक, साहित्यकार, प्राध्यापक, सामाजिक कार्यकर्ताओं से अपील की कि वे इस निबंध प्रतियोगिता को मात्र उनकी कुशाग्रता की पुरस्कार राशि से तोले जाने का प्रकल्प न समझें अपितु देश की आधी जनसंख्या को सबल, सशक्त बनाने के देशव्यापी अभियान में आपका योगदान समझें और सहभागी बनें। सभी के प्रयासों पर ही अभियान ही सफलता निर्भर है।

महिला सशक्तीकरण पर ही निबंध का केंद्र

इस राष्ट्रस्तरीय निबंध प्रतियोगिता का केंद्र ही महिला सशक्तीकरण है और यह लोगों के विचार जानने का एक प्रयास है। अतः इस निबंध प्रतियोगिता का विषय 'महिला सशक्तीकरण में क्या निहित है तथा पूर्ति के माध्यम' रखा गया है। प्रतियोगियों को इस विषय पर अधिकतम एक हजार शब्दों में निबंध लिखकर 30 नवम्बर 2019 तक ट्रस्ट कार्यालय में जमा करना है। इसमें 18 वर्ष या अधिक आयु के भारत में रहने वाले समस्त समाजजन शामिल हो सकते हैं। इसमें प्रथम पुरस्कार 21 हजार, द्वितीय 15 हजार तथा तृतीय 11 हजार रुपए निर्धारित किए गए हैं। प्रतियोगी अपनी प्रविष्टी को निम्न पते पर प्रेषित कर सकते हैं -

V.C.Darak & Associates Chartered Accountants
"Yashodhan", 1st Floor, Malviya Road, Vile Parle (East)
Mumbai 400057 Cell : 09323064153 Tel. 022-26161646
Fax 022-26161650

मोदी के जन्मदिन पर महिला सशक्तीकरण

नागपुर. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन के उपलक्ष्य में महिला सशक्तिकरण का एक कार्यक्रम हनुमान मंदिर, वर्मा लेआउट में आयोजित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता आमदार सुधाकर देशमुख महाराष्ट्र राज्य मंत्री द्वारा की गई। प्रमुख अतिथि वरिष्ठ समाजसेवी व लेखक शरद गोपीदास बागड़ी व मा.न.पा नगरसेविका सभापति वर्षाताई जयंत ठाकरे थी। अंत में आमदार सुधाकर देशमुख, प्रमुख अतिथि शरद बागड़ी, नगरसेविका वर्षाताई ठाकरे के हाथों जरूरतमंद महिलाओं को सिलाई मशीन का वितरण किया गया।

राठी बने माहेश्वरी समाज अध्यक्ष

इटारसी. होशंगाबाद हरदा जिला माहेश्वरी सभा की सक्रिय इकाई इटारसी नगर माहेश्वरी समाज के चुनाव सर्वसम्मति से हुए। अध्यक्ष मेघराज राठी, वरिष्ठ उपाध्यक्ष ओमप्रकाश गांधी, कनिष्ठ उपाध्यक्ष बालकिशन भूतड़ा, सचिव मांगीलाल मालपानी, सहसचिव विवेक चांडक, कोषाध्यक्ष प्रहलाद बंग, सांस्कृतिक मंत्री नितेश राठी, पीआरओ अर्पण माहेश्वरी, मीडिया प्रभारी विनीत राठी चुने गए। चुनाव अधिकारी कैलाश चांडक, सहायक चुनाव अधिकारी श्रीकांत मोलसरिया थे।

कई ऐसे लोग जो इस धरती पर जीते हैं मौत के हक़दार हैं और कुछ जो मरते हैं जिंदगी के हकदार हैं। लेकिन जीवन और मृत्यु हमारे हाथों के बस की बात नहीं है। इसीलिये हर किसी को अपनी जिंदगी को गौरवान्वित करने का सर्वश्रेष्ठ प्रयास करना चाहिये, यदि हर किसी के लिये नहीं तो जिंदगी के लिये ही सही।

महेश क्रेडिट सोसायटी देगी 20 प्रतिशत लाभांश

रतलाम. जिले के माहेश्वरी समाज बन्धुओं हेतु स्थापित महेश क्रेडिट सोसायटी की गत मार्च को सदस्यों की अंश पूंजी 8.71लाख एवं डिपाजिट राशि 12.10 लाख जमा हो चुकी है। अध्यक्ष सुनील डागरा ने उक्त जानकारी देते हुए बताया कि सोसायटी द्वारा सदस्यों को अभी तक 50 लाख रुपए का ऋण वितरण किया गया है। सोसाइटी को विगत 2 वर्षों 2017-18 एवं 2018-19 में 2.37 लाख का लाभ अर्जित हुआ है, जिसमें सदस्यों को 20 प्रतिशत लाभांश दिये जाने का निर्णय साधारण सभा की बैठक में लिया गया है। श्री डांगरा ने बताया कि आगामी वर्ष में सोसायटी के 500 सदस्य बनने का लक्ष्य रखा गया है। साधारण सभा की बैठक में डॉ. बीएल तापड़िया, द्वारकादास भंसाली, नरेंद्र बाहेती, नवीन मूंदड़ा, रामचंद्र डारिया, कैलाश मालू, राजेश चौखड़ा, विजय असावा, कविता डारिया आदि सदस्य उपस्थित थे।

नारायण रैकी सत्संग प्रशिक्षण

वरंगल. माहेश्वरी महिला मंडल द्वारा स्थानीय प्रगतिशील मारवाड़ी समाज भवन में नारायण रैकी सत्संग प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। मंडल की मंत्री सरिता सोमाणी ने बताया कि इस नारायण रैकी सत्संग परिवार की संस्थापिका राजेश्वरी मोदी हैं, जिन्हें राज दीदी के नाम से भी जाना जाता है। कार्यक्रम में माहेश्वरी महिला मंडल की अध्यक्ष माधुरी लाहोटी ने अपने स्वागत संदेश में सभी प्रशिक्षकों एवं उपस्थित सदस्यों का स्वागत किया। नारायण रैकी कार्यक्रम में प्रशिक्षण देने हैदराबाद से पधारी स्नेहलता केडिया, शिला धूत, मीनाक्षी बाहेती ने नारायण रैकी का प्रशिक्षण लेने से होने वाले लाभ को बताए। इससे मानसिक, शारीरिक और आध्यात्मिक स्तर पर प्रगति, सकारात्मक सोच व अच्छे विचारों में वृद्धि, स्मरण शक्ति व एकाग्रता का विकास, अच्छी आदतों और अच्छी संगत का विकास होता है।

हमारी हस्ती को
जमाना क्या पहचानेगा
साहेब...
हजारों मशहूर हो गए
हमें बदनाम करते करते...

महिला मण्डल के चुनाव सम्पन्न

गुना. जिला माहेश्वरी महिला मंडल की जिला स्तरीय बैठक राघौगढ़में आयोजित की गई। वरिष्ठ संरक्षक सदस्यों निलिमा लाहोटी, पदमा कासट की उपस्थिति व अर्चना लाहोटी की अध्यक्षता में चुनाव हुए। इसमें सर्वसम्मति से अध्यक्ष हेमलता कासट, उपाध्यक्ष स्नेहलता दूदानी, सचिव शिवानी काबरा, सहसचिव रेणु सोमानी, कोषाध्यक्ष सपना माहेश्वरी, संगठन मंत्री संगीता कोठारी, प्रचार मंत्री आशू राठी चुनी गईं।

दीवाली मेले का किया आयोजन

अहमदाबाद. सुगंधा समिति अंतर्गत, माहेश्वरी सखी संगठन ने गांधी आश्रम साबरमती में दीवाली मेले का आयोजन रखा गया। लेडीज जेंट्स और बच्चों के कपड़े का वितरण किया। हर एक बच्चे को स्कूल बैग और टिफिन बॉक्स भी दिया गया। बच्चों ने मेले का भरपूर आनंद उठाया। अध्यक्ष नीलिमा मालू व सचिव दीप धूत के नेतृत्व में सभी सदस्याओं ने सहयोग दिया।

कई सेवाओं का करेंगे विस्तार- भूतड़ा

इंदौर. श्री दक्षिण क्षेत्र माहेश्वरी समाज के निर्वाचन में अध्यक्ष पद पर निर्वाचित रूपेश भूतड़ा ने प्रचंड बहुमत देने पर सभी समाजजन का आभार व्यक्त किया। उन्होंने बताया कि संगठन आगामी सत्र में समाजोन्नति वाली कई योजनाओं पर कार्य करेगा जिसमें महत्वपूर्ण रूप से युवाओं को व्यापार एवं रोजगार संबंधित कार्ययोजनाएं, मध्यमवर्गीय और अतिमध्यमवर्गीय समाजजन तक सामाजिक सहायता पहुंचना, निःशुल्क और न्यूनतम शुल्क में कोचिंग क्लासेस, निःशुल्क मेडिकल कैंप, शिक्षण सहायता, मेडिक्लेम सुविधा के साथ ही क्षेत्र के सभी समाजजन एक-दूसरे को पहचाने, व्यापार-व्यवसाय में एक-दूसरे को लाभ पहुंचाएं। इस हेतु लगातार आयोजन करना, धार्मिक और पर्यटक यात्राएं, अन्नकूट, बुजुर्गो का सम्मान आदि शामिल हैं।

जनसमस्या निवारण शिविर का आयोजन

रायपुर. माहेश्वरी सभा एवं श्री गोपाल मंदिर ट्रस्ट कमेटी द्वारा नगर के लोगों की समस्याओं के निवारण 'जन समस्या निराकरण शिविर' का आयोजन किया गया। प्रचार प्रसार प्रभारी सूरजप्रकाश राठी ने बतलाया कि महापौर प्रमोद दुबे एवं ब्लॉक अध्यक्ष नवीन चंद्राकर के सहयोग से आयोजित इस शिविर में 'आधार कार्ड हेतु ऑनलाइन प्रक्रिया की गई, राशन कार्ड, स्मार्ट कार्ड, वोटर कार्ड, मजदूर कार्ड आदि भी बने। नगर के सैकड़ों लोगों को एक छत के नीचे, एक ही स्थान पर इतने प्रकार की सुविधाओं को पाकर लोगों में उत्साह रहा। लोगों ने अपने वार्ड से संबंधित बिजली, सफाई, पानी आदि से संबंधित समस्याओं के निराकरण हेतु लिखित में शिकायतें भी जमा की। समाज अध्यक्ष संपत राठी ने बताया कि विजय दम्मानी, राजकुमार चितलांग्या, गोपाललाल राठी, कमल राठी, अजय सारडा, सूरजप्रकाश राठी, संदीप मर्दा, नंदलाल मोहता, शिवरतन सादानी, राजकिशोर नत्थानी, सूरजरतन मोहता, राजकुमार नारायणदास राठी, शंकर मोहता, मनोज तापड़िया आदि का सक्रिय सहयोग प्राप्त हुआ। सचिव कमल राठी ने बताया कि इसी प्रकार नेत्र चिकित्सा व दवा वितरण शिविर भी आयोजित किया गया।

चार दिवसीय भागवत कथा का आयोजन

नागदा. श्री गोर्वधननाथ जी की हवेली में चार दिवसीय भागवत कथा का आयोजन 9 से 13 सितंबर तक वैष्णव परिषद समिति द्वारा किया गया। कुसुम मोहता, अनिता राठी, प्रीति मालपानी, सुनीता राठी, शीला मोहता, गीता मालपानी, चंद्रिका मोहता एवं वैष्णवजनों ने भागवत कथा कृष्ण लीला रसपान का आनंद लिया।

लहजे में बदतमीजी
और
चेहरे पर नकाब लिए फिरते हैं...
जिनके खुद के खाते
खराब हैं,
वो हमारा
हिसाब लिए फिरते हैं...

तरुणोदय का हुआ आयोजन

कोलकाता. तरुणोदय कार्यक्रम भावी युवा पीढ़ी के लिए स्थानीय माहेश्वरी महिला समिति द्वारा आयोजित किया गया। इस वैचारिक मंथन में माहेश्वरी विद्यालय एवं बालिका विद्यालय के बच्चे शामिल हुए। माहेश्वरी सभागार में आयोजित इस कार्यक्रम में विशेष वक्ता के रूप में ऑल इंडिया माहेश्वरी महिला की पूर्व अध्यक्ष शोभा सादानी, ऑल इंडिया जैन समाज की पूर्व अध्यक्ष सूरज बराड़िया और नाट्य मंच की कलाकार कहानी पट लेखन में माहिर उमा झुनझुनवाला उपस्थित थीं। सभी वक्ताओं ने परंपराओं, संस्कार और संस्कृति से भी साथ जुड़े रनहे पर जोर दिया। समिति मंत्री रेखा ने सभी का स्वागत किया। उपसभानेत्री वर्षा, कविता, श्वेता, रीता हमारी संपूर्ण कार्यकारिणी के अथक प्रयास से यह कार्यक्रम सफल रहा। विद्यालय के मंत्री केशव बालिका विद्यालय के अध्यक्ष चांद बिन्नानी का सहयोग प्राप्त हुआ। अध्यक्ष जमुना हेड़ा ने कार्यक्रम का संचालन बखूबी किया।

नारायण रैकी सत्संग प्रशिक्षण

वरंगल. माहेश्वरी महिला मंडल द्वारा स्थानीय प्रगतिशील मारवाड़ी समाज भवन में नारायण रैकी सत्संग प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। मंडल की मंत्री सरिता सोमाणी ने बताया कि इस नारायण रैकी सत्संग परिवार की संस्थापिका राजेश्वरी मोदी हैं, जिन्हें राज दीदी के नाम से भी जाना जाता है। कार्यक्रम में माहेश्वरी महिला मंडल की अध्यक्ष माधुरी लाहोटी ने अपने स्वागत संदेश में सभी प्रशिक्षकों एवं उपस्थित सदस्यों का स्वागत किया। नारायण रैकी कार्यक्रम में प्रशिक्षण देने हैदराबाद से पधारी स्नेहलता केडिया, शिला धूत, मीनाक्षी बाहेती ने नारायण रैकी का प्रशिक्षण लेने से होने वाले लाभ को बताए। इससे मानसिक, शारीरिक और आध्यात्मिक स्तर पर प्रगति, सकारात्मक सोच व अच्छे विचारों में वृद्धि, स्मरण शक्ति व एकाग्रता का विकास, अच्छी आदतों और अच्छी संगत का विकास होता है।

श्री विक्रमादित्य पंचांग का हुआ विमोचन

उज्जैन। प्रतिष्ठित ऋषिमुनि प्रकाशन द्वारा प्रकाशित घर का पंडित के रूप में विख्यात कार्तिकादि पंचांग श्री विक्रमादित्य का गत दिवस आयोजित "डॉ. सुमन सद्भावना व्याख्यानमाला" के शुभअवसर पर विमोचन हुआ।

विमोचन व्याख्यानमाला के प्रमुख संयोजक ख्यात समाजसेवी व शिक्षाविद् कृष्णमंगलसिंह कुलश्रेष्ठ के करकमलों से हुआ। इस अवसर पर भुपेन्द्र दलाल, सुनील जैन, शैलेन्द्र कुल्मी, विशाल हाड़ा, संदीप कुलश्रेष्ठ, विक्रम जाट, रमेश दास, राजेश जोशी, सुश्री अमृता कुलश्रेष्ठ, अरुण जैन, प्रकाश त्रिवेदी, संदीप वत्स, देवेन्द्र जोशी आदि कई वरिष्ठ पत्रकार व गणमान्यजन उपस्थित थे। प्रकाशक पुष्कर बाहेती ने पंचांग के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि यह पंचांग ग्रहलावधीय पद्धति से सटिक गणनाओं के आधार पर तैयार किया जाता है। जिससे यह ज्योतिष के विद्वानों के बीच विश्वास का दूसरा नाम है। इसके साथ इसमें कई महत्वपूर्ण अवसरों के मुहूर्त, ग्रह स्थिति, लग्न आदि कई गणनाएँ भी इस तरह स्पष्ट की जाती है कि जिससे आमव्यक्ति भी इसका लाभ ले सके। यही कारण है कि यह आम लोगों के बीच "घर का पंडित" के रूप में लोकप्रिय है।

पौधारोपण से मनाया जलझूलनी महोत्सव

भीलवाड़ा. जिले के लेसवा ग्राम में हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी जलझूलनी एकादशी कार्यक्रम बड़ी धूमधाम व हर्षोल्लास के साथ युवा संगठन द्वारा आयोजित किया गया। युवा संगठन के प्रमुख राजेश सोमानी ने बताया कि इस दिन सफाई अभियान कर पौधारोपण किया गया। इस अवसर पर सांसद सुभाष बहेड़िया, प्रदेशाध्यक्ष कैलाशचंद्र कोठारी, कन्हैयालाल खटौड़, रामकुमार जागेटिया, ओमप्रकाश बिड़ला सहित लेसवा समाज की बहनें, जवाई और भानेज भी उपस्थित थे। अतिथियों का युवा संगठन द्वारा स्वागत किया गया।

राठी बने माहेश्वरी समाज अध्यक्ष

इटारसी. होशंगाबाद हरदा जिला माहेश्वरी सभा की सक्रिय इकाई इटारसी नगर माहेश्वरी समाज के चुनाव सर्वसम्मति से हुए। अध्यक्ष मेघराज राठी, वरिष्ठ उपाध्यक्ष ओमप्रकाश गांधी, कनिष्ठ उपाध्यक्ष बालकिशन भूतड़ा, सचिव मांगीलाल मालपानी, सहसचिव विवेक चांडक, कोषाध्यक्ष प्रहलाद बंग, सांस्कृतिक मंत्री नितेश राठी, पीआरओ अर्पण माहेश्वरी, मीडिया प्रभारी विनीत राठी चुने गए। चुनाव अधिकारी कैलाश चांडक, सहायक चुनाव अधिकारी श्रीकांत मोलसरिया ने नवीन कार्यकारिणी को बधाई दी।

क्लेट में शुभम को 87वीं रैंक

भीलवाड़ा. देश की श्रेष्ठ नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी में प्रवेश के लिए हुई परीक्षा क्लेट में शुभम दमानी ने ऑल इंडिया 87वीं रैंक हासिल की है। शुभम ने इसमें 200 में से 163.5 अंक प्राप्त किए हैं। शास्त्रीनगर निवासी शुभम के पिता गणेशकुमार व्यवसायी व माता संगीता दमानी गृहिणी हैं।

पार्थ ने किया एमटेक

भीलवाड़ा. समाज प्रतिनिधि पार्थ माहेश्वरी ने आईआईटी कॉलेज मुंबई से जिया इन्फॉर्मेटिक्स में प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण किया। कैंपस इंटरव्यू में बोइंग इंडिया प्राइवेट लिमिटेड बेंगलुरु में चयन हुआ है। पार्थ मंजू व संपत माहेश्वरी (पूर्व मंत्री) भीलवाड़ा जिला माहेश्वरी सभा के सुपुत्र हैं।

श्लोक ईनाणी बने सीए

भीलवाड़ा. समाज सदस्य शशि व दिलीप ईनाणी के पुत्र श्लोक ईनाणी ने प्रथम प्रयास में सीए की परीक्षा उत्तीर्ण की एवं ऑल इंडिया में 16वीं रैंक प्राप्त की। इस उपलब्धि पर स्नेहीजनों ने शुभकामना दी।

अपूर्वा बनी सीए

आगरा. प्रभातकुमार माहेश्वरी एवं ममता माहेश्वरी की सुपुत्री अपूर्वा माहेश्वरी ने सीए फाइनल की परीक्षा उत्तीर्ण कर सीए बनने का गौरव प्राप्त किया। इस उपलब्धि पर स्नेहीजनों ने हर्ष व्यक्त किया है।

शैली बनीं सीए

रतलाम. समाज सदस्य सुरेंद्र-संतोष मूंदड़ा की सुपुत्री तथा रामचंद्र-राधादेवी मूंदड़ा रतलाम की पौत्री व स्व. श्री हेमंतगणेशनारायण बजाज की दौहित्री शैली ने सीए की

संसार में जिन लोगों को संतान सुख प्राप्त हुआ वो तो भाग्यशाली हुए लेकिन जिन्हें संतान से सुख प्राप्त हुआ वे सौभाग्यशाली हुए।

With Best Compliments From

PETERS PRINCE PHENYLE

Disinfectant Best By Test

Manufacturers of Disinfectants & Antiseptics:

NATH PETERS HYGEIAN LIMITED

REGD. OFFICE: 17-1-200, SAIDABAD, HYDERABAD - 500 059 T. S. INDIA
PHONE NO: 040- 24534-523/524/525 FAX: +91-40-24530299
E-mail: sales@nathpeters.com Website: www.nathpeters.com
CIN NO.: U24110TG1992PLC014256

For Distributorship Enquiries Please Contact
Mr. Raju on Cell No. 09701343335

हार्दिक शुभकामनाएं.....

Dalia's™
High in Quality, Rich in Taste

श्री निवास एंड ब्रदर्स
SRINIVAS & BROTHERS

किराणा एवं सूखे मेवे व सभी किस्म के मुरब्बे तथा अचार एगमार्क शहद उपवन ब्रेड-ए
सच्चा साबू एगमार्क साबुदाना सुपर कोकिला मेहंदी

14-7-371/17, बेगम बाजार, राजाबहादुर बिल्डिंग के सामने, हैदराबाद-500012
फोन-24745570, 24606726, 24615438
e-mail : contact@dalias.in web : www.dalias.in

लड़के-लड़कियों के रिश्ते ढूँढना हुआ बेहद आसान
हमारी वेबसाइट है
इसका सही समाधान

High Status,
Middle Status,
NRI, Manglik, Non Manglik,
Biodata MBA, MCA, Doctor,
Engg. Biodata, CA, CS,
ICWA Biodata

Graduate,
Post Graduate Biodata
Professional Biodata
Businessman Biodata
Service Class Biodata

माहेश्वरी समाज के लिए
60 हजार से अधिक

जैन समाज के लिए
70 हजार से अधिक

अग्रवाल समाज के लिए
1 लाख से अधिक

Website

www.maheshwari.org
www.jain2jain.org
www.agarwal2agarwal.org

Registration Free

Registration Free

अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें-

39/1, Old Rajendra Nagar, New Delhi-110060
Phones :011-25746867, M. : 093129 46867

कहते हैं कि पिता वह धनुष है, जो संतान रूपी तीर के लिये लक्ष्य साधता है। लक्ष्य पर तो तीर ही पहुंचता है, लेकिन उस लक्ष्य पर पहुँचाने में योगदान तो धनुष का ही होता है। यदि समाज आज कोटा निवासी ओमकृष्ण बिरला के लोकसभा अध्यक्ष बनने पर गर्व कर रहा है, तो इसका श्रेय नि:संदेह उनके पिता श्रीकृष्ण बिरला को ही जाता है। उनके दिये संस्कार, मार्गदर्शन व प्रोत्साहन का ही यह प्रतिफल है कि न सिर्फ ओम बिरला अपितु सम्पूर्ण परिवार प्रगति के पथ पर द्रुतगति से अग्रगामी है। मधु ललित बाहेती (कोटा)

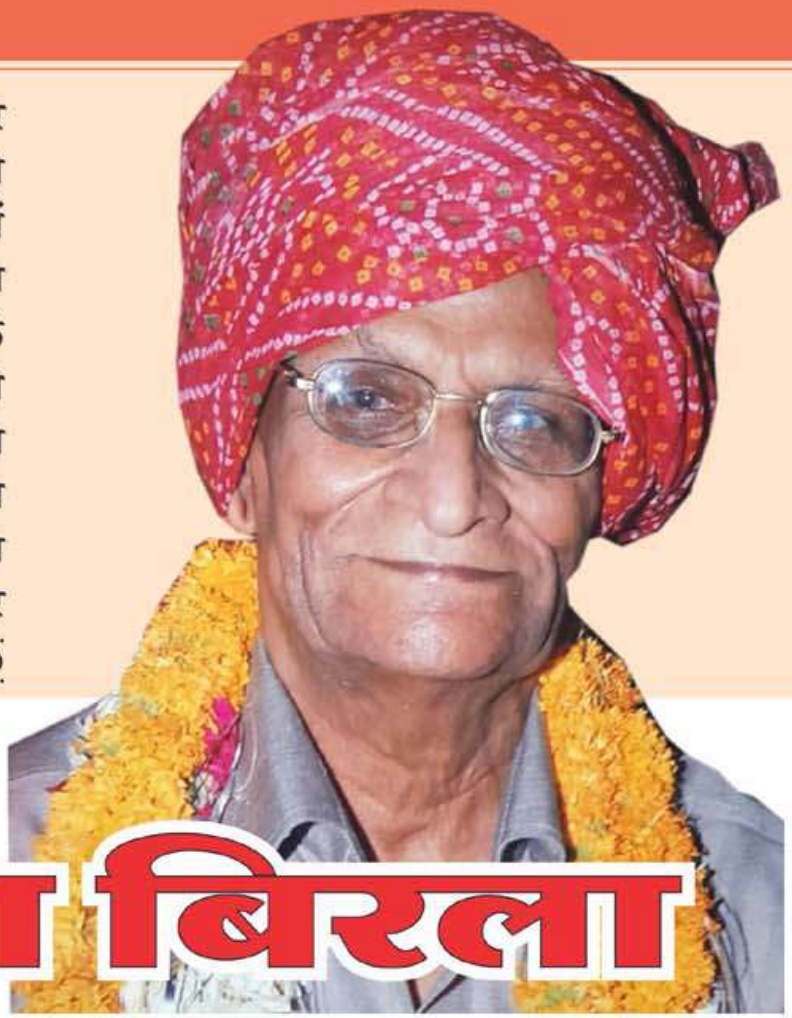

संस्कारों के पारस श्रीकृष्ण बिरला

वर्तमान में कोटा (राजस्थान) निवासी श्रीकृष्ण बिरला क्षेत्र में ही नहीं बल्कि देश के लिये एक जाने-माने व्यक्ति बन चुके हैं, लोकसभा अध्यक्ष ओमकृष्ण बिरला के पिता के रूप में। हर पिता की यह मनोकामना होती है कि उनका पुत्र उनसे भी अधिक सफल हो और उन्हें उनके पुत्र के कारण पहचान मिले। श्री बिरला की मनोकामना उनके सभी पुत्र ही नहीं बल्कि पौत्र भी पूरी कर रहे हैं। सभी उन्नति के पथ पर सतत आगे बढ़ते हुए परिवार व समाज का नाम रोशन करने में जुटे हुए हैं। स्वयं श्री बिरला की पहचान राजस्थान में सहकारिता के ऐसे उन्नायक के रूप में है, जिन्होंने सहकारिता को घाटे का सौदा कहने वाले लोगों को अपनी सोच बदलने के लिये विवश कर दिया था। आपने घाटे में चल रही सहकारी संस्थाओं का इस तरह कायाकल्प किया कि वे मात्र 2 वर्षों में ही लाभदायक हो गईं। बचपन से राजनीति में योगदान व सहकारिता में उनके द्वारा दिये गये योगदानों को देखते-देखते ही ओम बिरला को राजनीति व सफलता के सूत्र बचपन में ही मिलना प्रारम्भ हो गये थे।

कृषक परिवार में लिया जन्म

श्री बिरला का जन्म 12 जून 1929 को कोटा (राज.) जिले के कनवास गाँव में हुआ था। वर्ष 1930 से 1938 तक का बाल्यकाल का ग्राम ठीकरिया जिला बून्दी में पिता श्री घासीलाल जी एवं माता श्रीमती पार्वती देवी के साथ व्यतीत किया। बचपन में गोपालन, कृषि कार्य, मोरपंख इकट्ठा करना, गाय चराना एवं खेती कार्य में सहयोग करना न सिर्फ दिनचर्या अपितु शौक भी थे। वर्ष 1938 में पाटनपोल कोटा स्कूल से शिक्षा प्रारंभ कर 1946 तक कक्षा 6 उत्तीर्ण की, साथ में कक्षा तीसरी से अंग्रेजी का अध्ययन भी किया। सन् 1947 में 15 अगस्त को आजादी का झण्डा फहराया। वर्ष 1948 में श्री ओंकारलाल बिरला कैथूनीपोल कोटा के यहाँ गोद चले गये। सन् 1948 में इकलेरा निवासी श्री राधावल्लभ जी एवं श्रीमती नरसिंगा बाई सोनी की सुपुत्री श्रीमती शकुंतला देवी के साथ सगाई हुई। 7 फरवरी 1949 को विवाह हुआ जिसमें कैथूनीपोल से सूरजपोल तक सड़क पर ही समस्त कैथूनीपोल निवासियों को आमंत्रित कर भोजन कराया गया।

उच्च शिक्षा के बाद बने कर्मचारी नेता

वर्ष 1950 में मेट्रिक उत्तीर्ण की। तत्पश्चात् दिसम्बर 1950 में कनवास तहसील में अंग्रेजी क्लर्क के पद पर नौकरी शुरू की, लेकिन बाद में सन् 1951 में कस्टम एक्साईज कोटा में कनिष्ट लिपिक की नौकरी कर ली। वर्ष 1956 में वरिष्ठ लिपिक के पद पर पदोन्नति हुई। इस प्रकार प्रत्येक 5 वर्ष में पदोन्नति होती रही। वर्ष 1976 में कार्यालय अधीक्षक के पद पर पदोन्नति हुई। सन् 1981 में जयपुर कमीश्नर कार्यालय में स्थानान्तरण हुआ । वहाँ पर फर्स्ट ग्रेड में ओ.एस. के पद पर पदोन्नत हुए। सन् 1986 में कोटा में वाणिज्यिक कर विभाग कार्यालय में स्थानान्तरण हो गया। तब से सन् 1988 तक इसी विभाग में निरन्तर कार्य किया। सरकारी नौकरी में रहते हुए कर्मचारी संघ में वर्ष 1958 से 1961 तक जिला अध्यक्ष पद पर रहे। राजकीय सेवा में रहते हुए कर्मचारी आंदोलन में आप तीन बार वर्ष 1963, 1971, 1980 में कारागृह में भी गये।

समाज से सहकारिता की सेवा यात्रा

श्री बिरला माहेश्वरी समाज के तीन बार अध्यक्ष रहे एवं कोटा जिला माहेश्वरी सभा में अध्यक्ष के रूप में लगभग 15 वर्ष तक समाज की सेवा की। सन् 1963 से कोटा कर्मचारी सहकारी समिति लि. सभा नं. 108 आर के सचिव पद पर रहे। तत्पश्चात् लगभग 26 वर्ष से अध्यक्ष पद पर आसीन रहते हुए कोटा कर्मचारी सहकारी समिति को राजस्थान में एक नई पहचान दिलाने में अपनी भूमिका निभाई। विशिष्ट योगदानों के लिये

परिवार के बीच श्री बिरला

कोटा में आपको सहकार पुरूष के नाम से भी जाना जाता है। उस समय यह संस्था घाटे मे चल रही थी और सरकार भी इसे बंद कर देना चाहती थी। श्री बिरला ने इसे चुनौती के रूप में लिया और इसकी बागडोर सम्भालकर इसे घाटे से उबार दिया।

सभी पुत्र विकास के पथ पर अग्रसर

आपके 6 पुत्र एवं 3 पुत्रियाँ है। सबसे बड़े पुत्र राजेशकृष्ण बिरला वर्तमान में कोटा नागरिक सहकारी बैंक लिमिटेड, इण्डियन रेड क्रॉस सोसायटी कोटा एवं श्री माहेश्वरी समाज कोटा के अध्यक्ष पद पर आसीन है। द्वितीय पुत्र श्री हरिकृष्ण बिरला एम.कॉम. एवं एल.एल.बी. तक शिक्षित हैं और राजकीय शिक्षा में अध्यापन का कार्य कर स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति लेकर राजनीति के साथ-साथ सामाजिक कार्य भी कर रहे हैं। वर्तमान में वे कोटा जिला सहकारी होलसेल उपभोक्ता भण्डार लि. एवं श्री भारतेन्दु समिति के अध्यक्ष पद पर आसीन है। तृतीय पुत्र बालकृष्ण बिरला ने एम.एस.डब्ल्यू. उत्तीर्ण कर टेक्सटाईल में कार्य किया। तत्पश्चात् चम्बल फर्टिलाईजर में मैनेजर के पद पर निरन्तर कार्य कर रहे हैं। चतुर्थ पुत्र हैं, लोकसभा अध्यक्ष ओमकृष्ण बिरला। वे वर्ष 2003, 2008 एवं 2013 में कोटा दक्षिण से विधायक निर्वाचित हुए एवं उसके बाद वर्ष 2014 एवं 2019 में कोटा-बून्दी लोकसभा क्षेत्र से सांसद निर्वाचित हुए। पंचम पुत्र दयाकृष्ण बिरला मेडिकल का व्यवसाय करते हैं। सबसे छोटे पुत्र नरेन्द्रकृष्ण बिरला नगर निगम कोटा में पार्षद रह चुके हैं और वर्तमान में निजी व्यवसाय कर रहे है। पुत्र वधुओं में श्रीमती सूरज बिरला कोटा शहर की प्रसिद्ध सहकारी संस्था श्री हितकारी विद्यालय सहकारी शिक्षा समिति लि. के अध्यक्ष पद पर आसीन है, श्रीमती मंजू बिरला कोटा महिला नागरिक सहकारी बैंक लि. के अध्यक्ष पद पर आसीन है, डॉ. अमिता बिरला स्त्रीरोग विशेषज्ञ है, श्रीमती मंजू बिरला एवं श्रीमती संजय बिरला भी श्री हितकारी विद्यालय सहकारी शिक्षा समिति लि. के संचालक मण्डल की सदस्य हैं। 3 पुत्रियाँ- उषा न्याति, निशा मरचून्या एवं दिशा गुप्ता ने भी उच्च शिक्षा प्राप्त की एवं इनका कोटा के प्रतिष्ठित परिवारों में विवाह हुआ है। तीनों पुत्रियाँ कोटा शहर की विभिन्न सहकारी संस्थाओं के संचालक मण्डल में अपनी सेवाएँ दे रही है।

उन्हीं के मार्गदर्शन में पौत्र-पौत्री

वर्तमान में आपके परिवार में 6 पौत्र तथा 4 पौत्रियाँ हैं। सभी ने उच्च शिक्षा प्राप्त की है। पौत्र डॉ. शैलेन्द्र बिरला नैत्र चिकित्सक हैं और स्वयं का बिरला आई एण्ड चाइल्ड हॉस्पिटल दादाबाड़ी में है एवं उनकी पत्नी डॉ. मीनू बिरला राजकीय चिकित्सालय में बालरोग विशेषज्ञ के पद पर कार्यरत है। राहुल बिरला इंजीनियर हैं और उन्होंने कोटा में दो सुपर मार्केट वण्डर मार्ट के नाम से संचालित किये हुऐ है। पौत्री मीनू अपने पति के साथ विदेश में सेवारत हैं। मेघमा बैंगलोर में अध्यापन का कार्य कर रही हैं। पौत्री आकांक्षा सी.ए. है एवं अंजलि आई.ए.एस. की तैयारी कर रही हैं। अन्य पौत्र भी इंजीनियरिंग की पढ़ाई कर रहे हैं। आपके 3 प्रपौत्र एवं 1 प्रपौत्री हैं और 4 दोहिता एवं 1 दोहिती भी हैं। इस प्रकार श्री बिरला सभी सुखों का आनंद ले रहे हैं। सारा परिवार सम्पन्न रूप से कोटा में निवास कर रहा है। परिवार में एक दूसरे के लिए अटूट प्रेम व आस्था है।

राजनांदगांव (छ.ग.) निवासी दामोदरदास मूंदड़ा समाज के लिये एक ऐसा नाम हैं, जिन्होंने समाज की गौरव पताका को हर जगह व हर रूप में फहराने का प्रयास किया। चाहे वे छत्तीसगढ़ प्रादेशिक सभा अध्यक्ष रहे अथवा अ.भा. माहेश्वरी महासभा के अर्थमंत्री अथवा से किसी पद न भी रहे, लेकिन श्री मूंदड़ा का सेवा का कारवां सतत चलता ही रहा, देश की सरहदों के पार भी। वर्तमान में आप उम्र के 80 वें पड़ाव पर है लेकिन आपकी सक्रियता व समाज को दी जा रही सेवाओं में कहीं भी कमी नहीं लगती।

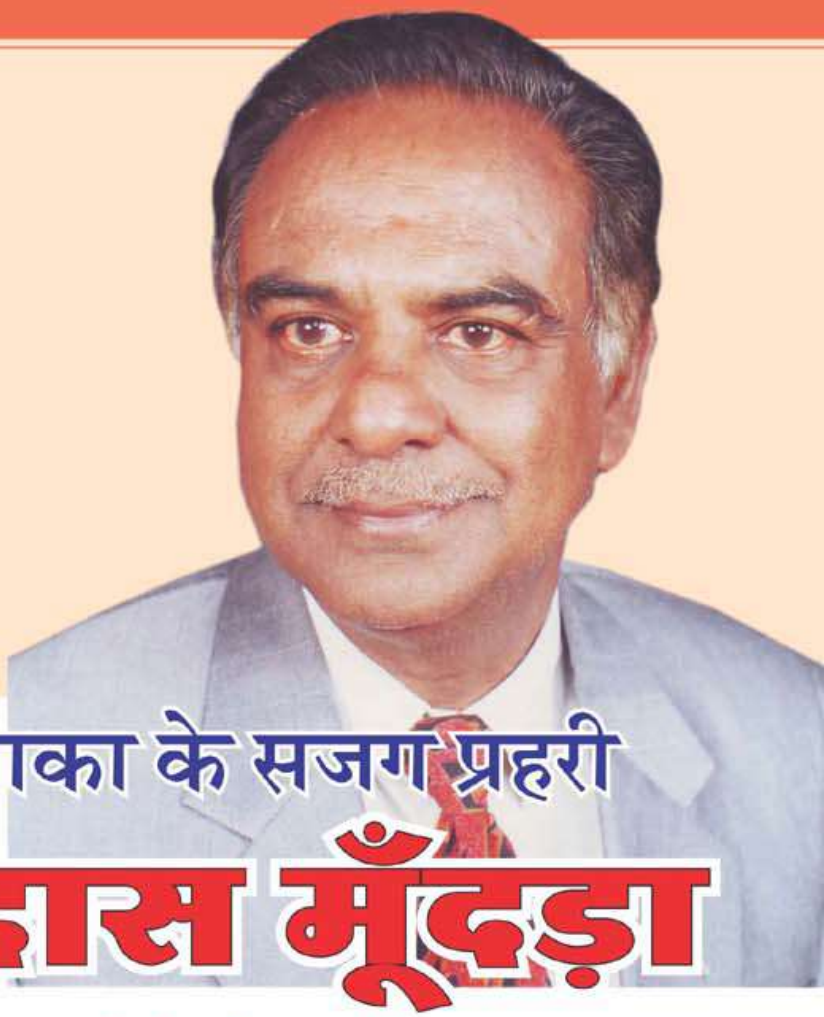

समाज की गौरव पताका के सजग प्रहरी
दामोदरदास मूँदड़ा

दामोदरदास मूंदड़ा राजनांदगांव, छत्तीसगढ़ ही नहीं अपितु सम्पूर्ण भारतवर्ष एवं विश्व के कोने-कोने में बसे समाजजनों के लिये एक ऐसा अत्यंत अपना सा नाम है, जो उन्हें समाज की मुख्यधारा से जोड़ता है। श्री मूंदड़ा ने जीवन भर समाज के लिये कार्य किया, समाज के लिये मंथन किया व न सिर्फ छत्तीसगढ़ के दूर अंचल के परिवारों को बल्कि पूरे भारत वर्ष में माहेश्वरी महासभा से जोड़ने का अविस्मरणीय प्रयास किया। माहेश्वरी पंचायत राजनांदगांव के लगभग 21 वर्षों तक महामंत्री रहने के बाद तीन से चार सत्रों में अध्यक्ष रहे। छत्तीसगढ़ प्रादेशिक संगठन के अध्यक्ष रहते हुए अ.भा. माहेश्वरी महासभा के तत्कालीन सभापति पद्मश्री श्री बंशीलाल राठी के साथ छत्तीसगढ़ के सुदुर इलाके में जाकर समाज के प्रति जागरूकता जगाई। किसी राष्ट्रीय अध्यक्ष का पहला दौरा छत्तीसगढ़ में करवाने का श्रेय श्री मूंदड़ा को ही जाता है। इससे पूर्व सन् 1984 में विश्व हिन्दू परिषद के अंतर्राष्ट्रीय अधिवेशन में भाग लेने श्री मूंदड़ा ने अमेरिका के न्यूयार्क शहर में अपनी उपस्थिति दर्ज कराई और वहाँ के माहेश्वरी परिवारों से जीवंत सम्बंध बनाये।

अन्तर्राष्ट्रीय माहेश्वरी अधिवेशन में भी हुए शामिल

अ.भा. माहेश्वरी महासभा के दो कार्यकाल में अर्थमंत्री के रूप में चुने गए। इस दौरान लगभग संपूर्ण भारत वर्ष का सामाजिक दौरा आपके द्वारा किया गया। अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महासभा के कार्य समिति के सदस्य रह कर भी अपनी सेवाएँ दी। माहेश्वरी समाज के अंतर्राष्ट्रीय अधिवेशन में अमेरिका के लासएंजिल्स नाम विख्यात शहर में भी आप सपत्नीक शामिल हुए। इसी प्रकार अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर हांगकांग, नेपाल इत्यादि देशों का भी भ्रमण कर समाज के लोगों से मुलाकात कर उन्हें समाज संगठन से सम्बद्ध किया। वर्तमान में स्थानीय पंचायत के आजीवन संरक्षक के पद पर रहते हुए आप अपने अनुभव व योग्यता का लाभ समाज को दे रहे हैं।

राजनांदगांव को बनाया उद्योग नगर

राजनांदगांव छत्तीसगढ़ का प्राकृतिक सम्पदा से परिपूर्ण शहर तो रहा है, लेकिन पूर्व में इसका औद्योगिक विकास इतना अधिक नहीं था। वर्तमान में इसकी उद्योग जगत में जो प्रतिष्ठा है, इसे स्थापित करने में श्री मूदड़ा का भी विशिष्ट योगदान है। आपके अपने पैतृक व्यवसाय के स्थान पर उद्योग जगत की राह चुनी। मध्यभारत क्षेत्र में सर्वाधिक क्षमता के राइसब्रान आधारित खाद्य तेल निर्माण की स्थापना श्री मूंदड़ा ने ही स्थापित की और वर्तमान में भी वे इसके चेयरमेन हैं।

कई पुरस्करों से सम्मानित

फ्रेण्डशिप फोरम ऑफ इंडिया, न्यू दिल्ली में 25 सितम्बर 1998 को उद्योग एवं समाज सेवा हेतु भारत एक्सेलेंसी अवार्ड एवं गोल्ड मेडल से सम्मानित किया। 1994 में पंजाब नेशनल बैंक द्वारा क्षेत्र के सर्वश्रेष्ठ उद्योगपति के रूप में पुरस्कृत किये गये। इसी प्रकार आप छत्तीसगढ़ साल्वेंट एक्सट्रेक्टर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष के रूप में गत 20 वर्षों से अपनी सेवाएं दे रहे हैं।

विविध आयामी सेवाएं

सेवा में अक्षय आत्मिक सुख की अनुभूति करने वाले श्री मूंदड़ा की सेवाएं भी विविध आयामी रही हैं। बहुमुखी प्रतिभा के धनी श्री मूंदड़ा सन् 1990 के दशक में राजनांदगांव की सबसे बड़ी गौशाला पिंजरापोल के अध्यक्ष रहे हैं। आज भी गौशाला की 400 गायों की सेवा कार्य में निःस्वार्थ भाव से लगे हुए हैं। इसी प्रकार खेलकूद के क्षेत्र में सबसे बड़े स्पोर्ट्स क्लब लाल बाग स्पोर्ट्स क्लब व रोटरी क्लब के चार्टर अध्यक्ष रहे। सेवा के क्षेत्र में कीर्तिमान स्थापित करने वाली संस्था रेडक्रास सोसायटी के भी आप उपाध्यक्ष रहे हैं। विकास की बुनियादी आधार शिक्षा के क्षेत्र में काम करने की रूचि

होने से आप विद्यालयों से भी सदैव जुड़े रहे हैं और वर्तमान में स्थानीय सरस्वती विद्या मंदिर व भारतीय कन्या विद्यालय के अध्यक्ष हैं। भिलाई छात्रावास निर्माण में भी पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय रायपुर के योजना एवं मूल्यांकन बोर्ड के सदस्य के रूप में आपकी सेवाएं दे रहे हैं। गायत्री शक्तिपीठ के मैनेजिंग ट्रस्टी रहे श्री मूंदड़ा धार्मिक क्षेत्र से जुड़े कार्यों में भी पर्याप्त रुचि रखते हैं। इंडस्ट्रीज एसोसिएशन के उपाध्यक्ष रहने के साथ भ्रष्टाचार निरोधक समिति के राष्ट्रीय प्रचार सचिव बने।

संघर्षों से हुई जीवन की शुरूआत

सन् 1939 में ऐसे ही एक माहेश्वरी परिवार से प्रारंभ होता है, दामोदरदास का सफर। पारंपरिक मूल्यों एवं संस्कारों से ओत-प्रोत इनके पिता स्व. श्री माधोलालजी ने अपनी धर्मपत्नी स्व. श्रीमती सुन्दरबाई के साथ सुदूर राजस्थान के शहर बाड़मेर से 1937 में विकास की सम्भावनाओं के साथ आकर राजनांदगांव को अपना कर्म क्षेत्र बनाया। धान के कटोरे के रूप में विख्यात होने कारण धान की प्रचुरता से इन्होंने 'राईस ब्रान' का व्यवसाय प्रारंभ किया। सीमित आय एवं बढ़ते परिवार के व्यय भार के असंतुलन से उत्पन्न विपन्नता से दामोदरदास जी संतुष्ट नहीं थे। आंतरिक असंतोष ने इन्हें हठी एवं महत्वाकांक्षी बना डाला। दामोदरदास जी की विद्रोही महत्वाकांक्षा ने विरासत में प्राप्त व्यवसाय के अलावा भी कुछ नये उद्यम हेतु प्रेरित किया। इसी क्षण आपने तय किया कि पैतृक व्यवसाय उनका रास्ता हो सकता है, मंजिल नहीं। आपकी धर्मपत्नी श्रीमती सावित्री देवी मूंदड़ा ने सहचरी शब्द को शब्दशः चरितार्थ करते हुए इन्हें हमेशा आत्मविश्वास पर अड़िग रखा।

ऐसे बढ़े उद्योग जगत में कदम

प्रगति पथ पर प्रथम चरण के रूप में आपने 1968 में मूंदड़ा दाल-मिल की स्थापना की। उत्पादन की उत्तमता ने दाल मिल को सफलता दी, संतुष्टि नहीं। सुदीर्घ चिंतन एवं मनन के फलितार्थ रूप में आपने 150 टन प्रतिदिन की क्षमता वाले कमल साल्वेन्ट एक्सट्रेशंस प्लांट 1990 में स्थापित किया। क्षेत्र में प्रमुखतम औद्योगिक केन्द्र के रूप में स्थापित इस राईस ब्रान प्लांट में 1994 में एक रिफाइनरी प्लांट की स्थापना कर इसे विस्तारित किया गया। अब इस औद्योगिक केन्द्र में 200 टन प्रतिदिन की क्षमता वाला एक सोयाबीन एक्सट्रेशंस प्लांट एवं 150 टन प्रतिदिन की क्षमता वाला एक सतत् तेल शोधन यंत्र भी कार्यरत है। आपके औद्योगिक योगदान के लिए 1994 में पंजाब नेशनल बैंक ने आपको सर्वश्रेष्ठ उद्योगपति के रूप में सम्मानित किया। राईस ब्रान के पारंपरिक व्यवसाय को नया आयाम देते हुए श्री दामोदरदास जी ने न केवल देश में खाद्य तेल की आपूर्ति में महत्वपूर्ण योगदान दिया, अपितु खली के निर्यात से विदेशी मुद्रा भंडार में भी इजाफा किया। परोक्ष एवं अपरोक्ष रूप से हजारों परिवारों को रोजगार उपलब्ध कर रहा कमल साल्वेन्ट, अत्याधुनिक तकनीक से युक्त होकर पर्यावरण को संरक्षित रखते हुए प्रदेश के आधुनिकतम एवं विशालतम औद्योगिक केन्द्र के रूप में ख्यात है।

समाज के समर्पित

श्री मूंदड़ा ने स्थानीय समाज के लगभग 20 वर्षों तक अध्यक्ष रहकर आपने माहेश्वरी भवन का नव निर्माण कराया एवं सामाजिक कुरीतियों के निवारण हेतु प्रयास किया। पिछले दो सत्रों में माहेश्वरी महासभा के माध्यम से समाज सेवा का अवसर इन्हें मिला। 23 वें सत्र में पूर्वी मध्य प्रदेश माहेश्वरी सभा का अध्यक्ष चुने जाने पर आपने छत्तीसगढ़ के माहेश्वरी समाज की प्रतिष्ठा महासभा में बढ़ाई। समाज हित में इनके कार्य सम्पादन एवं निष्पादन हेतु 1999 में पुष्कर (राजस्थान) में सम्पन्न महासभा के अधिवेशन में इन्हें सर्वश्रेष्ठ अध्यक्ष के रूप में पुरस्कृत किया गया। 24 वें सत्र में महासभा की कार्यसमिति हेतु इनका चयन किया गया। महासभा कार्यसमिति की 23 वें सत्र की प्रथम बैठक राजनांदगांव में सम्पन्न होने के बाद के सत्र की बैठक दुर्ग स्थित स्वयं इन्हीं के ऋषिराज मंगलम में अखिल भारतीय युवा संगठन एवं महिला संगठन के साथ संयुक्त रूप से आयोजित की गई। महासभा के 25वें व 26वें सत्र में महासभा का 'अर्थ मंत्री' का भार आपको सौंपा गया है, जिसका सफलता पूर्वक निर्वहन कर अन्तर्राष्ट्रीय आयोजनों में भी महासभा का प्रतिनिधित्व किया।

योग आध्यात्म को भी समर्पित

अन्तर्राष्ट्रीय योग सम्मेलन 1969 में स्वामी सत्यानंद जी के निर्देशन में हुआ, जिसमें श्री मूंदड़ा का योगदान अतुलनीय रहा। योग से शुरू से जुड़े रहने का पूरे परिवार को स्वास्थ्य के दृष्टिकोण से लाभ मिल रहा है। आप स्वभाव से ही आध्यात्मिक है। इसी का परिणाम हैं कि आपके मूंदड़ा कुंज नामक फार्म में प्रायः सभी संत महात्मा का आगमन हुआ है। इनमें प्रमुख श्री रमेश भाई ओझा, पंडित श्री रविशंकर, सुधांशु महाराज और रामदेव जी, आदि गुरु शंकराचार्य जी मधुरेश्वर जी महाराज, इंदिरा बेटी जी, विगत वर्ष भाई श्री ओझा जी का भगवत कथा हेतु आगमन पर निवास मूंदड़ा निवास ही रहा।

आप स्थानीय गायत्री शक्तिपीठ के संस्थापक सदस्य एवं मैनेजिंग ट्रस्टी हैं। गायत्री परिवार में सक्रिय योगदान देते हुए आपको युग प्रवर्तक आचार्य श्री राज शर्मा का सानिध्य प्राप्त हुआ। नगर की प्रत्येक धार्मिक परम्परा एवं आयोजनों में आपका विशिष्ट योगदान रहता है। अन्नकूट एवं अन्य पारंपरिक उत्सवों में स्थानीय मंदिरों को प्रदत्त सहयोग के साथ ही निर्धन ब्राह्मणों की कन्याओं के वैवाहिक कार्य में इनका गुप्त योगदान सदैव रहता है। वर्तमान में आपके परिवार में धर्मपत्नी सावित्रीदेवी, पुत्र अनिल व सुनील, पुत्रवधू ज्याति व अनिता, पौत्र कमल, ऋषिराज, पौत्रवधू सपना के साथ ही प्रपौत्र मोहित व प्रपौत्री दिव्यांशी हैं। सम्पूर्ण परिवार आपके ही पदचिन्हों पर चलते हुए अपना योगदान दे रहा हैं।

वर्तमान में चिकित्सक भी स्वीकार करते हैं कि सभी योग में हास्य योग सर्वश्रेष्ठ है। ऐसे ही हास्य योग के प्रशिक्षण शिविरों का गत कई वर्षों से आयोजन कर रहे हैं, हास्य योग गुरु इंदौर निवासी रामेश्वर माहश्वरी। वे उम्र के 86वें वर्ष के ऐसे पढ़ाव पर हैं, जहां अक्सर लोग चार दिवारी को ही अपना जीवन मान लेते हैं, लेकिन श्री माहेश्वरी की सेवा यात्रा यहां भी जारी है।

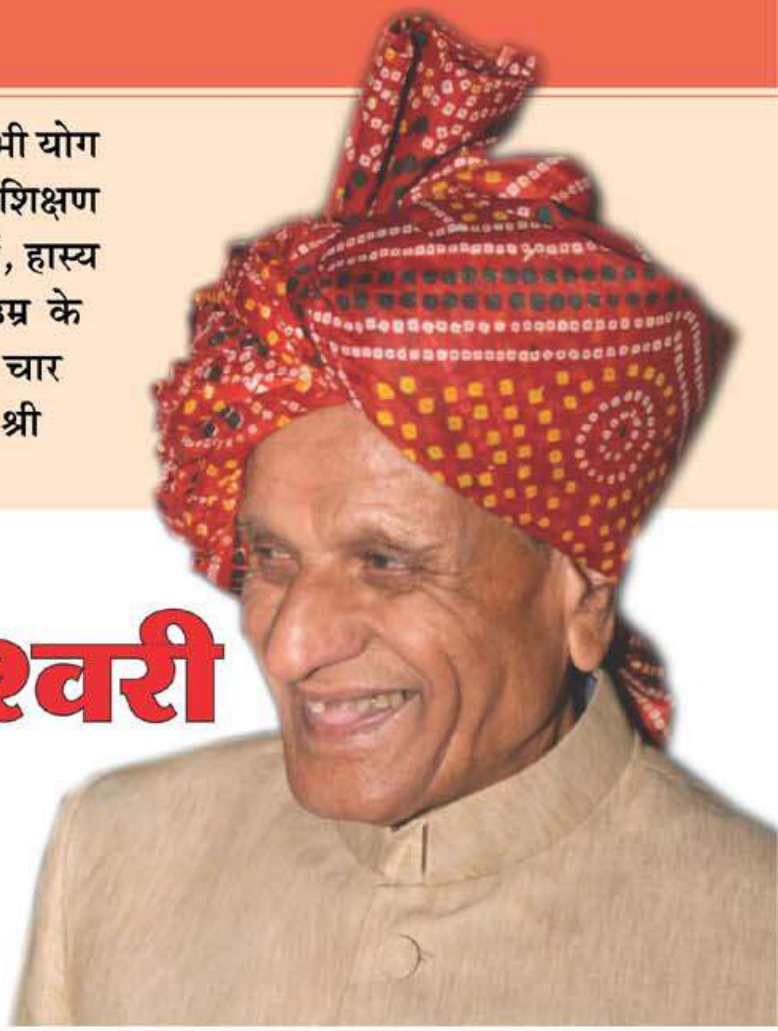

हास्य की फुलवारी सजाते रामेश्वर माहेश्वरी

हास्य योग गुरु रामेश्वर माहेश्वरी वर्तमान में इंदौर में निवास कर रहे हैं। वे व्यावसायिक रूप से तो कपड़ा व्यवसाय से जुड़े रहे लेकिन हास्य योग कब उनके जीवन का हिस्सा बन गया उन्हें पता ही नहीं। उनके भाई स्व. श्री बलरामदास जी माहेश्वरी के सुपुत्र अजय व संजय भी पुत्रतुल्य संयुक्त परिवार में शामिल हैं, ये और पुत्र दिनेश माहेश्वरी इन्दौर एवं मुंबई में वस्त्र व्यवसाय को सम्भाल रहे हैं। दूसरे पुत्र श्याम माहेश्वरी फिल्म जगत मुंबई में कार्यरत है, एक पौत्र डॉ. श्रीमित माहेश्वरी मनोरोग विशेषज्ञ है तथा विवाहित पुत्रियाँ- ब्रजबाला कासट तथा मधु मण्डोवरा हैं। श्री माहेश्वरी हास्य योग में ऐसे रमे कि अपनी तमाम व्यावसायिक जिम्मेदारी पुत्रों को सौंपकर हास्य योग को ही समर्पित हो गये। निःस्वार्थ भाव से हास्य योग शिविर का वे लंबे समय से आयोजन करते आ रहे हैं। उम्र की इस अवस्था में भी उनकी यह सेवा यात्रा सतत रूप से जारी ही है।

छोटे से गाँव में लिया जन्म

श्री माहेश्वरी मूल रूप से भूतड़ा खांप के हैं और उनका परिवार फलोदी (राजस्थान) का मूल निवासी है। उनके पूर्वज व्यावसायिक कारणों से फलौदी से आकर उज्जैन जिले की बड़नगर तहसील के ग्राम बलेड़ी में आकर बस गये थे। उनके पिताजी दो भाई बंशीधर व जयनारायण भूतड़ा थे तथा परिवार में दो बहन पैनाबाई हासलपुर व अयोध्याबाई उज्जैन शामिल थी। श्री माहेश्वरी तीन भाई व तीन बहनों में सबसे बड़े हैं। उनसे छोटे दो भाई कृष्णकुमार माहेश्वरी व स्व. श्री बलरामदास माहेश्वरी तथा बहन भगवंतीबाई तराना, राधादेवी अकोदिया व स्व. श्रीमती कमलादेवी मूंदड़ा सोनकच्छ रही हैं। श्री माहेश्वरी का जन्म 8 सितम्बर 1933 को ग्राम बलेडी में हुआ था।

संघर्षों में चला शिक्षा का सफर

कक्षा 5 तक स्थानीय स्तर पर ही पढ़ाई की और उसके बाद उज्जैन आ गये। यहाँ 10 वर्षों तक म.प्र. खादी ग्रामोद्योग मे विभिन्न पदों पर कार्य करते हुए शिक्षा का सफर जारी रखा तथा बी.काम., एम. ए. व साहित्य विशारद तक शिक्षा प्राप्त की । उज्जैन की विनोद मिल, हीरा मिल, इन्दौर की हुकुमचंद मिल, सज्जन मिल व वेस्टर्न इंडिया बाम्बे तथा दीवान बहादुर रामगोपाल मिल हैदराबाद आदि में मार्केटिंग मैनेजर जैसे महत्वपूर्ण पदों पर कार्य किया। आप वर्ष 1987 से व्यावसायिक कारणों से इन्दौर में निवास कर रहे हैं। वर्तमान में अपनी तमाम व्यावसायिक जिम्मेदारियों को अपने पुत्रों को सौंपकर आप निःस्वार्ध भाव से हास्य योग के प्रशिक्षण शिविर आयोजित कर सुखी जीवन के गुण बता रहे हैं।

हास्य परमानंद प्राप्ति का मार्ग

श्री माहेश्वरी हास्य योग को परमानंद प्राप्ति का माध्यम मानते हैं। उनके अनुसार हास्य से आनंद, आनंद से परमानंद एवं परमानंद से परमेश्वर की प्राप्ति यह एक अनोखा क्रम है। हास्य के कई प्रकार हैं, किन्तु तीन प्रकार प्रमुख हैं- प्राकृतिक (नेचुरल), कृत्रिम (बनावटी), व व्यंग्य। प्रथम याने प्राकृतिक हास्य से मनुष्य शरीर में जो शक्ति तत्व है, याने ''आत्मा'' उसको सबसे ज्यादा फायदे होते हैं। द्वितीय याने कृत्रिम हास्य। भौतिक शरीर जो पांच तत्वों से बना है, यह उसको सबसे ज्यादा फायदा पहुँचता है। तृतीय याने व्यंग्य हास्य। इस हास्य में चतुराई की आवश्यकता होती है, अन्यथा कभी-कभी कोई व्यक्ति असहज हो जाता है तथा अपने आप में ग्लानि का अनुभव कर अपनों से व अपने आप से दूर रहने का प्रयास करता है। इसी लिए इसमें चतुराई की अधिक आवश्यकता है।

ऋषिमुनि समूह द्वारा काल गणना की
प्राचीन नगरी उज्जयिनी से प्रकाशित

श्री विक्रमादित्य पञ्चाङ्ग

इतना सरल की अपने घर के पंडित आप खुद बन जाए

डेढ़ वर्षीय
विवाह मुहूर्त
के साथ

व्रत-पर्व देखना हो या शुभ मुहूर्त या
विवाह के लिए पत्रिका का करना हो मिलान
कहीं जाने की जरूरत नहीं, स्वयं देखें अपने पञ्चाङ्ग में

90, विद्या नगर, टेड़ी खजूर दरगाह के पीछे, साँवेर रोड, उज्जैन (म.प्र.)
फोन - 0734-2526761, मो. 094250-91161, 98275-59522

सभी प्रमुख बुक स्टॉलों पर उपलब्ध

॥ जय श्री कृष्ण ॥

भगवान श्रीकृष्ण की ब्रजभूमि गोवर्धन में परिक्रमा मार्ग में
'श्री गिरिराजधरण माहेश्वरी सेवा टस्ट'
द्वारा संचालित अत्याधुनिक सुविधायुक्त माहेश्वरी भवन

माहेश्वरी भवन, गोवर्धन

आन्योर परिक्रमा मार्ग, दानघाटी के पास, गोवर्धन 281502 (उ.प्र.)
दूरभाष- 0565-2815832, मो. 88591-11222
www.mbgoverdhan.com
E-mail : mbgoverdhan@gmail.com

आप अपना आरक्षण ऑन लाईन अथवा फोन से करवा सकते हैं

उपलब्ध सुविधायें

- 26 डीलक्स ए.सी. कमरे (डबल-बेड) इन कमरों में ए.सी., गीजर, मिनिफ्रीज, डिजिटल लॉकर, टॉवेल आदि की सुविधायें
- 26 एसी कमरे (डबल बेड) गीजर की सुविधा सहित।
- 4 ए.सी. कमरे (3 बेड) गीजर की सुविधा सहित।
- 2 एसी मिनी हॉल (10 बेड)
- 46 कूलर युक्त कमरें (डबल बेड)
- 2 मिनी हॉल (6 बेड) एयर कूलर सहित
- 1 डोरमेट्री (24 बेड) एयर कूलर सहित
- 1 एसी डाइनिंग हॉल एवं किचन
- सभी कमरों में अटेच लेट-बॉथ की सुविधा।
- सत्संग हॉल 200 व्यक्तियों की बैठकर कथा सुनने की व्यवस्था (शीघ्र एसी युक्त होगा)
- 2000 स्क्वेअर फीट का किचन एवं डाइनिंग हॉल निजी उपयोग के लिये, जिसमें यात्री अपने रसोइयों द्वारा भोजन बनवा सकते हैं।
- दोनों भवनों में लिफ्ट की सुविधा।
- कारों एवं बसों की सुरक्षित पार्किंग का स्थान।
- पॉवर कट के समय निरंतर विद्युत सप्लाई के लिये 125 केवीए एवं 25 केवीए के जनरेटर।

बजरंगलाल बाहेती (अध्यक्ष)
मो.- 98290-79200
विनोद कुमार बांगड (महामंत्री)
मो. 094142-12835
जुगल किशोर बाहेती (कोषाध्यक्ष)
मो. 98291-56858

''उम्र तो एक मात्र संख्या है, व्यक्ति तो अपनी सोच से बूढ़ा होता है।'' यह कहना है छत्तीसगढ़ प्रादेशिक माहेश्वरी समाज के अध्यक्ष दुर्ग निवासी 73 वर्षीय युवा श्री बिट्ठलदास भूतड़ा का। आइये जाने अपनी सक्रियता से जन-जन के बीच भाऊ के नाम से लोकप्रिय श्री भूतड़ा की कहानी चंचल राठी (खामगांव) की जुबानी।

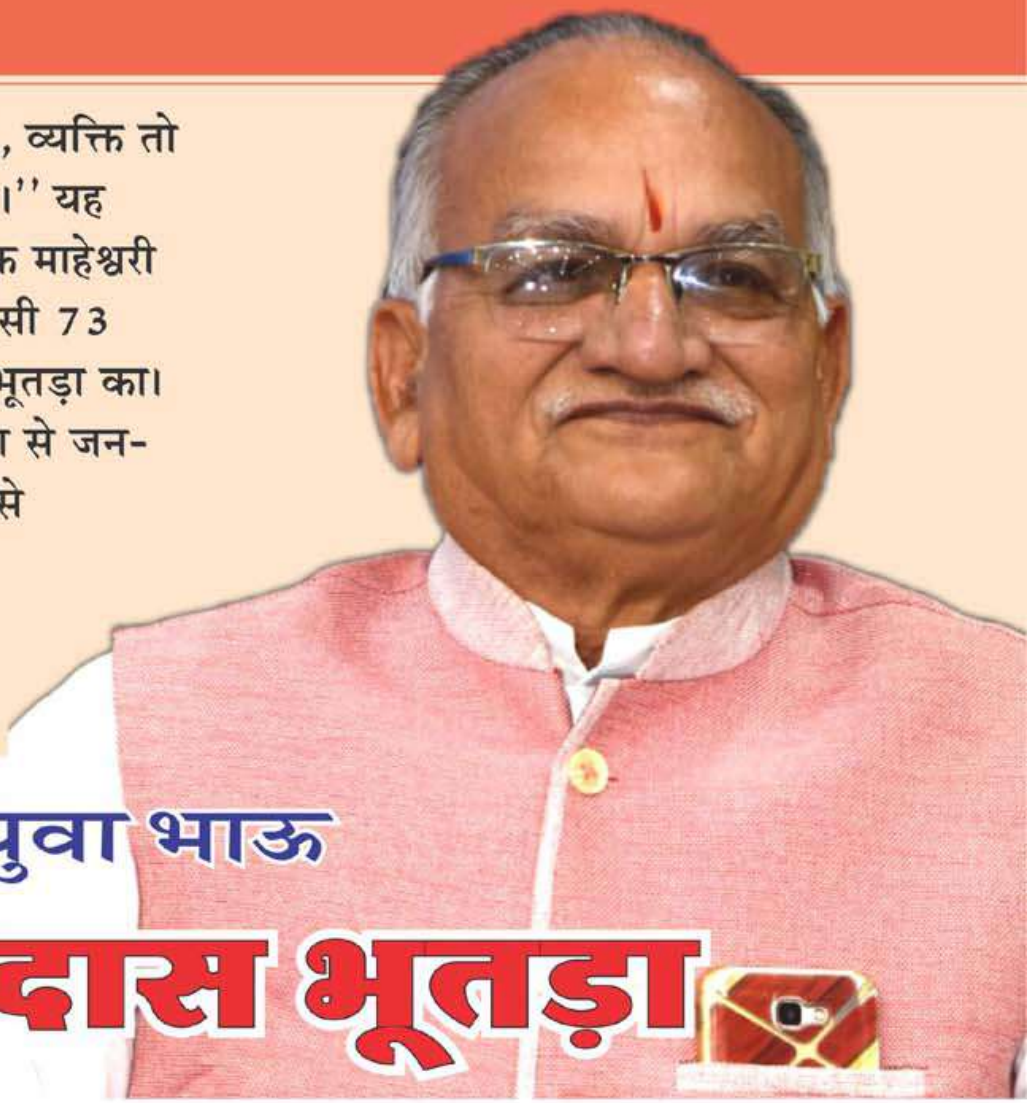

73 वर्ष के युवा भाऊ
बिठ्ठलदास भूतड़ा

मैं स्वयं दुविधा में हूं कि इन्हें 73 वर्षीय युवा कहूँ या वृद्ध जिनकी व्यस्ततम दिनचर्या और ऊर्जा देखकर 20-25 वर्ष के युवा भी दांतों तले उंगलियां दबा लेते हैं। आज सम्पूर्ण छत्तीसगढ़ चाहे छोटे हो या बड़े प्रेम से इन्हें 'भाऊ' के नाम से पुकारते हैं। 21 दिसम्बर 1946 को मेरे प्यारे बाबू जी का जन्म हुआ। शिक्षा के महत्व से वे भली-भांति परिचित थे, इसलिए इन्होंने बी.कॉम. के बाद एल.एल.बी. की शिक्षा ग्रहण की। महज 20 वर्ष की उम्र में समाज सेवा को अपने जीवन का मुख्य उद्देश्य मानकर समाज से जुड़े और सन् 1963 से सामाजिक दायित्व का निर्वहन करना प्रारम्भ किया।

छत्तीसगढ़ के सम्मान के प्रतीक

बाबू जी ने सन् 1965 में दुर्ग नवयुवक मंडल का गठन किया और सचिव पद पर आसीन हुए। सन् 1970 में नवयुवक मंडल के अध्यक्ष चुने गए। सन् 1965 से 1997 तक माहेश्वरी पंचायत दुर्ग में अलग-अलग पदों पर आसीन रहे। सन् 1997 में छत्तीसगढ़ प्रादेशिक माहेश्वरी सभा में महामंत्री पद पर आसीन हुए। महासभा की बैठक पुष्कर में प्रदेश को सर्वश्रेष्ठ प्रदेश का सम्मान महासभा के तत्कालीन सभापति बंशीलाल राठी द्वारा प्राप्त हुआ। छत्तीसगढ़ प्रादेशिक माहेश्वरी सभा की सुदृढ़ तस्वीर वर्तमान में जो आप देख रहे हैं, वो बाबूजी की विकासपरक सोच और उम्र के इस पड़ाव पर भी समाज सेवा की अविरल भावना का ही नतीजा है।

उम्र की इस अवस्था में भी योगदान

वर्तमान में बाबूजी आधा दर्जन से अधिक ट्रस्टों से जुड़कर समाज के विकास को गति दे रहे हैं। आज बाबूजी और उनकी कार्यकारिणी टीम एवं छत्तीसगढ़ की समस्त इकाई ने छत्तीसगढ़ सभा को अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी सभा में सर्वश्रेष्ठ प्रदेश की श्रेणी में ला दिया है। सम्पूर्ण प्रदेश बाबूजी की युवा सोच और ऊर्जा से अभिभूत है। समाज की नीतियों और योजनाओं से लोगों को अवगत कराने के लिए 73 वर्ष की उम्र में भी बाबूजी ने छत्तीसगढ़ प्रदेश के सभी जिलों व सुदूर ग्रामीण अंचलों का दौरा किया। ''सहयोग से सफलता'' और ''सेवा से संतुष्टि तक'' ऐसी भावना को अपना नारा बनाकर दूर-दूर तक समाज में फैलाया।

युवाओं के साथ युवाओं के लिए

निश्चित रूप से आज का युवा वर्ग जब कुछ दूर चलकर थका हुआ महसूस करता है, वहीं बाबूजी सन् 1965 से आज तक सतत समाज के लिये चल रहे हैं। रिश्तों को जोड़ने की अहम भूमिका बाबूजी ने बिल्कुल युवाओं की तरह निभाई। छत्तीसगढ़ में 2 परिचय सम्मेलन पूर्णतः निःशुल्क सन् 2017 और 2018 में आयोजित करवायें। इसमें युवाओं के साथ मिलकर बाबूजी ने रिश्तों को जोड़ने का काम किया।

बाबू जी कहते हैं...

अब तक सफर जारी है,
ना थका हूं, ना हारा हूं।
मंजिल अभी दूर है,
मेरी उड़ान बाकी है।

उम्र 92 वर्ष लेकिन उत्साह वही युवाओं वाला। अपनी दिनचर्या पूर्ण कर आज इस उम्र में भी वे अपने पुत्र के साथ फैक्ट्री पहुँच ही जाते हैं। उन्होंने समाज सहित कई सेवा संस्थाओं को जो योगदान दिया, वो मिसाल बन गया। यहाँ हम बात कर रहे हैं, अमरावती निवासी सेवापथ के भीष्म भाऊ साहब श्रीनिवास लड्ढा की।

सेवा पथ के भीष्म
श्रीनिवास लड्ढा

भाऊ साहब के नाम से अमरावती में जाने जाने वाले प्रतिष्ठित लड्ढा परिवार के वरिष्ठ या कहें पितामह 92 वर्षीय श्रीनिवास लड्ढा वास्तव में देखा जाये तो भीष्म की तरह ही समर्पित समाज सेवी हैं। आजीवन तो राष्ट्र, धर्म व समाज की सेवा में योगदान देते ही रहे और उम्र की इस वयो-वृद्धावस्था में भी आपका सेवा का कारवां सतत रूप से चल रहा है। 2 वर्ष पूर्व धर्मपत्नी श्रीमती गुलाबदेवी का देहावसान हो चुका है, लेकिन श्री लड्ढा के होंसले वही हैं। नित्य कर्म व पूजा पाठ से निवृत्त हो अभी भी वे बड़े बेटे ओमप्रकाश के साथ व्यंकटेश बालाजी के दर्शन कर फैक्ट्री पहुँच ही जाते हैं। खाली समय में धार्मिक ग्रन्थ पढ़ते हैं। समाज हो या उनसे संबंधित कोई सेवा संस्था उसमें उनकी उपस्थिति न हो ऐसा कभी होता नहीं।

विदर्भ के प्रथम कृषि स्नातक

सेठ श्रीनिवास लड्ढा का जन्म 13 जुलाई 1927 को अमरावती जिले के दाढ़ी पेढ़ी ग्राम में सेठ नारायण दास लड्ढा के यहाँ हुआ, लेकिन फिर सेठ माणकलाल लड्ढा के यहाँ गोद चले गये। विदर्भ के सम्भवतः आप पहले ऐसे व्यक्ति थे जिन्होंने कृषि में स्नातक की शिक्षा प्राप्त की। इसके बावजूद भी नौकरी न कर अपनी कृषि को ही समर्पित हो गये और उसका वैज्ञानिक पद्धति से चहुँमुखी विकास किया। जब कृषि सुव्यवस्थित स्थापित हो गई तो उसे भाइयों के सुपुर्द कर दाढ़ी से अमरावती आ गये और कॉटन व्यवसाय की शुरूआत की। शीघ्र ही कॉटन मर्चेन्ट एसोसिएशन के संस्थापक अध्यक्ष बने। इसके पश्चात् जिनिंग प्रेसिंग फैक्ट्री खरीदकर उद्योग जगत में सफलता के कदम बढ़ाते चले गये। वर्तमान में उनका यह उद्योग-व्यवसाय विशाल वट वृक्ष का रूप ले चुका है, जिसे उनके पुत्र सम्भाल रहे हैं।

पैतृक रूप से मिली सेवा भावना

श्री लड्ढा को मानवता की सेवा की भावना पैतृक रूप से प्राप्त हुई। आपका परिवार मूल रूप से जोधपुर (राज.) के कलावस बिरई गाँव का निवासी है। आपके पूर्वज सेठ श्री नंदराम जी वहाँ से अमरावती जिले के ग्राम दाढ़ी सन् 1845 में आये थे। उनके पुत्र शिवनाथ व गंगाराम थे, जो क्षेत्र के कुशल व्यवसायी थे। उन्होंने पांच गाँवों की मालगुजारी खरीदी व जिनिंग फैक्ट्री प्रारम्भ की थी। उन्होंने श्री शिवनाथ एज्युकेशन ट्रस्ट की शुरूआत की थी जो 99 वर्षों से आज भी कार्यरत है। उनके सुपुत्र थे, आपके पिता सेठ श्री मानकलाल व श्री नारायणदास। उनका परिवार लम्बे समय से अपने गाँवो में धर्मार्थ आयुर्वेदिक औषधालय का संचालन कर रहा है तथा त्योहारों पर जरूरतमंदों को वस्त्र व मिठाई का वितरण किया जाता रहा है।

सेवा के वृहद आयाम

भाऊ साहब कई संस्थाओं से सम्बद्ध रहे और अपनी तन-मन-धन से सेवा दी। आप लॉयन्स क्लब ऑफ अमरावती के चार्टर अध्यक्ष रहे, साथ ही ख्यात नेत्र विशेषज्ञ के साथ मिलकर नेत्रदान संस्था बनाई जिसके संस्थापक अध्यक्ष हैं। आपातकाल के दौरान विश्व हिन्दू परिषद के 6 वर्ष तक अध्यक्ष रहे। श्री माहेश्वरी पंचायत अमरावती के उपाध्यक्ष रहे और श्री महेश भवन एवं तिरूपति बालाजी मंदिर के निर्माण में भी योगदान दिया। श्री गणेशदास राठी छात्रालय समिति के दो सत्र तक अध्यक्ष रहे। श्री ब्रजलाल बियानी शिक्षा समिति से 34 वर्षों से संस्थापक सदस्य के रूप में सम्बद्ध हैं। बियानी शिक्षा समिति में 6 वर्ष उपाध्यक्ष व 7 वर्ष अध्यक्ष तथा नारायण दास लड्ढा हाईस्कूल अमरावती के संचालन समिति अध्यक्ष रहे। विदर्भ प्रादेशिक सभा के 9 वर्ष तक संस्थापक अध्यक्ष, विदर्भ प्रादेशिक महेश कोष के 20 वर्ष संस्थापक अध्यक्ष, राजस्थानी हितकारक मंडल के 16 वर्षों तक सदस्य व अध्यक्ष रहे। अ.भा. माहेश्वरी महासभा में 24 वर्षों तक कार्यकारिणी सदस्य तथा 6 वर्ष कार्यसमिति सदस्य रहे। इसके साथ ही कई संस्थाओं व आयोजनो में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

साहित्य जगत में उनकी पहचान एक ऐसे कलम के क्रांतिकारी के रूप में है, जो समाज में व्याप्त विद्रुपताओं का दमन कर नया ओर लाना चाहते हैं। एक प्रतिष्ठित शिक्षा विद् भी रहे। उनकी सेवा की यात्रा उम्र के 70वें पड़ाव पर भी अनवरत जारी है। हम यहाँ बात कर रहे हैं, जोधपुर के वरिष्ठ शिक्षा विद् व शशिकुमार बिड़ला की।

कलम के क्रान्तिकारी
शशिकुमार बिड़ला

5 जून 1949 को जन्में शशिकुमार बिड़ला जोधपुर शहर व शिक्षा जगत में एक जाना पहचाना चेहरा हैं। आप स्वयं के परिवार द्वारा स्थापित विभिन्न विद्यालयों के प्रबंधक तो है ही, स्वयं शिक्षक एवं प्रिंसीपल भी रहे हैं। शिक्षक के रूप में आपकी ख्याति इतनी अधिक है कि वे आज भी अपने शिष्यों द्वारा गरिमा से याद किये जाते हैं।

समाज सेवा को भी समर्पित

शैक्षिक जगत के अतिरिक्त अनेक सामाजिक गतिविधियों से जुड़े हैं। भारत विकास परिषद के स्थानीय अध्यक्ष एवं इसकी सेन्ट्रल बॉडी तक में नाम दर्ज किया है। अनेक गौशालाओं के संरक्षक हैं एवं शहर में व्यक्तिगत प्रयासों से अनेक पारिवारिक परिवेदनाओं को सुलझाया है। मातृशक्ति को विशेष सम्मान देते हुए वे अनेक विशिष्ट प्रतिभावन महिलाओं को मातृशक्ति अवार्ड दे चुके हैं। आपको 'भारत विकास रत्न' से सम्मानित किया गया है। अभी आप राजस्थान पश्चिम प्रान्त के संरक्षक की जिम्मेदारी निभा रहे हैं। इसी प्रकार माहेश्वरी पश्चिम समाज में आपको 'समाज गौरव' से भी सम्मानित किया है। आपने आज तक 40 महिलाओं को 'मातृशक्ति अवार्ड' से सम्मानित किया है।

लेखनी से सुधार का प्रयास

साहित्य सृजन में श्री बिड़ला समाज में व्याप्त कुरूतियों पर सीधे प्रहार करते हैं। साहित्य-लेखन उनकी विशिष्ट अभिरूचि है एवं उनकी दो पुस्तकों सिसकती जिंदगी एंव मरहम (काव्य संग्रह) तथा जिसकी तलाश थी (कथा-संग्रह) की साहित्यिक हलकों में अच्छी चर्चा हुई है। उन्हें समाज-गौरव, भारत विकास रत्न सहित अनेक सम्मानों से नवाजा जा चुका है। उनकी भाव विभोर चौपाल की शहर भर में चर्चा है, इस चौपाल का उद्देश्य परिवारजनों की प्रतिभा का रेचन, उनकी समस्याओं का समाधान एवं उनके आनंद का मार्ग प्रशस्त करना है।

सादर आमंत्रण

श्री महेश सामाजिक पारमार्थिक संस्था इंदौर द्वारा

अखिल भारतीय माहेश्वरी विवाह योग्य
युवक-युवती हाईटेक, सामान्य एवं विशिष्ट परिचय सम्मेलन

11, 12 एवं 13 अक्टूबर 2019

दस्तूर गार्डन, फूटी कोठी चौराहा, रिंग रोड, स्कीम नं. 71, इंदौर

पंजीयन शुल्क 1500 रु/-

आवास (प्रति यूनिट) 1000 रु/-
पहले आवें पहले पावें

पंजीयन के पश्चात प्रत्याशी एवं अभिभावक का चाय, नाश्ता, भोजन एवं हाई-टी निःशुल्क

Bank Details :
A/c. Name Shri Mahesh Samajik Parmarthik Sanstha, Indore
HDFC Bank, Gumashta Nagar Branch, Indore
A/c. No. 50100276343950 IFSC Code : HDFC0009412

Union Bank of India, Siyaganj Branch, Indore
A/c. No. 326201010038918 IFSC Code : UBIN0532622

विस्तृत जानकारी के लिए सम्पर्क करें –

श्री महेश सामाजिक पारमार्थिक संस्था, इंदौर
श्री माहेश्वरी बोरवेल, 13, रत्नदीप टॉवर, नवलखा बस स्टैंड, इंदौर
मो.94250-52183, 98272-34033, 94250-57957, 98260-13164
Email : shrimaheshsamajiksanstha@gmail.com www. shrimaheshsamajiksanstha.com

रेलवे कर्मचारियों के बीच कोटा निवासी 81 वर्षीय रामकृष्ण बल्दुआ की पहचान एक ऐसे मसीहा के रूप में है, जो उनके हक के लिये संघर्ष हेतु हमेशा खड़े रहे हैं। इतना ही नहीं उन्होंने तो कोटा की गरीब बस्ती के बच्चें को उच्च शिक्षित बनाने तक का बीड़ा उठा लिया। उम्र के इस पड़ाव पर भी श्री बल्दुआ की यह सेवा यात्रा इसी तरह अनवरत जारी है।

रेलवे कर्मचारियों के मसीहा
रामकृष्ण बल्दुआ

वेस्ट सेंट्रल रेलवे कोटा मंडल के सेवानिवृत्त कर्मचारियों को जब किसी भी विभागीय परेशानी का सामना करना पड़ता है, तो उनके लिये रामकृष्ण बल्दुआ मसीहा की तरह मौजूद रहते हैं। वर्ष 1993 में रेलवे से सेवा निवृत्त होने के बाद रेलकर्मी सेवानिवृत्त फैडरेशन के अध्यक्ष 25 वर्षों से लगातार हैं। फैडरेशन से बुजुर्ग कर्मचारियों को मुफ्त चिकित्सा सुविधाऐं, वाचनालय, सेवानिवृत्त के बाद मिलने वाले अधिकार, पेंशन समस्याओं के निराकरण आदि कार्य अपनी पूरी संगठित टीम के साथ कर रहे हैं।

माहेश्वरी समाज, कोटा, आर्यसमाज, कोच, पेंशनर सोसायटी, राजस्थान स्थानीय सांसद विधायकों से इस सेवा हेतु विभिन्न मंचों से विभिन्न अवसरों पर सम्मानित किया है।

सेवारत रहते भी किया कर्मचारियों के लिये संघर्ष

वर्तमान में रेल्वे हाऊसिंग सोसायटी, माल रोड, कोटा में निवासरत श्री बल्दुआ रेलवे में सेक्शन इंजीनियर थे और वर्ष 1993 में इस पद से सेवानिवृत्त हुए। सेवारत रहते हुए वे वेस्ट सेंट्रल रेलवे मजदूर संघ कोटा मंडल के अध्यक्ष रहे। इस दौरान उन्होंने पूरे कोटा मंडल के रेलवे कर्मचारियों व मजदूरों की वर्षों तक सेवा की तथा उनके अधिकार के लिये सतत संघर्ष किया। श्री बल्दुआ की इस सेवाओं को संगठन आज भी याद करता है।

गरीब बच्चों की शिक्षा की जिम्मेदारी

सेवा निवृत्ति के पश्चात् श्री बल्दुआ समाज सेवा से भी सम्बद्ध हो गये। उनकी इस सेवा भावना को साकार करने में आर्य समाज रेलवे कॉलोनी कोटा भी सहयोगी बना। श्री बल्दुआ इस संगठन के मंत्री रहे। इस दौरान उन्होंने क्षेत्र की गरीब बस्तियों के बच्चों को देखा तो उनके मन में उन्हें शिक्षित करने का जज्बा जगा। इसके लिये आर्य समाज के माध्यम से शिक्षा समिति की स्थापना कर क्षेत्र में स्कूल व कॉलेज खुलवायें। इनमें पढ़ने वाले बच्चों को वर्षों तक निःशुल्क शिक्षा, पुस्तकें एवं गणवेश उपलब्ध करवाये। इन बच्चों में बड़ी संख्या में गरीब मुस्लिम बच्चे भी शामिल थे।

आर्थिक परेशानियों में क्या स्थिति निर्मित होती है, इन्हें सिर्फ वही जानता है, जो उन विषम स्थितियों से गुजरा हो। भूखे सोना और बिना इलाज के मर जाना सिर्फ कहानी नहीं होती, बल्कि ऐसे लोगों की हकीकत है। ऐसे ही परिवारों के मददगार बन उनकी सेवा कर रहे हैं, भीलवाड़ा के निवासी 70 वर्षीय रामकुमार जागेटिया।

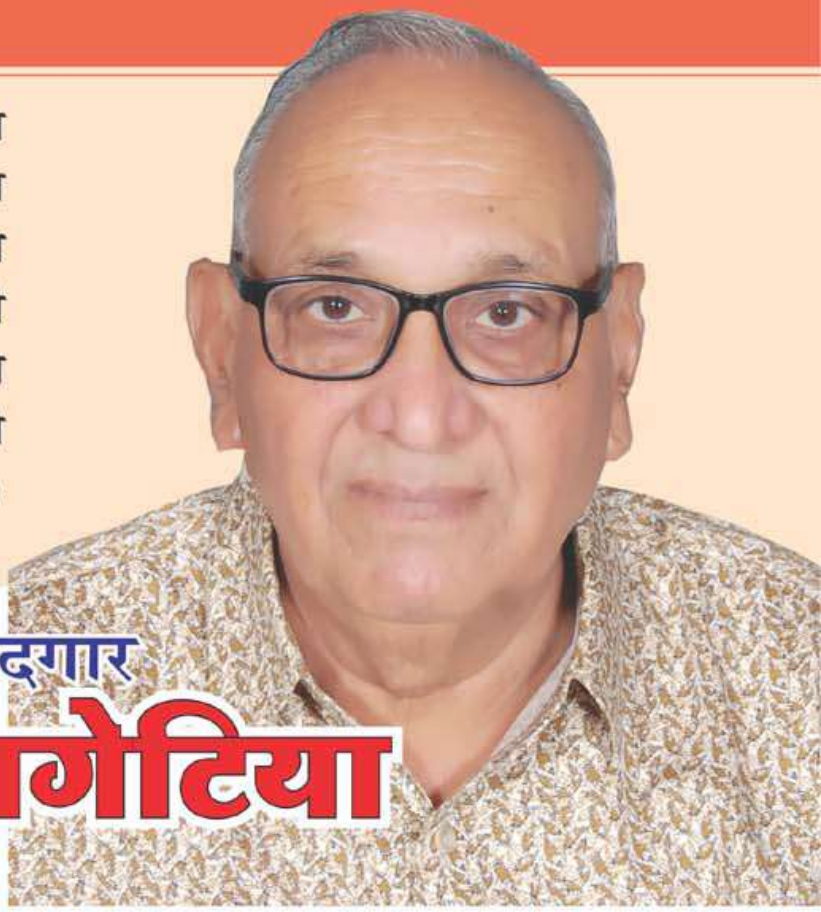

कमजोर परिवारों के मददगार
रामकुमार जागेटिया

राजस्थान के आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के लिये भीलवाड़ा निवासी रामकुमार जागेटिया किसी मसीहा से कम नहीं हैं। आखिर हों भी क्यों न, उन्होंनें विभिन्न संस्थाओं के माध्यम से वह कर दिखाया, जो उनके लिये कोई नहीं कर सकता था। अब उनकी संस्थाओं से सम्बद्ध माहेश्वरी कार्डधारी गरीब परिवारों को न तो भूखे सोना पड़ता है और न ही ईलाज या शिक्षा के बिना रहना। अब तो उनकी संस्थाओं ने उनके आवास के लिये भी योजनायें तैयार की हैं।

बैंक से ही चला सेवा का कारवां

श्री जागेटिया बैंक में सेवारत थे। इस दौरान वे गरीबों के ऋण प्रकरण प्राथमिकता से निबटाते थे। इससे उन्हें एक अलग ही प्रसन्नता मिलती। फिर 10 वर्ष पूर्व सेवानिवृत्त हुए तो कुछ कमी लग रही थी, लेकिन अनायास चैन्नई में श्री आदित्य विक्रम बिरला व्यापार सहयोग केन्द्र की बैठक में जाने का अवसर मिला, तो उन्हें भी इस तरह गरीबों के लिये कुछ करने की प्रेरणा मिल गई। फिर क्या था, संगी-साथी मिले और सेवा का कारवां चल पड़ा। वर्तमान में श्री जागेटिया ग्रामीण माहेश्वरी सेवा संस्थान, माहेश्वरी सहयोग संस्था, श्री बालक छात्रावास संस्था, माहेश्वरी अतिथि गृह, आनंद माहेश्वरी सहयोग संस्था, श्री माहेश्वरी अपना संस्था आदि से सम्बद्ध है।

23 जिलों में सेवा जारी

भीलवाड़ा से प्रारम्भ उनकी संस्थाओं का सेवा का कारवां अब राजस्थान के 23 जिलों तक जा पहुंचा है। इसके अन्तर्गत आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों को माहेश्वरी कार्ड प्रदान किये जाते हैं। इसमें उन 144 परिवारों को 1 हजार रूपये प्रतिमाह की सहायता प्रदान की जा रही हैं। 44 परिवारों को वर्ष भर की आवश्यकता के लिये 10 हजार रूपये की राशि प्रदान की जा रही है। चिकित्सा सहायता से भी 100 परिवार सम्बद्ध हैं। बालक छात्रावास के माध्यम से ऐसे परिवारों के 20 बच्चों को निःशुल्क भोजन, आवास व वाहन की सुविधा प्रदान की जा रही है। गत 1 जुलाई से यह सुविधा समस्त 1 लाख रूपये वार्षिक से कम आय वाले परिवारों के लिये लागू कर दी गई हैं।

आत्मनिर्भर बनाने की भी कोशिश

उनकी आय वृद्धि के लिए व्यवसाय हेतु बैंक से ऋण उपलब्ध करना भी उनका लक्ष्य है। निजी आवास भी इन परिवारों की सबसे बड़ी समस्या होती है। प्रधानमंत्री आवास योजना में सहायता तो मिलती है, लेकिन तब जब बैंक ऋण दें। इसके लिये उन्हें जमानतदार नहीं मिलता। इसके लिये उनकी संस्था ने योजना तैयार की है। जिसमें ऐसे परिवारों के ऋण की जमानत तो संस्था देगी ही, साथ ही इसकी अंशपूंजी, स्टाम्प खर्च, बैंक प्रभार आदि को भी संस्था वहन करेगी। श्री जागेटिया का कहना है कि हमारा लक्ष्य ऐसे विद्यालय प्रारम्भ करना भी है, जहाँ सिर्फ माहेश्वरी विद्यार्थी पढ़े और माहेश्वरी शिक्षक ही पढ़ाऐं। इससे जातिगत संरचना सुरक्षित रहेगी।

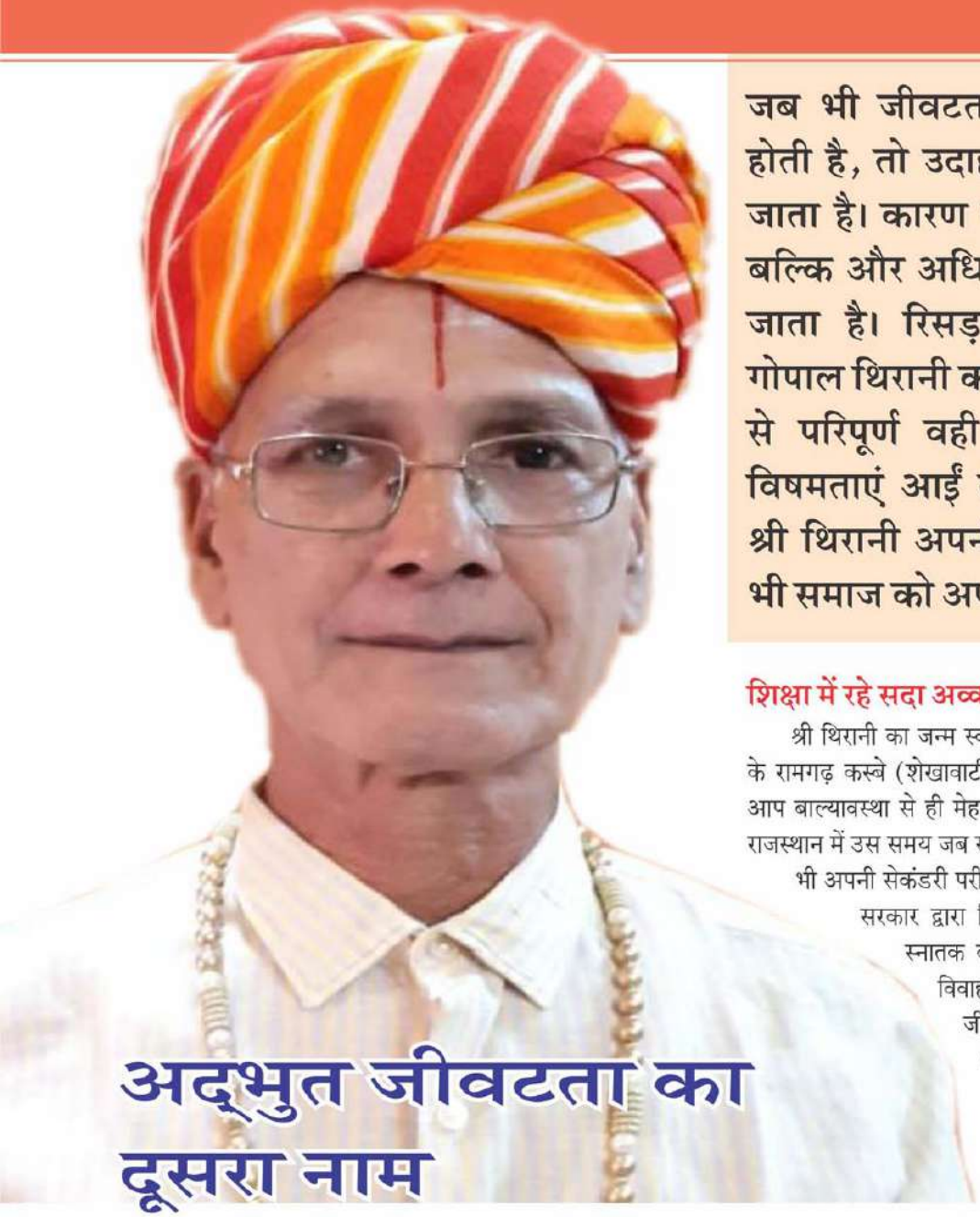

अद्भुत जीवटता का दूसरा नाम

श्रीगोपाल थिरानी

जब भी जीवटता अर्थात साहस की बात होती है, तो उदाहरण ''सिंह'' का ही दिया जाता है। कारण वह कभी हार नहीं मानता बल्कि और अधिक शक्ति से प्रयास में जुट जाता है। रिसड़ा (हुगली) निवासी श्री गोपाल थिरानी कर्म क्षेत्र में अद्भुत जीवटता से परिपूर्ण वही सिंह हैं, जिनके सामने विषमताएं आईं लेकिन नतमस्तक हो गईं। श्री थिरानी अपनी 76 वर्ष की अवस्था में भी समाज को अपनी समर्पित सेवा दे रहे हैं।

कोलकाता को अपनी व्यावसायिक कर्मभूमि बनाने वाले रिसड़ा (हुगली) निवासी श्रीगोपाल थिरानी स्थानीय समाज के लिए समाजसेवा का पर्याय बने हुए हैं। यदि यह कहें कि उम्र के इस पड़ाव पर श्री थिरानी ने रिसड़ा को अपनी सेवाभूमि बना लिया है, तो कोई अतिश्योक्ति नहीं होगी। कोई भी सामाजिक या धार्मिक गतिविधि हो उसमें जिस सक्रियता से श्री थिरानी अपना योगदान देते हैं, वह आज की युवा पीढ़ी के लिए प्रेरणास्पद ही है। श्री थिरानी स्थानीय माहेश्वरी भवन के निर्माण के दौर से ही उससे सम्बद्ध हैं और अपनी सेवा दे रहे हैं। वे महेश सेवा ट्रस्ट व श्री हरिसेवा ट्रस्ट के ट्रस्टी तथा रिसड़ा जागरण मंडल व रिसड़ा प्रभातफेरी परिवार के ट्रस्टी हैं। इसके साथ ही रिसड़ा मारवाड़ी समाज के अध्यक्ष रह चुके हैं। गत दिनों मारवाड़ी युवा मंच रिसड़ा द्वारा श्री थिरानी का उनकी सेवाओं के लिए 'समाज रत्न' से सम्मान किया गया।

शिक्षा में रहे सदा अव्वल

श्री थिरानी का जन्म स्व. श्री द्वारकाप्रसाद थिरानी के यहां राजस्थान के रामगढ़ कस्बे (शेखावाटी क्षेत्र) में 4 अगस्त 1943 को हुआ था। आप बाल्यावस्था से ही मेहनती एवं कुशाग्र बुद्धि के धनी रहे हैं। अतः राजस्थान में उस समय जब समाज में शिक्षा का विशेष महत्व नहीं था, तब भी अपनी सेकंडरी परीक्षा प्रथम श्रेणी से उत्तीर्ण की। फिर राजस्थान सरकार द्वारा शिष्यवृत्ति प्राप्त कर राजस्थान विवि से ही स्नातक कॉमर्स की डिग्री प्राप्त की। श्री थिरानी का विवाह लक्ष्मणगढ़ (सीकर) निवासी स्व. मंगलचंद जी डागा की सुपुत्री शकुंतला देवी के साथ हुआ था। आप की धर्मपत्नी भी आप ही की तरह धर्मपरायण, कुशल गृहिणी एवं मेहनती महिला थीं। 52 वर्ष के वैवाहिक जीवन में पूरा साथ देते हुए 2017 में उनका निधन हो गया। यह श्री थिरानी के लिए अत्यंत कष्टप्रद घटना थी, लेकिन उन्होंने सिंह की तरह हताश होने के बजाए अपने आपको समाज को समर्पित कर दिया।

व्यवसाय में असफलता से पाई सफलता की राह

आपने अपना व्यावसायिक सफर पंजाब के अबोहर शहर में एक साधारण नौकरी से शुरू किया था। उड़ीसा के झाड़सुगड़ा शहर में अपना पारिवारिक व्यवसाय स्थापित कर उसे जमाया, परंतु दुर्भाग्यवश एवं विपरीत परिस्थितियों के चलते वह व्यवसाय बंद कर उन्हें कोलकाता आना पड़ा। फिर भी हिम्मत हारे बिना अपनी कठिन मेहनत एवं सीमित पूंजी से पुनः अपना फिल्टर क्लॉथ ट्रेडिंग का व्यवसाय शुरू किया व धीरे-धीरे अपने निजी उद्योग की स्थापना की, जो सफलतापूर्वक चल रहा है। आपके सुपुत्र श्याम सुंदर एवं सुनील अपनी पढ़ाई के साथ-साथ पूरी मेहनत से व्यापार बढ़ाने में अपना सहयोग देते रहे। अब वे श्री थिरानी के साथ मिलकर अपने इस पैतृक व्यापार- उद्योग को संभाल रहे हैं।

सेलू माहेश्वरी समाज ही नहीं बल्कि यहां के हर आम व्यक्ति के बीच डॉ. नारायण लोहिया की विशिष्ट छवि है। सबकी नजर में वे एक कुशल चिकित्सक तो हैं ही, लेकिन साथ ही ऐसे समाजसेवी भी जिनके अंदर मानवता को समर्पित भावनाओं से परिपूर्ण हृदय धड़कता है।

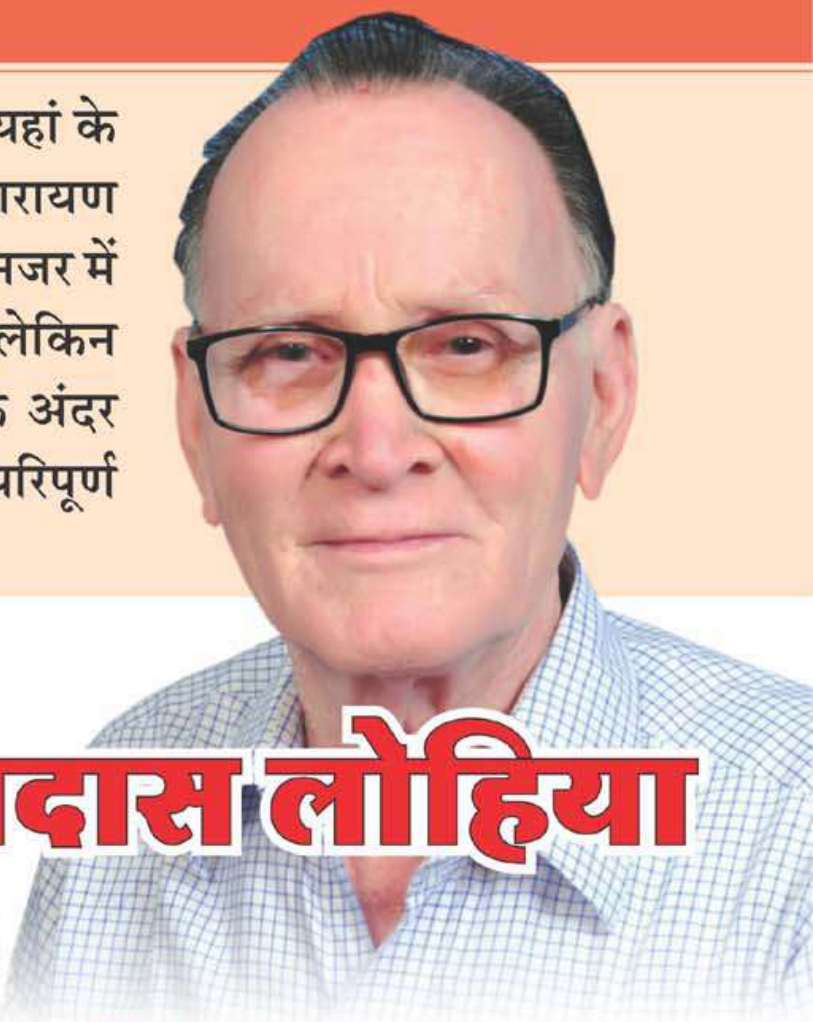

समाज सेवा के आदर्श
डॉ. नारायणदास लोहिया

सफलता का आधार है, सकारात्मक सोच और निरंतर प्रयास, इस ध्येय वाक्य का अनुसरण करने वाले व्यक्ति ही जीवन में सफल होते हैं। यही कारण है कि माहेश्वरी समाज का प्रतीक चिह्न भी सेवा, त्याग, सदाचार का प्रतीक है। इस बहुद्देशीय चिह्न को अपने जीवन में पूर्णतः स्वीकार करने वाले व्यक्तित्व हैं, डॉक्टर नारायणदास लोहिया। वैसे भी चिकित्सा सेवा प्रत्यक्ष रूप से समाजसेवा से जुडी हुई है एवं मानवता के दृष्टिकोण से इसका विशिष्ट स्थान है। बहुजन हिताय, बहुजन सुखाय की भावना से ओतप्रोत श्री लोहिया सामाजिक क्षेत्र में भी अत्यंत लोकप्रिय हैं। सादगी, सौम्यता, सदाशयता एवं सहायता आपके व्यक्तित्व के प्रच्छन्न गुण रहे हैं। आमतौर पर माना जाता है कि धन की वृद्धि के साथ-साथ सरलता कम होती चली जाती है, पर ऐसा नहीं है, इसी का उदाहरण हैं डॉ. नारायणदास लोहिया। इतनी सरलता, सादगीपूर्ण जीवन व्यतीत करते हुए परिवार में एवं अनेकों रिश्तेदारों की पढ़ाई एवं उच्च शिक्षा हेतु स्वयं व धर्मपत्नी पुष्पादेवी लोहिया के साथ दोनों प्रयत्नशील हैं तथा सभी को भरपूर सहयोग देकर जीवन में सफलता अर्जित करने हेतु सदैव तत्पर रहे।

संघर्षों से जीवन की शुरुआत

डॉ. लोहिया का जन्म 16 नवंबर 1946 को पिपलोद में हुआ। पिता श्री केवलचंद लोहिया एवं माता श्रीमती राधाबाई लोहिया की वे तीसरी संतान थे। संयुक्त परिवार में पले बढ़े। गांव में प्राथमिक शिक्षा प्राप्त करने के साथ-साथ वह अपने पिता तथा काका के व्यवसाय में भी सहायता करते थे। आपका समग्र जीवन संघर्ष, साहस, सहिष्णुता एवं संवेदना से संपूरित रहा। अल्पायु में ही माता-पिता के स्नेह से भी वंचित होना पड़ा। काकाजी श्री मोहनलाल लोहिया एवं काकीजी श्रीमती जेठाबाई के स्नेह व मार्गदर्शन में इन्होंने अपनी मीडिल स्कूल की पढ़ाई पूर्ण की।

परेशानियों से हार न मानी

आपने चिकित्सा क्षेत्र की शिक्षा अकोला से अर्जित की। कुछ वर्षों बाद पिपलोद से सेलू घोराड सपरिवार स्थायी हो गए। परिवार की आर्थिक स्थिति कमजोर होने तथा अनेक परेशानियों के बावजूद आपने हिम्मत नहीं हारी तथा अथक परिश्रम, मेहनत व ईमानदारी के बल पर आप चिकित्सा के क्षेत्र में सतत आगे बढ़ते गए। वर्तमान में इसमें आपकी विशिष्ट पहचान है। लोहिया दंपति ने प्रेरणा, सूझबुझ एवं प्रयास से आर्थिक दृष्टि से कमजोर व्यक्तियों को आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्यों में हमेशा ही तत्परता दिखाई दी। ''बूंद-बूंद से मिलकर ही सागर बनता है। अपने लिये तो सभी जीते हैं पर जो दूसरों के लिए जीता है, वस्तुतः उसी का जीना सार्थक है।'' यही उनके जीवन का धयेय है। आपके सुपुत्र डॉ. विनोद एवं डॉ. सोहन आपके ही पदचिह्नों पर अग्रसर होते हुए नेत्र चिकित्सा क्षेत्र में सेवाएं प्रदान कर रहे हैं। भाई गोपालदास एवं भतीजे आशीष लोहिया तकनीकी ज्ञान से कृषि व्यवसाय में नित नई ऊचाइयां हासिल कर रहे हैं। डॉ. लोहिया व श्रीमती लोहिया दोनों ही समाजसेवा में भी समर्पित हैं।

कहते हैं कि नर सेवा ही नारायण सेवा है। इसी ध्येय वाक्य को अपने जीवन का आधार बनाकर जरूरतमंद लोगों की सेवा में जुटे हुए हैं, महाराष्ट्र अमरावती के समीपस्थ ग्राम पोही के वरिष्ठ समाजसेवी घनश्याम कासट। माहेश्वरी समाज द्वारा प्रारम्भ माहेश्वरी आधार समिति के शुभारम्भ का श्रेय भी श्री कासट को ही जाता है।

पीड़ित मानवता के पुजारी

घनश्यामदास कासट

अमरावती (पोही, महाराष्ट्र) के प्रतिष्ठित श्री हीरालाल कासट के सुपुत्र घनश्यामदास कासट की विशिष्ट पहचान ही धर्मनिष्ठ समाजसेवी के रूप में है। आप कई वर्षों से अमरावती के सभी वृद्धाश्रमों में सेवाभाव से वृद्ध लोगों की सेवा करते आ रहे हैं। सामाजिक एवं धार्मिक कार्यक्रमों का भी आयोजन प्रतिवर्ष कर रहे हैं। मूकबधिर एवं अंधजनों की संस्थाओं में सक्रिय योगदान देते आ रहे है। दृष्टिहीनों का सामूहिक विवाह भी 3 बार करवा चुके हैं। विवाह में प्रोसेशन तथा उनकी जरूरत की सामग्री भी प्रदान स्वयं करते हैं। इन्हीं योगदानों के लिये इन्हें 2017 में संस्था राष्ट्रीय दृष्टिहीन महाराष्ट्र की ओर से संघ मित्र सम्मान, दृष्टी पुरूस्कार से आलंदी (पूना), महाराष्ट्र राज्य के अपंग कल्याण आयुक्त नितिन पाटील द्वारा संस्था के प्रतीक चिन्ह, शाल, श्रीफल व 11000 रू. सम्मान निधि के साथ सम्मानित किया गया। वर्ष 2020 में भी दृष्टिहीनों को सामूहिक विवाह करवाना उनका लक्ष्य है।

जरूरतमंद समाजजनों के लिये आधार

माहेश्वरी समाज के करीबन 10 प्रतिशत ऐसे परिवार है, जो अपना जीवन व्यापन बहुत ही आर्थिक कठिनाई से कर रहे हैं। इनकी सहायता के लक्ष्य को लेकर वर्ष 2014 में माहेश्वरी आधार समिति की स्थापना की। समाज के 175 सेवाभावी समाज जनों से सहयोग लेकर यह कार्य शुरू किया। आज संस्था की लगभग 50 लाख रूपये की पूंजी फिक्स डिपॉजिट है, जिसके ब्याज से उनको सहयोग प्रदान किया जाता है। अस्पताल में भरती होने पर तथा उनके परिवार में किसी की मृत्यु होने पर उन्हें तुरन्त सहायता प्रदान की जाती है। इसी प्रकार माहेश्वरी आधार समिति के शुभारंभ से आज तक करीब 20 लाख रू. का योगदान तो उनका व्यक्तिगत ही है। वर्ष 2019 में उन्होंने हिराका (हीरालालजी रामजीवनी बाई कासट) पेंशन तथा औषधोपचार योजना का शुभारंभ किया। इस योजना का शुभारंभ अखिल भारतीय माहेश्वरी महासभा के अध्यक्ष श्यामसुंदर सोनी के करकमलों द्वारा जिला अधिकारी नवाल की उपस्थिति में हुआ।

वरिष्ठों को करवाई तीर्थ यात्रा

श्री कासट वर्ष 2011 से 2014 तक माहेश्वरी वरिष्ठ नागरिक अमरावती सभा के अध्यक्ष रह चुके हैं। वरिष्ठों को सभा से संबंधित कई दर्शनीय यात्रा इस कार्यकाल में करवायी। अभी तक उन्होनें वरिष्ठजनों को 8-10 यात्रायें कम से कम खर्च में उत्तम व्यवस्था देने के प्रयास के साथ करवायी। 2019 वर्ष का शुभारंभ अमरावती के इतिहास में दर्ज हो चुका है। इसमें पहली बार वृद्धाश्रम में 17 वृद्धजनों का अमृत महोत्सव मनाकर उनको जरूरत की सभी सामग्री प्रदानी की गई। अक्टूबर 2019 में मातोश्री वृद्धाश्रम में अमृत महोत्सव मनाने का लक्ष्य है। ऐसे आयोजनों के पीछे उनका लक्ष्य वरिष्ठजनों में सम्मान व अपनत्व की भावना पैदा करना है। कई ऐसे वरिष्ठ हैं, जिन्होंने अपना जन्मदिवस तक नहीं मनाया। जब उनका अमृत महोत्सव मनता है, तो वे भाव विभोर हो जाते हैं।

गौमाता के साथ आध्यात्म सेवा

श्री कासट के प्रयासों से 1 अप्रैल 2019 में गौ सेवा का आयोजन कर अमरावती के गौशालाओं में चारा भेजवाया गया। इस कार्यक्रम का शुभारंभ इंदौर की ख्यात गायिका शीला जाजू ने भजन "एक शाम गौ सेवा के नाम" की प्रस्तुति देकर किया। इनके परिवार में खुद की गौशाला प्राकृतिक एवं दर्शनीय स्थल पर हैं। जहाँ गौरक्षा के उद्देश्य से 70-75 गायों का पालन किया जाता है। अमरावती माहेश्वरी समाज के राधाकृष्ण मंदिर में अनेक शास्वत योजनाओं का शुभारम्भ किया, जिससे मंदिर के उत्सव तथा नित्य पूजा में समाज बंधुओं के सहयोग से सेवा हो सके। 2018 में निराधार जरूरतमंद जनों के लिए श्रीमद्भागवत कथा का विशेष आयोजन नाममात्र शुल्क लेकर शुरू किया। इसमें अभी तक 115 परिवार भागवत कथा करवाने का लाभ ले चुके हैं। भागवत कथा एतिहासिक धूमधाम एवं विधिविधान से संपन्न होती हैं। आप के सभी कार्यक्रमों से श्री कासट अपने मित्र परिवार तथा सेवाभावी समाज बंधुओं को साथ में लेकर चलते हैं। उनकी पत्नी पुष्पादेवी, पुत्र राजेशकुमार एवं विपिनकुमार तथा उनकी पुत्रवधू अर्चना एवं कंचन भी इनका साथ देती हैं।

चिकित्सा क्षेत्र वास्तव में समाज सेवा ही है, बशर्ते कि चिकित्सक शुद्ध व्यावसायिक न हो। आज के दौर के चिकित्सकों को इन्हीं आदर्शों पर चलकर मानवता की सेवा की राह दिखा रहे हैं, अमरावती निवासी 66 वर्षीय वरिष्ठ होम्योपैथी चिकित्सक डॉ. रामगोपाल तापड़िया।

होम्योपैथी से मानवता की सेवा

डॉ. रामगोपाल तापड़िया

अमरावती क्षेत्र ही नहीं बल्कि माहेश्वरी समाज के लिये भी डॉ. रामगोपाल धनराज जी तापड़िया चिकित्सक से अधिक समाज सेवी हैं। डॉ. तापड़िया ने चिकित्सा की विद्या होम्योपैथी में डी.एच.बी., डी.एच.एम.एस. तथा एम.डी. तक उच्च विशेषज्ञता प्राप्त की है। इसके बावजूद अपने चिकित्सकीय ज्ञान को शुद्ध व्यवसाय नहीं बनाया बल्कि मानवता की सेवा में भी समर्पित किया। इसी का उदाहरण यह है कि जब स्वाईन फ्लू तेजी से फैल रहा था, ऐसे में उन्होंने स्कूलों और चौराहों पर इस रोग की रोकथाम के लिये दवा का निःशुल्क वितरण किया। डॉ. तापड़िया की उपलब्धि ही कही जा सकती है कि उन्होनें जिन्हें भी दवा दी वे इस बीमारी से बिल्कुल भी प्रभावित नहीं हुए। भारतीय जैन संगठन व महाविद्यालय के सहयोग से विशेषज्ञों द्वारा प्लास्टिक सर्जरी शिविर तथा मोतियाबिंद आपरेशन शिविर का निःशुल्क आयोजन भी कर चुके है।

विद्यार्थियों के लिये चिकित्सा गुरु

होम्योपैथी में चिकित्सा शिक्षा प्राप्त कर रहे विद्यार्थियों के लिये डॉ. तापड़िया विशेषज्ञ चिकित्सा गुरू हैं। डॉ. तापड़िया ने वर्ष 1973 से इस पद्धति से चिकित्सा की शुरूआत की थी। फिर वर्ष 1975 से 2013 तक स्थानीय होम्योपैथी चिकित्सालय में प्राध्यापक के रूप में सेवा दी। वर्ष 1979 से 2013 तक प्राचार्य भी रहे। इसी बीच 1997 से 2010 तक संत गाडगे बाबा अमरावती विश्वविद्यालय के सर्वप्रथम बोर्ड ऑफ स्टडीज के अध्यक्ष रहे। वर्ष 1998 से 2008 तक केन्द्रीय होम्योपैथी परिषद नई दिल्ली की रेगुलेशन समिति के अध्यक्ष रहे। वर्ष 1997 से 2010 तक संत गाडगेबाबा अमरावती वि.वि. के एकेडमी कौंसिल एवं फैकल्टी ऑफ मेडिसिन पद पर रहे। वर्ष 2014 से डॉ. तापड़िया औरंगाबाद के होम्योपैथी महाविद्यालय को एम.डी. व पीएच.डी. के संचालक पद पर सेवा दे रहे हैं।

समाज सेवा में सतत समर्पित

डॉ. तापड़िया बिना किसी पद-प्रतिष्ठा की लालसा के निःस्वार्थ भाव से समाजसेवा को समर्पित हैं। समाज में माहेश्वरी पंचायत, महेश सेवा समिति, महेश नवमी उत्सव एवं माहेश्वरी वरिष्ठ नागरिक सम्मेलन में उपस्थित रहकर वे अपनी तमाम व्यस्तता के बावजूद सेवा दे रहे हैं। समाजजनों को चिकित्सा के लिये उचित मार्गदर्शन देना और घर जाकर भी समाजजनों की न सिर्फ चिकित्सा करना बल्कि उनकी दैनिक आवश्यकताओं में भी सहयोग करना उनकी दिनचर्या है। गणेश विहार सहकारी हाउसिंग सोसायटी अध्यक्ष के रूप में भी सेवा दे रहे हैं। शहर में मृत्यु उपरान्त देहदान का आंदोलन डॉ. तापड़िया ने ही प्रारम्भ किया था और इसके लिये एनाटॉमी एक्ट में महाविद्यालय का पंजीयन करवाया था। डॉ. तापड़िया की लिखी कई पुस्तके व शोध पत्र भी नव चिकित्सकों को मार्गदर्शित कर रहे हैं। उनके सुपुत्र डॉ. सारंग (एम.डी.) तथा पुत्रवधु डॉ. सोनाली (बी.एच.एम.एस., पी.जी.डी.पी.सी.) भी उनके पद्चिन्हों पर चलते हुए होम्योपैथी पद्धति से सेवा प्रदान कर रहे हैं।

सेवा ने दिलाया सम्मान

डॉ. तापड़िया 9 जनवरी 2006 को गुजरात के तत्कालीन राज्यपाल के हाथों देहदान कार्यकर्ता के रूप में अवार्ड से सम्मानित हुए। ख्यात अंतर्राष्ट्रीय चिकित्सक डॉ. राजन शंकरन के हाथों 16 दिसम्बर,2016 को महाराष्ट्र के सर्वाधिक रोगी देखने वाले होम्योपैथी चिकित्सक के रूप में सम्मानित हुए। स्व. डॉ. महेन्दसिंग मेमोरियल ट्रस्ट द्वारा 5 मार्च 2017 को लाईफ टाइम एचीवमेंट अवार्ड से सम्मानित किया गया। अ.भा. माहेश्वरी महासभा द्वारा 30 मार्च 2018 को विशिष्ट कार्यों के लिए उन्हें सम्मानित किया गया। महाराष्ट्र कौंसिल ऑफ होम्योपैथी मुम्बई द्वारा 4 मई 2019 को होम्योपैथी के जनक डॉ. हनिमन जीवन गौर अवार्ड से सम्मानित हुए।

समाज का चहुंमुखी विकास और उनके सुख-दु:ख में भागीदार बने रहने की चाह में भीलवाड़ा निवासी राधेश्याम सोमानी समाज की सेवा में ऐसे रमे कि समाज को ही अपना संपूर्ण जीवन समर्पित कर दिया। गत 30 वर्षों से जारी उनकी यह समाजसेवा उम्र के इस 70वें पड़ाव पर भी अनवरत जारी है और वह भी उसकी उत्साह के साथ।

जीवन किया समाज को समर्पित

राधेश्याम सोमानी

भीलवाड़ा ही नहीं बल्कि संपूर्ण राजस्थान प्रदेश के लिए राधेश्याम सोमानी एक ऐसा व्यक्तित्व हैं, जो समाजसेवा का पर्याय बन चुके हैं। श्री सोमानी उम्र के 70वें पड़ाव पर हैं, लेकिन प्रतिदिन 3 घंटे समाज के कार्यालय में बैठकर सतत् अपनी सेवा देते हैं। वर्ष 1989 में उनका प्रथम बार समाज संगठन से जुड़ाव हुआ तो वह ऐसा जो कभी खत्म नहीं हुआ। इस 30 वर्ष की अवधि में तो कई महत्वपूर्ण पदों की वे जिम्मेदारी निभा ही चुके हैं, वर्तमान में भी श्री बांगड़ माहेश्वरी मेडिकल वेलफेयर सोसायटी तथा राजस्थान महेश सेवा निधि भीलवाड़ा के मंत्री, श्रीकृष्ण जाजू स्मारक ट्रस्ट संयुक्त मंत्री तथा केंद्रीय चुनाव समिति अभा माहेश्वरी महासभा के सदस्य के रूप में सेवा दे रहे हैं।

बचपन में छूटा माता-पिता का साथ

श्री सोमानी का जन्म भीलवाड़ा तहसील के छोटे से गांव मंगरोप में 15 जुलाई 1949 को एक सामान्य परिवार में हुआ। जन्म के 1 वर्ष बाद माता एवं 11 वर्ष बाद पिताश्री का स्वर्गवास हो गया। बचपन से ही कड़ी मेहनत के आधार पर आगे बढ़े। बचपन दो बहनों स्व. श्रीमती जानकीदेवी एव स्व. श्रीमती शांतादेवी के सहयोग से बीता एवं उनके सहयोग से ही शिक्षा पूर्ण हुई। समाज संगठन से सर्वप्रथम बार 1989 में जुड़े एवं प्रथम बार 1999 में भीलवाड़ा ग्रामीण तहसील मंत्री बने। महासभा के पूर्व सभापति रामपाल सोनी एवं एम. नुवाल उनके मार्गदर्शक रहे। वर्ष 1989 व वर्ष 1992-96 में सामूहिक विवाह तथा 1997-2000 में परिचय सम्मेलन कार्यक्रम में कार्यालय की समस्त जिम्मेदारी सफलतापूर्वक संभाली। उसके उपरांत में वर्ष 2000 में राजस्थान प्रादेशिक सम्मेलन के संयोजक बने।

गांव-गांव में किया भ्रमण

2002 से 2009 तक भीलवाड़ा जिला माहेश्वरी सभा के मंत्री रहे। इस अवधि में प्रतिवर्ष सामूहिक विवाह व परिचय सम्मेलन आयोजित किए गए जिस में करीब 130 जोड़ों का विवाह संपन्न हुआ। वर्ष 2002-2009 की अवधि में श्री आदित्य विक्रम बिड़ला मेमोरियल सहयोग केंद्र से ऋण दिलाने हेतु गांव-गांव प्रवास कर आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों को सीए से निःशुल्क प्रोजेक्ट रिपोर्ट बनवाकर करीब 100 बंधुओं को ऋण प्रदान कराया। वर्ष 2007 में भीलवाड़ा में संपूर्ण अंतरराष्ट्रीय माहेश्वरी अधिवेशन में जिला मंत्री होने के नाते संपूर्ण कार्य की जिम्मेदारी संभाली।

योजनाओं का लाभ दिलाने में रहे आगे

सन् 2007 के सम्मेलन में समाजबंधुओं को उच्च तकनीकी शिक्षा हेतु सहयोग प्रदान करने के लिए श्री बद्रीलाल सोनी शिक्षा सहयोग केंद्र ट्रस्ट का निर्माण किया गया। इसके लिए गांव-गांव दौराकर शिक्षा की अलख जगाने कर कई छात्रों को उच्च शिक्षा हेतु तैयार किया गया। सन् 2009 में राजस्थान प्रादेशिक माहेश्वरी सभा मंत्री पद का दायित्व मिला। इसमें भी संपूर्ण भारत में प्रथम बार प्रदेश स्तर पर सीए-सीएस की कोचिंग हेतु 10 हजार रुपए की सहायता का प्रस्ताव तैयार कर करीब एक लाख रुपए की सहायता प्रदान की गई। इसके उपरांत इस प्रस्ताव को बद्रीलाल सोनी माहेश्वरी शिक्षा सहयोग केंद्र ने सहायता देना प्रारंभ कर दिया।

दक्षिण राजस्थान प्रदेशाध्यक्ष का पद भी संभाला

वर्ष 2014 में दक्षिण राजस्थान प्रादेशिक माहेश्वरी सभा के अध्यक्ष पद का दायित्व मिला। इस अवधि में शिक्षा का स्तर प्राथमिक कक्षाओं में सुदृढ़ हो, इसके लिए एक लाख से कम आय वाले परिवारों के बच्चों को प्राथमिक स्तर की शिक्षा के लिए 5 हजार रुपये प्रोत्साहन राशि दिया जाना स्वीकृत किया गया। इसके उपरांत पूर्व सभापति रामपाल सोनी के सान्निध्य में काम करने का अवसर मिला। इसमें श्री बांगड़ माहेश्वरी मेडिकल वेलफेयर सोसायटी में मंत्री पद का दायित्व प्रदान किया गया।

जैसलमेर (राजस्थान) में जन्में डॉ. हरिबल्लभ माहेश्वरी जैसल अपनी जन्म भूमि के नाम को रोशन करने वाले ऐसे इतिहासकार हैं, जिन्होंने न सिर्फ इतिहास बल्कि उसके प्रमाणों को संजोया है। इतिहास के प्रमाण जो भी उन्हें मिले पुस्तकें, डाकटिकट, सिक्के, फॉसिल्स, फोटोग्राफ आदि सभी उन्होने अपने दुर्लभ खजाने में संजो लिये। उनकी यह यात्रा उम्र के 72वें पढ़ाव पर भी उसी तरह अनवरत जारी है।

इतिहास के अनूठे संग्रहकर्ता
डॉ. हरिबल्लभ माहेश्वरी 'जैसल'

एक पत्रकार, लेखक, संग्रहकर्ता व इतिहासकार आदि कई पहचान रखने वाले चहुमुंखी प्रतिभा के धनी डॉ. हरिबल्लभ माहेश्वरी जैसल का जन्म देश की स्वतंत्रता के दिन 15 अगस्त 1947 को स्व. श्री गोविन्दलाल माहेश्वरी के यहाँ जैसलमेर (राजस्थान) में हुआ था। वर्तमान में वे ग्वालियर (म.प्र.) में निवासरत हैं। सिर्फ उपनाम ही बल्कि आवास में भी इनका जन्मभूमि के प्रति प्रेम छलकता है। यही कारण है कि उन्होंने अपने आवास को भी जैसलमेर हाऊस नाम दिया है। एम.ए., एल.एल.बी., पीएच.डी. तथा डी.लिट तक उच्च शिक्षित श्री जैसल की एक विशेषता यह भी है कि वे हिन्दी के साथ अंग्रेजी, जैसलमेरी, तमिल, गुजराती, उर्दू व संस्कृत आदि भाषाओं का ज्ञान भी रखते हैं।

इतिहास व संस्कृति को समर्पित लेखन

श्री जैसल का सम्पूर्ण जीवन ही इतिहास व संस्कृति को समर्पित है।

उन्होंने भारत में माहेश्वरी जाति का मानव शास्त्र की दृष्टि से विवेचनात्मक अध्यन पर आधारित पुस्तक "माहेश्वरी उत्पत्ति गाथा" की समाज को सौगात दी है। इसके साथ ही इतिहास पर आधारित उनकी पुस्तकों में ग्वालियर राज्य का इतिहास, ग्वालियर इतिहास-संस्कृति एवं पर्यटन, ग्वालियर राज्य के सिक्के, जैसलमेर पत्रकार की पत्रकार यात्रा, ग्वालियर टूरिस्ट गाइड आदि का लेखन किया है। श्री जैसल ने म.प्र. के साथ ही उत्तरप्रदेश व महाराष्ट्र के इतिहास, संस्कृति एवं पर्यटन की दृष्टि से महत्वपूर्ण कई प्रमुख ईमारतों व स्थलों का सूचीकरण का कार्य भी किया है। उन्होनें कई पुस्तकों के लिये आलेख भी लिखे हैं।

प्रमाणों से विपुल उनका खजाना

श्री जैसल के संग्रह में सन् 1947 से सन् 2016 तक के सभी डाकटिकट आदि का संग्रहित हैं, जिनका वे ग्वालियर की कलाविथिका में प्रदर्शन भी कर चुके हैं। इसी प्रकार उनके पास सन् 1947 से 2016 तक के भारत सरकार व रिजर्व बैंक द्वारा जारी समस्त सिक्के तथा नोट मौजूद हैं। वर्ष 2000 से अभी तक उनके पास स्वयं द्वारा खींचे हुए दुर्लभ 5 हजार फोटोग्राफ मौजूद हैं। जीव विज्ञान की भाषा में पुरातात्विक खोज के प्रमाण माने जाने वाले फॉसिल्स भी उनके संग्रह में मौजूद हैं। इतना ही नहीं इसमें ग्रामीणों तथा साधु-महात्माओं द्वारा उपयोग की गई 200 से अधिक चिलम भी उपलब्ध हैं। इनमें 5 मुंह वाली चिलम तक शामिल हैं।

कई प्रतिष्ठित संस्थाओं से सम्बद्ध

श्री जैसल हिन्दी राष्ट्रीय साप्ताहिक समाचार पत्र "पर्यटन टूडे" के प्रधान सम्पादक हैं। इसके साथ ही ग्वालियर न्युमिस्मेटिक एवं फिलेटलिक सोसायटी, माहेश्वरी मित्र मण्डल ग्वालियर, ग्वालियर

फोटोग्राफी क्लब के अध्यक्ष तथा हेरीटेज फाउण्डेशन व हेरीटेज टूर्स एण्ड ट्रेवल्स के निदेशक एवं भारतीय सांस्कृतिक निधि, मध्यप्रदेश अध्याय के संयोजक हैं। भारतीय सांस्कृतिक निधि, पर्यटन विकास समिति-ग्वालियर, मद्रास कॉइन सोसायटी चैन्नई, ऑटोग्राफ कलेक्टरर्स क्लब ऑफ इण्डिया-कलकत्ता, साउथ इण्डिया फिलेटलिक एसोसिएशन चैन्नई तथा न्यूमिसमेटिक सोसायटी ऑफ इण्डिया से सदस्य के रूप में सम्बद्ध हैं। भारतीय सांस्कृतिक निधि (इन्टैक), नई दिल्ली को भी कार्यकारिणी सदस्य के रूप में सेवा दे रहे है।

सेवा ने दिलाया सम्मान

श्री जैसल अपनी इतिहास को संजोने की इन सेवा के लिये कई संस्थाओं द्वारा सम्मानित हो चुकें हैं। इनमें जेसीज, तमिलनाडू फिलेटेलिक एसोएिशन, इम्पैक्स मद्रास कॉइन्स सोसायटी, डाक विभाग, कोटा मुद्रा संग्रह सोसायटी, जैन समाज, अ.भा. बीसानी फाउण्डेशन, अन्तर्राष्ट्रीय डाक टिकट प्रदर्शन आदि द्वारा विशिष्ट सम्मानों से सम्मानित हो चुकें है। आपके बारे में देश के लगभग हर इलेक्ट्रानिक व प्रिन्ट मीडिया ने कवरेज किया है।

समाज को भी दी सेवा

श्री जैसल की माहेश्वरी समाज ग्वालियर में आपकी सक्रिया भूमिका विगत 30 वर्षों से रही है। आपने माहेश्वरी बिरला नगर की अनेक गतिविधियों में अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया। माहेश्वरी मित्र मण्डल की स्थापना कर आपने विगत वर्षों से माहेश्वरी समाज ग्वालियर में समाज के निर्धन, असहाय, लोगों को समाज के लोगों के साथ मिलकर आर्थिक सहायता प्रदान की। अखिल भारतीय बीसानी (भट्टड़) नख के समस्त बीसानियों का डाटा बैंक तैयार कर व वंश वृक्ष के माध्यम से उन्हें वर्तमान में जोडने के कार्य में उनकी प्रमुख भूमिका रही।

बीसानी भाईयों के सक्रिय सहयोग से बीसानी फाउण्डेशन की स्थापना करवाई एवम् अखिल भारतीय बीसानी बन्धुओं का एकत्रित कर वर्ष 2017 में जैसलमेर में दो दिवसीय महासम्मेलन कराया। वर्ष 2017 के उपरान्त जानकारी में आए परिवारों को साथ में लेकर वर्ष 2019 में गोवर्धन में पुनः अखिल भारतीय बीसानी परिवारों का तीन दिवसीय परिचय सम्मेलन सक्रिय भूमिका सहित सम्पन्न कराया।

गंगटोक सिक्किम को अपनी कर्मभूमि बनाने वाले 76 वर्षीय रामचंद्र मूंधड़ा को राजस्थान शासन द्वारा उनकी सेवाओं के लिये भामाशाह के सम्मान से सम्मानित किया। वास्तव में देखा जाऐ तो वे ऐसे भामाशाह हैं जिन्होंने बिना किया सम्मान की लालसा से इतना कुछ किया जिसकी सूची उनके पास भी नहीं है। ▸▸ रमेश पेडिवाल

सिक्किम के भामाशाह
रामचंद्र मूंधड़ा

गंगटोक (सिक्किम) निवासी रामचंद्र मूंधड़ा अपनी इस कर्मभूमि के लिये जितने अपने हैं, उतने ही अपने मूल जन्मभूमि चूरू (राजस्थान) के भी। उन्होंने दोनों क्षेत्रों के विकास में योगदान देने में कोई कसर नहीं रख छोड़ी। यही कारण है कि उनका सम्मान दोहरा है। श्री मूंधड़ा का परिवार वैसे तो मूल रूप से चूरू (राज.) का निवासी है लेकिन लगभग सौ वर्ष पूर्व गंगटोक में व्यावसायिक कारणों से स्थापित हो गया था। रामचन्द्रजी मूंधड़ा माहेश्वरी समाज में एक जाने मने समाज सेवक है। सिक्किम में माहेश्वरी संगठन के एक सूत्रधार होने के साथ साथ ये एक संस्थापक सदस्य भी है। इनका जन्म राजस्थान के चूरू जिला के चुबकिया गांव में 2043 में हुआ था तथा पारिवारिक व्यवसाय हेतु सम्पूर्ण परिवार भारत के अलग अलग जगहों पर विस्थापित हो गया था।

सेवा ने दिलाया सम्मान

सन 2007 में श्री मूंधड़ा को समाज सेवा के लिए गंगटोक मारवाड़ी समाज ने सम्मानित किया और 2008 में इन्होंने अपने पैतृक गांव में एक लड़कियों का विद्यालय का निर्माण कराया जिसके लिए राजस्थान सरकार ने उन्हें भामाशाह पुरस्कार से सम्मानित किया। साल 2013 में सिक्किम माहेश्वरी सभा ने समाज में उत्कृष्ट सेवा के लिए सम्मानित किया और 2018 में मारवाड़ी युवा मंच ने इनके सामाजिक कार्यों के लिए पुरस्कृत किया।

गंगटोक शहर में श्री मुंधड़ा के नेतृत्व में एक भव्य शिव मंदिर का निर्माण हुआ जिसमे इन्होंने बड़ा आर्थिक योगदान किया। इसके अलावा भी शहर की बहुत से सामाजिक संस्थाओं से श्री मुन्द्राजी का योगदान हमेशा रहता है। वर्तमान में फिर से अपने पैतृक गांव में एक धर्मशाला का निर्माण भी इनके नेतृत्व में अंतिम चरणों में है। आज 76 वर्ष के आयु में भी ये समाज कार्य में सक्रीय है।

॥ जय महेश ॥

विजयादशमी एवं दीप पर्व पर सभी समाज बन्धुओं को
हार्दिक शुभकामनाएँ एवं बधाई

श्री माहेश्वरी सभा महिला मण्डल, उज्जैन
गोलामंडी, उज्जैन (म.प्र.)

श्रीमती हेमलता गाँधी
अध्यक्ष

श्रीमती संध्या हेडा
कोषाध्यक्ष

श्रीमती मनोरमा मंडोवरा
सचिव

श्रीमती पुष्पा मंत्री
पूर्व अध्यक्ष

श्रीमती आशा तोतला
उपाध्यक्ष

सीमा परवाल
सह-सचिव

ज्योति राठी सांस्कृति
सांस्कृतिक सचिव

सीतादेवी तोषनीवाल चेरिटेबल ट्रस्ट

ट्रस्टी

नेमीचन्द तोषनीवाल

पूर्व अध्यक्ष

वृहत्तर कलकत्ता प्रादेशिक माहेश्वरी सभा

मदनगोपाल माहेश्वरी

विष्णुगोपाल तोषनीवाल

57-एल, बालीगंज सर्कुलर रोड, कोलकाता-700019

फोन- (नि.) 033-24614925, (कार्या.) 22682676

मो. 094332-77426

जोधपुर निवासी प्रेरणा राठी कथक के क्षेत्र में उस श्रेष्ठ मुकाम पर हैं, जिस पर हर कोई गर्व कर सकता है। उनकी पहचान एक ऐसी कोरियोग्राफर के रूप में भी है, जो विभिन्न कार्यक्रमों में नृत्य के प्रदर्शन में चार चांद लगवा देती हैं। प्रेरणा को गत दिनों कला क्षेत्र के प्रतिष्ठित 'इंडिया स्टार आइकन अवॉर्ड कथक' से भी सम्मानित किया जा चुका है।

इण्डियन स्टार आइकन अवार्ड से सम्मानित

प्रेरणा राठी

सूर्य नगरी जोधपुर के सीताराम राठी की सुपुत्री प्रेरणा राठी को इंडिया स्टार आइकन अवार्ड कथक प्रदान किया गया है। कथक के क्षेत्र में यह अवार्ड प्राप्त करने वाली वह प्रथम नृत्यांगना है। बताया जाता है कि जोधपुर शहर की युवा नृत्यांगना कोरियाग्राफर और परफॉर्मर प्रेरणा राठी ने कथक नृत्य में जयपुर घराने से विशारद और अलंकार की डिग्री प्राप्त की है। वे अपने नृत्य की कला से विदेश में भी भारत व राजस्थान का नाम रोशन कर रही है। उन्होंने दुबई में अंतर्राष्ट्रीय नृत्य प्रतियोगिता में भारत का प्रतिनिधित्व कर सिल्वर मेडल जीता।

बचपन से ही कई हस्तियों के साथ प्रदर्शन

13 साल की उम्र में ताज हरि महल पर बनी डॉक्युमेंट्री में काम किया। 14 साल की उम्र में नेहा कक्कड़ व सोनू कक्कड़ के साथ मंच पर प्रस्तुति दी। 15 साल की उम्र में हेमा मालिनी के साथ कथक भरतनाट्यम की जुगलबंदी प्रस्तुत की। अपनी बहन पुनपुन लोहिया के साथ हॉलीवुड मूवी 'अफगान गोल्ड' में कथक प्रस्तुत किया। 16 साल की उम्र में 15 अगस्त पर उम्मेद स्टेडियम में राज्य की तत्कालीन मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे के सामने प्रस्तुति दी। 3 वर्ष तक बच्चों को नृत्य का प्रशिक्षण दिया। 5 मई 2016 में जोधपुर शहर में प्रतियोगियों को निखारने का काम शुरू किया। इसके लिए इन्होंने नृत्य प्रशिक्षण केन्द्र खोला और अभी भी अपनी सेवाएं दे रही है। वर्ष 2016 में भव्य लाइट साउंड शो महाराणा प्रताप में सूत्रधार का किरदार निभाया। दुबई में अन्तर्राष्ट्रीय नृत्य प्रतियोगिता में भारत का प्रतिनिधित्व कर सिल्वर मेडल जीता।

4 वर्ष की उम्र से कठोर प्रशिक्षण

इनकी पहली प्रेरणा इनकी बड़ी बहन पुनपुन लोहिया ही हैं। प्रेरणा ने 4 साल की उम्र में गुरू स्वर्गीय हरिशपुरी से लगातार 15 वर्ष तक कथक का कठिन प्रशिक्षण लिया और अभ्यास किया। उसके बाद उनकी पुत्री सुश्री रेशमा पुरी से प्रशिक्षण लिया। साथ ही साथ प्रेरणा ने गुरू राजेन्द्र गंगानी से भी बारीकियां सीखी।

प्रारंभ से ही चला सफलता का सफर

उन्होंने 4 वर्ष की आयु में पहली कथक प्रतियोगिता जीत कर अपने करिअर की शुरूआत की। 8 साल की आयु में गुरू राजेन्द्र गंगानी के साथ कोचीन केरल में स्टेज शो किया। 11 वर्ष की उम्र में स्टेट लेवल डांस कॉम्पिटिशन जीता व बेस्ट बॉलीवुड डांसर व बेस्ट वेस्टर्न डांसर ऑफ राजस्थान का खिताब जीता।

दीप पर्व के पावन अवसर पर
सभी माहेश्वरी बन्धुओं को हमारी ओर से
हार्दिक शुभकामनाएँ

श्रीकांत भूतड़ा
मो.94141-52776

रामकुमार भूतड़ा
प्रदेश कोषाध्यक्ष - भारतीय जनता पार्टी राजस्थान
पूर्व महामंत्री - अखिल भारतीय माहेश्वरी महासभा
मो. 9414153043, 98285-53

अमित भूतड़ा
मो.94144-15579

कमला ग्रेनाईट इण्डस्ट्रीज

जी-101,रिक्को इण्ड.एरिया तृतीया चरण,जालौर (राजस्थान)
फोन-02973-223956,224043 फैक्स -02973-225376

सहयोगी प्रतिष्ठान

श्रीकान्त ग्रेनाईट्स
जी-100, रिक्को इण्ड.एरिया
तृतीया चरण,जालौर
फोन -02973-224043,
मो.9414152776

आर.के. ग्रेनाईट्स
जयपुर बाईपास रोड,
मदनगंज-किशनगढ़
फोन -01463-250530
मो.9829180971

आर.के. ग्रेनाईट्स
जी-98-99, रिक्को इण्ड. एरिया,
तृतीया चरण, जालौर
फोन-02973-225376, 225377
मो. 9414415579

दिग्विजय ग्रेनाईट्स
जी-221, रिक्को इण्ड. एरिया,
तृतीया चरण,जालौर
फोन-02973-225088,
224198

भगवान श्रीकृष्ण की रासलीला का साक्षी बना श्री गोवर्धनधाम अब माहेश्वरी गौरव की सेवा पताका भी फहरा रहा है। यहाँ श्री गिर्राजधरण माहेश्वरी सेवा ट्रस्ट द्वारा भव्य माहेश्वरी भवन का निर्माण किया गया है। विस्तार के बाद अब यह 108 कमरों व अन्य सुविधाओं के साथ इस तीर्थ स्थल के गौरवशाली भवनों में शामिल हो गया है। इसकी सबसे बड़ी विशेषता यह है कि यह परिक्रमा मार्ग पर स्थित है, फिर भी इसमें निजी प्रवेश एवं वाहन पार्किंग की सुविधा भी उपलब्ध है।

समाज की गौरव पताका बना
माहेश्वरी भवन गोवर्धन

माहेश्वरी समाज की ख्याति सिर्फ शीर्ष उद्यमियों वाले समाज के रूप में ही नहीं है, बल्कि एक ऐसे समाज के रूप में भी है जिसने तन-मन व धन से मानवता तथा राष्ट्र की सेवा की। इसी के उदाहरण देश के कोने-कोने में मौजूद माहेश्वरी भवन भी हैं, जो न सिर्फ माहेश्वरी समाजजनों बल्कि आमजन को भी सेवा दे रहे हैं। शायद ही ऐसा कोई तीर्थ स्थल हो, जहाँ घर जैसी सुविधाओं के साथ अपनी संस्कृति के अनुरूप ठहरा न जा सके। ऐसे ही भवनों में से एक विशाल भवन बनकर समाज की गौरव पताका फहरा रहा है, श्री गिर्राजधरण माहेश्वरी सेवा ट्रस्ट द्वारा श्री गोवर्धनधाम में निर्मित भव्य माहेश्वरी भवन। इसके निर्माण की शुरुआत तो छोटे से भवन से ही हुई लेकिन समाज के दानदाताओं के सतत मिलते सहयोग से इसे सेवा का वटवृक्ष बनते देर नहीं लगी। वर्तमान में यह 108 सुसज्जित कमरों, हॉल आदि के साथ वहां आने वाले तीर्थ यात्रियों के लिये आकर्षण का केन्द्र बन चुका है। शीघ्र ही कमरों की ऑनलाईन बुकिंग भी प्रारंभ होने जा रही है।

अब ऑनलाईन बुकिंग की तैयारी

शीघ्र ही यात्रियों के सुविधा हेतु कमरों की बुकिंग ऑनलाइन करने की सुविधा प्रारंभ करने जा रहे हैं। इस बुकिंग में यात्रियों के चेक ऑउट समय के दो विकल्प रहेंगे। प्रातः 6 बजे व दोपहर 12 बजे यात्री आगामी 2 अक्टूबर से WWW.MBGOVERDHAN.COM या E-mail : mbgoverdhan@gmail.com पर जाकर अपनी सुविधानुसार कमरों की बुकिंग करवा सकते हैं।

कैसा है माहेश्वरी भवन

उपलब्ध सुविधायें

- 26 डीलक्स ए.सी. कमरे (डबल-बेड) इन कमरों में ए.सी., गीजर, मिनिफ्रीज, डिजिटल लॉकर, टॉवेल आदि की सुविधायें
- 26 एसी कमरे (डबल बेड) गीजर की सुविधा सहित।
- 4 ए.सी. कमरे (3 बेड) गीजर की सुविधा सहित।
- 2 एसी मिनी हॉल (10बेड)
- 46 कूलर युक्त कमरें (डबल बेड)
- 2 मिनी हॉल (6बेड) एयर कूलर सहित
- 1 डोरमेट्री (24बेड) एयर कूलर सहित
- 1 एसी डाइनिंग हॉल एवं किचन
- सभी कमरों में अटेच लेट-बॉथ की सुविधा।
- सत्संग हॉल 200 व्यक्तियों की बैठकर कथा सुनने की व्यवस्था (शीघ्र एसी युक्त होगा)
- 2000 स्क्वेयर फीट का किचन एवं डाइनिंग हॉल निजी उपयोग के लिये, जिसमें यात्री अपने रसोइयों द्वारा भोजन बनवा सकते हैं।
- दोनों भवनों में लिफ्ट की सुविधा।
- कारों एवं बसों की सुरक्षित पार्किंग का स्थान।
- पॉवर कट के समय निरंतर विद्युत सप्लाई के लिये 125 केवीए एवं 25 केवीए के जनरेटर।

परिक्रमा मार्ग फिर भी पार्किंग

श्री गोवर्धनधाम में श्रद्धालुओं की संख्या में वृद्धि के कारण प्रशासन द्वारा लिये गये निर्णयानुसार परिक्रमा मार्ग पर वाहनों का प्रवेश वर्जित कर दिया गया है। अतः किसी भी इस क्षेत्र में स्थित होटल या धर्मशाला में वाहन की प्रवेश सुविधा उपलब्ध नहीं है। इसके बावजूद यह एक मात्र ऐसा भवन है, जहाँ यहां ठहरने वाले तीर्थ यात्री अपने वाहन पार्क कर सकते हैं। यात्रियों की सुविधा के लिये इस भवन में सुरक्षित पार्किंग की व्यवस्था की गई है। भवन के अध्यक्ष बजरंगलाल बाहेती ने बताया कि गोवर्धन परिक्रमा मार्ग में पुलिस प्रशासन द्वारा वाहनों का प्रवेश स्थायी रूप से बंद करवा दिया गया है, परंतु हमारे भवन का पिछला द्वार सौख रोड की तरफ खुलने के कारण से बसों, कारों आदि वाहनों का प्रवेश इस भवन में चालू है। यह सुविधा परिक्रमा मार्ग में बने अधिकतर भवनों में नहीं है।

सुविधाओं का और होगा विस्तार

आयोजित सम्मान समारोह में 24 अगस्त को जतीपुरा में श्री गिरिराज महाराज के कुण्डवारा (छप्पनभोग) का आयोजन किया गया। 25 अगस्त को सुबह सम्मान समारोह का सभी ट्रस्टियों एवं दानदाताओं ने आनन्द लिया। दोपहर के भोजन के उपरांत कासट सत्संग हॉल में नंदोत्सव मनाया गया। ट्रस्ट के इतिहास में यह दूसरा सम्मान समारोह सम्पन्न हुआ। इस उत्सव में करीब 400 माहेश्वरी बंधू उपस्थित हुये।

समारोह का संचालन गोपाल झंवर ने किया। समारोह के अंत में महामंत्री विनोद कुमार बांगड़ व कोषाध्यक्ष जुगल किशोर बाहेती सभी का आभार व्यक्त किया।

स्वागत - मणिहार परिवार

स्वागत - मालू परिवार

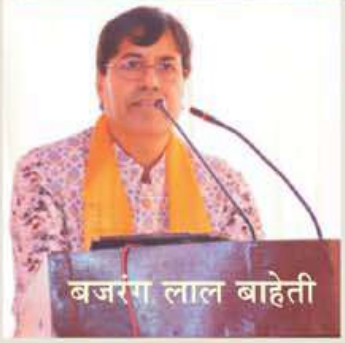
बजरंग लाल बाहेती

भामाशाह सम्मान समारोह 2019 का हुआ आयोजन

श्याम सुन्दर कासट

श्री गिर्राजधरण माहेश्वरी सेवा ट्रस्ट श्री गोवर्धन धाम में स्थित भवन में भामाशाह सम्मान समारोह 24 एवं 25 अगस्त को आयोजित किया गया। समारोह के मुख्य अतिथि जयपुर निवासी गोपीचंद, नारायण दास, जमनादास मणियार एवं विशिष्ट अतिथि अनंत श्री विभूषित अनंतदास जी महाराज थे। ट्रस्ट अध्यक्ष बजरंगलाल बाहेती ने उपस्थित सभी भामाशाहों एवं ट्रस्टियों का स्वागत करते हुए कार्यक्रम की शुरुआत की। सर्वप्रथम प्रमुख भामाशाह गोपीचंद मणियार जयपुर वालों के परिवार द्वारा 20 डीलक्स कमरों एवं 1 एसी मिनी हॉल का निर्माण करवाने पर गोपीचन्द जी एवं उनके पुत्र नारायणदास, घनश्यामदास, गिरिराज, शिवरतन व नवरत्न मणिहार का परिवार सहित सम्मान संरक्षक श्यामसुंदर कासट, अध्यक्ष श्री बाहेती एवं सभी पदाधिकारियों द्वारा किया गया। डीलक्स कमरों के इंटीरियर एवं फर्नीचर बनाने वाले श्रीकुमार तापड़िया, कोलकाता का भी ट्रस्ट द्वारा सम्मान किया गया। इस अवसर पर माहेश्वरी समाज जयुपर के अध्यक्ष प्रदीप बाहेती भी उपस्थित थे। उन्होंने नवनिर्मित कमरों एवं भवन का अवलोकन कर अत्यंत प्रशंसा की। संस्था के संरक्षक श्याम सुंदर कासट ने ट्रस्ट द्वारा प्रदान की जा रही सेवाओं की विस्तृत रूपरेखा एवं भविष्य की योजनाओं के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि

संस्थापक ट्रस्टीयों के शिलालेख का अनावरण

भवन में 20 डीलक्स कमरों के निर्माण से अब कुल कमरों की संख्या 108 हो गई है, जो कि एक शुभ संख्या है।

सभी सहयोगियों का भी सम्मान

इसके उपरांत भवन में डीलक्स एवं अन्य कमरों, हॉल आदि के दानदाताओं का सम्मान किया गया। सभी विशिष्ट, दानदाताओं को भी प्रशस्ति पत्र एवं माल्यार्पण द्वारा सम्मानित किया गया। इस उत्सव के दौरान संस्थापक ट्रस्टियों के शिला लेख का अनावरण किया गया एवं गत 19 वर्षों में दिवंगत सात ट्रस्टियों के चित्रों का अनावरण उनके परिवारजनों द्वारा किया गया। इन चित्रों को भवन में स्थायी रूप से स्थापित किया गया। दोनों भवनों में लगायी गयी लिफ्टों के दानदाता शिवरतन राजकुमार मालू किशनगढ़ एवं नंदलाल ओमप्रकाश नारायणीवाल भीलवाड़ा का स्वागत प्रकाश लड्ढा, विनोद बांगड एवं जुगल बाहेती द्वारा किया गया। विशिष्ट अतिथि अनंतदास जी महाराज ने सभी ट्रस्टियों को सम्मान पत्र भेंटकर आशीर्वाद प्रदान किया ट्रस्ट को सहयोग करने वाले सभी दानदाताओं को महामंत्री विनोद बांगड, उपाध्यक्ष गोपाल झंवर, कोषाध्यक्ष जुगल बाहेती, सहमंत्री प्रकाश लड्ढा, किशनगोपाल बियानी, अशोक बालदी, ओमप्रकाश बंग, बेनुगोपाल मूदड़ा एवं उपस्थित सभी ट्रस्टियों द्वारा सम्मानित किया गया।

मणिहार परिवार जयपुर, मुम्बई, कोलकाता

स्वस्थ व सुखी जीवन का आधार
उचित दिनचर्या

सुखी व स्वस्थ्य जीवन कौन नहीं चाहता लेकिन फिर भी यह आज के दौर में सपना बनता जा रहा है। वास्तव में देखा जाये तो इसका आधार है, उचित दिनचर्या। यदि मात्र दिनचर्या को हम ठीक कर लें तो अधिकांश समस्याओं से बच सकते हैं। खासकर वरिष्ठों के लिये तो यह वरदान से कम नहीं है। तो आइये देखे, कैसी हो हमारी नित्य की दिनचर्या?

डॉ. सलिल माहेश्वरी
मुख्य चिकित्सा अधिकारी
पतंजलि योग ग्राम, हरिद्वार

नित्य सुबह ब्रह्ममुहूर्त अर्थात् प्रातः 3 से 5 बजे के बीच उठें। उठते ही मुस्कुराते हुये परमात्मा को शुक्राना करें, मानव तन के लिये, आज के दिन के लिये, अगली श्वास के लिये, जो कुछ मिला उसके लिये। फिर 2-3 गिलास सामान्य ताप का पानी बैठकर पियें बिना कुल्ला किये। गिलास मुंह से लगाकर ही पानी पीयें। फिर मुंह में कुल्ला भर कर आंखो को ठंडे पानी से छपके लगाते हुये धोयें, शौचालय को वाचनालय न बनायें, इसमें 5 मिनिट से ज्यादा समय न लगायें।

कैसे करें स्नान

स्नान नित्य करें लेकिन रोज साबुन नहीं लगायें। सूखे खुरदुरे तौलिये से पूरे शरीर को रगड़ कर गर्म करे, फिर ताजा पानी से हाथों से रगड़ते हुये स्नान करें। फिर बालो को फोल्ड कर तौलिये से पौछें, बाकी शरीर की हाथों से मालिश कर लें और कपड़े पहन लें। समय कम हो तो शॉवर के नीचे शरीर को स्क्रबर या खुरदरे तौलिये से रगड़ते हुये स्नान कर लें।

नित्य योगाभ्यास के साथ मुस्कुराहट

नित्य नियमित योगाभ्यास करें। इसमें 1 से डेढ़घंटे में आसन, प्राणायाम, ध्यान, सूर्यनमस्कार, जॉगिंग आदि कर सकते है। स्नान के तुरंत बाद योग कर सकते हैं। योग के आधा घंटे बाद स्नान या नाश्ता कर सकते हैं। रोजाना एक से डेढ़ घंटे अपने आप से जुड़े, सत्संग करें सद्साहित्य पढ़ें। दिन भर के कार्य व्यवहार में तीन बातें ध्यान में रहें- 1. मुस्कुराना एवं शुक्राना- 24 घंटे में 700 बार, 2. कमर सीधी रखें, 3. देवता बनें व लेवता भी न बनें,

शाम के भोजन के बाद ब्रश जरूरी

शाम के भोजन के पश्चात् दांत अवश्य साफ करें। दातुन, मंजन या ब्रश द्वारा मसूढ़ो की मालिश और जीभ की सफाई भी अच्छी प्रकार करें। रात्रि 10 बजे सोने का प्रयास करें ताकि सुबह जल्दी उठ सकें। दिन में 15-20 मिनट की हल्की नींद ली जा सकती है। सोते समय बिल्कुल हल्के होकर कपड़े भी हल्के व मन भी हल्का कर सोयें।

क्या खायें और कब खायें

पेड़ पर पके ताजा फल, अंकुरित अन्न, सलाद चोकर समेत आटे की रोटी, उबली हरी सब्जी, देशी गाय का दूध, दही, घी।

यह न खायें

चाय, कॉफी, कोल्ड ड्रिंक, फास्ट फूड, तली चीजें, डिब्बा बंद खाद्य पदार्थ, नॉन वेज, तेज मिर्च मिर्च मसाला, बिस्किट, ब्रेड, जैम, जैली, नशे की चीजें जर्दा, गुटखा, शराब।

कैसे खायें

अच्छी तरह से चबा-चबा कर खाने से मुंह की लार से पाचन होता है, स्टार्च का। पीने की चीजें भी घूंट-घूंट कर पियें। दांतों (ग्राइन्डर) का काम आंतों से न लें।

कितना खायें

भरपेट न खायें, आमाशय आधा भोजन से भरें, आधा खाली रखें, पाचक रसों एवं मिश्रण के लिये। खाली स्थान के लिये बार-बार न खायें।

कब खायें

समय से खायें, बिना भूख के न खायें। समय हो गया और भूख नहीं है तो पोस्टपोन करें, लंघन करें। रात्रि को देर से भोजन न करें। सर्वोत्तम है, जैन लोगों की तरह सूर्यास्त से पहले भोजन कर लें। संभव न हो तो रात 8 बजे बाद अन्न न खायें- फल, सब्जी या सूप ले लें।

किस भाव से खायें

अपने पॉजीटिव विचारों द्वारा चार्ज करके भगवत् प्रसाद बना कर खायें। पीने की चीजों को भी पॉजीटिव विचारों द्वारा चार्ज करके पियें। परमात्मा की दिव्य शक्ति से परिपूर्ण यह भोजन/पेय तन-मन को शान्ति, शक्ति और स्वास्थ्य दे रहा है- इस भाव के साथ क्रोधित, चिंतित अवस्था में या जल्दबाजी में भोजन न करें। भोजन बनाने वाले का भाव भी पवित्र हो कि भगवान का प्रसाद बना रहे हैं। जो सकारात्मक बात परिवारजनों तक पहुंचाती है, उन विचारों को उस भोजन में डालते हुये भोजन बनायें, परोसें। भोजन के साथ या तुरंत बाद में पानी न पियें। आधे या एक घंटे पहले और एक डेढ़ घंटे बाद पानी पियें।

समाज के लिए चुनाव

उचित या अनुचित

लोकतांत्रिक प्रक्रिया में चुनाव इसका महत्वपूर्ण आधार है। कारण यह है कि इसमें हम अपने नेतृत्व का चयन बहुमत के आधार पर करते हैं। हमारे समाज संगठन भी अपने विधानानुसार लोकतांत्रिक आदर्शों को अपना आधार मानते हैं। गत सत्र में प्रयोगात्मक रुप से चुनाव की जगह चयन किया गया लेकिन इस बार भी इस हेतु महासभा में दबाव बनाया जा रहा है। आखिर प्रजातांत्रिक प्रणाली से चुनाव से इतना भय क्यों है? वर्तमान स्थिति में यह विचारणीय हो गया है कि हम सोचें समाज के लिये चुनाव उचित हैं या अनुचित ? आइये जाने इस ज्वलंत विषय पर स्तमी की प्रभारी मालेगांव निवासी सुमिता मूंदड़ा से उनके व समाज के प्रबुद्धजनों के विचार।

कर्तव्यनिष्ठ प्रतिनिधि जरूरी

समाज के नए प्रतिनिधि और कार्यकारिणी समिति का गठन चुनाव और चयन दोनों प्रक्रिया से संभव है। लोकतंत्र की परिभाषा चुनाव को अहमियत देती है, जिससे समाज का हर बंधु अपनी पसन्द से चुनिंदा उम्मीदवारों में से अपना प्रतिनिधि चुन सकता है। पर इस प्रक्रिया से समाज पर समय और अर्थ दोनों का भार बढ़ता है। समाज प्रतिनिधि बनने के लिए उम्मीदवारों की कतार लंबी हो तो चुनाव आवश्यक हो जाता है, पर इससे समाज की एकता में सेंध दिखने लगती है। समाज में मतभेद और मनभेद बढ़ते जाते हैं। चयन प्रक्रिया करते समय अनुभवी समाज-बंधुओं को समाज के हर वर्ग को ध्यान में रखकर ऐसे कार्यकर्ता को प्रतिनिधि के रूप में चुनना चाहिए जो तन-मन ही नहीं समय-संयम, समझदारी और दूरदृष्टि रखता हो। अगर समाज की छोटी-बड़ी हर समस्या और समाधान के लिए जागरूक और कर्तव्यनिष्ठ प्रतिनिधि बनें तो चयन हो या चुनाव, समाज को दोनों ही प्रक्रिया मान्य होगी।

- सुमिता मूंधड़ा, मालेगांव

नसीहत नर्म लहजे में ही अच्छी लगती है
क्योंकि...
दस्तक का मक्सद
दरवाजा खुलवाना होता है
तोड़ना नहीं

कार्यकारी मण्डल सदस्यों की उपेक्षा ना हो ।

कोई भी व्यक्ति स्वयं को समाज का भीष्म पितामह प्रस्थापित कर अपने इच्छानुसार समाज को भ्रमित करने के लिए सामाजिक सद्भाव का जामा पहनकर अपने बग़ल में षड़यंत्रों का पुलिंदा रखें तो यह इस सुसंस्कृत, प्रगतिशील एवं सभ्य समाज के लिए स्वीकार योग्य नहीं हो सकता।

क्या कार्यकारी मण्डल के सदस्य, जो समाज के व्यापक समूह के प्रतिनिधी के रूप में आते हैं उन्हें उनके दायित्व निर्वाह से वंचित करना, उनकी उपेक्षा करना, उनकी क्षमता एवं विवेक पर प्रश्नचिन्ह लगाना उचित है? जो समाज को चयन का ज्ञान बाँटने का कोशिश महज़ अपने अधिपत्य को बनाए रखने के लिए कर रहे हैं उन्हें अपने स्वयं के आचरण को पीछे मुड़कर देखना चाहिए क्योंकि यदि बात निकलेगी तो दूर तलक जाएगी। यदि सकारात्मक दृष्टि से देखा जाए तो इस माध्यम से नई प्रतिभाएँ उभर कर आती हैं, समाज में संवाद होता है और आपसी परिचय एवं चिंतन भी होता है। हम लोकतंत्र में रहते हैं इस मूलधारणा पर अपने निहित स्वार्थ की चादर ओढ़ाकर महानता दिखाने का पाखंडी स्वरूप बंद होना चाहिए। कार्यकारी मण्डल के सदस्यों के अधिकारों का सम्मान करना चाहिए।

- कमल गाँधी
कोलकाता

चयन के नाम पर चालाकी न हो

माहेश्वरी समाज की शीर्ष संस्था अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महासभा के चुनाव का समय आ गया है। ये चर्चा जोरों से चल रही है कि पदाधिकारियों का चयन मतदान करवा कर चुनाव द्वारा किया जाए या सर्वानुमति से चयन द्वारा, जैसे पिछले सत्र में हुआ था। चुनाव का मतलब है, किसी एक व्यक्ति को हमारे समाज का शीर्ष नेतृत्व के रूप में चयन करना, जिसकी सामाजिक सोच हो, धरातल से समाज के सभी वर्ग से जुड़ा हो और आम समाज के दुःख दर्द को समझता हो तथा सभी को साथ लेकर चलने की क्षमता हो। फिर चाहे वो चुनाव से आए या चयन से आए महत्वपूर्ण नहीं है। लोकतंत्र में यह अधिकार सभी समाजबंधुओं को है। चुनाव सर्वानुमति से चयन द्वारा संभव नहीं होते हैं तो चुनाव ही एकमात्र विकल्प होता है। कई बार यह सवाल उठता है कि आखिर चुनाव क्यों होना चाहिए? क्या वास्तव में इसकी आवश्कता है? चुनाव होने से समाज में दो ग्रुप हो जाते हैं। जैसा कि सर्वविदित ही है कि पिछले चुनाव में भी पदाधिकारियों का चयन करके सर्वानुमति द्वारा चुनाव किया गया था लेकिन उस चयन में भी चालाकी थी। समाजबंधुओं ने जिनके हाथ में सिर्फ सभापति के चयन प्रक्रिया की जबावदारी थी उन्होंने बाकी सभी लोगों की टीम का चयन भी अपने ग्रुप विशेष के लोगों से कर लिया जो कि एक स्वच्छ लोकतंत्र की परंपरा नहीं है। मेरा यह मत है कि जहां-जहां भी नेता या उत्तराधिकारी चुनने में पक्षपात होता है या जोर जबर्दस्ती होती है, तब उस संस्था का विकास नहीं हो पाता,

बल्कि विघटन ही होता है। दुर्भाग्यवश इस बार महासभा के हुक्मरानों ने उन्हीं लोगों को वोट देने का अधिकार दिया है जिन्हें इस सत्र में कराए गए सामाजिक आर्थिक सर्वेक्षण में अपने आप को पंजीकृत किया है व वो ही चुनाव लड़ सकते हैं, जबकि अभी तक यह कार्य अधूरा ही है। जब इस तरह के सर्वेक्षण का कार्य ही अपूर्ण है तो इस तरह की अहर्ता को क्यों लागू किया गया? क्या कुछ चंद लोगों के लिए ही यह महासभा है? क्या यह आम समाजबंधुओं के लिए तानाशाही थोपना जैसा नहीं है, अन्याय नहीं है? इसलिए चुनाव की पद्धति तो निष्पक्ष होनी ही चाहिए और चयन के नाम पर चालाकी से भी बचना चाहिए।

- रमेश काबरा,
संपादक, समाज प्रवाह

चयन व चुनाव - दोनों में आरोप

'लोकतांत्रिक देश हमारा भारत, उसमें हम माहेश्वरी, हमारा समाज और चुनाव' बड़ा ही रोचक एवं चिंतननीय विषय है, समाज चुनाव। हम समाज के लोग दोनों ही तबलों पर बात करने में माहिर हैं। सिलेक्शन से चुनाव हुआ तो भी आरोप, मतदान हुआ तो बहुत पैसा खर्च किया, गुटबाजी, सौदेबाजी करके जीत गए। यह संगीन आरोप, दोनों ही सूरतों में लगते हैं। समाजसेवा करने वाले का निश्चित ही मरण है। यह कटु सत्य है, जनप्रतिनिधि चाहे कोई भी हो जो काम करेगा उसके हाथ से गलतियां होना स्वाभाविक बात है। पर उन गलतियों को बढ़ा-चढाकर इशु बनाकर अपने आप को बड़ा समाजसेवी बताना आजकल आम बात हो गई है। मेरी सोच के हिसाब से सिलेक्शन या इलेक्शन कुछ भी करा लो, गुटबाजी, सौदेबाजी, दिखावा, कुछ भी कम होने के आसार मुझे तो व्यक्तिगत तौर पर दिखाई नहीं देते। समाजसेवा करने वाले हमारे बंधु जो भी सत्ता में आते हैं, सभी अपने अपने तरीके से बेहतर काम करने की कोशिश दिल से करते हैं, कोई कम तो कोई ज्यादा। हम सभी समाजबंधुओं को पहले स्वयं में आमूल परिवर्तन यह लाना चाहिए कि टीका-टिप्पणी के बजाए मुख्यधारा से जुड़कर अपने से जो भी बन पड़ता वह करने का जतन दिल से करना चाहिए।

- सतीश लाखोटिया, नागपुर

सर्वानुमति के नाम पर एकाधिकार का प्रयास

विगत सत्र से महासभा के चंद अति-महत्वाकांक्षी लोगों द्वारा संगठनात्मक चुनाव को प्रजातांत्रिक प्रक्रिया से संपन्न कराने की जगह सर्वानुमति से कराने का नारा लगाया जा रहा है। यह लोग इसके पीछे समाज में विघटन या धड़ेबाजी की दुहाई दे रहे हैं। महासभा के विगत सत्रों के चुनावों की याद सबको होगी। कोई इन बौद्धिक लोगों से पूछे कि जब वे स्वयं महासभा के चुनाव के प्रत्याशी थे, उस समय उनको इन बातों का विचार क्यों नहीं आया? इनकी कथनी और करनी के अंतर को, इनकी मानसिकता को, हमें गंभीरता से समझना होगा। महासभा के पिछले सत्र के चुनावों के पूर्व जिस तरह से पहले केवल सभापति पद के चुनाव हेतु सर्वानुमति का नाटक किया गया तथा बाद में अपनी मनमर्जी के लोगों को अन्य पदों पर बैठाया गया, वह समझते सब हैं, पर मुखरता से इसमें हुई चालाकियों को कोई कहना नहीं चाहता। मैं मानता हूं कि इस सत्र ने सबको सोचने के लिए जरूर बाध्य किया होगा कि सर्वानुमति के नाम पर थोपे गए शीर्ष नेतृत्व द्वारा अपने अवैधानिक निरंकुश कृत्यों से न केवल महासभा की गरिमा को गिराया गया है, अपितु संगठन में एकाधिकारवादी प्रवृत्ति के बल पर कर्मठ एवं समर्पित कार्यकर्ताओं को महासभा से दूर भी किया है। यदि समाज के प्रति निष्ठा रखने वाले महासभा के प्रति सच्चे समर्पित बंधु इस सच्चाई को आंख मूंदकर देखना नहीं चाहते तो इससे बड़ी त्रासदी संगठन के लिए कोई नहीं होगी।

- रामपाल अट्टल, अध्यक्ष,
आंध्र प्रादेशिक माहेश्वरी सभा, हैदराबाद

हर स्थिति में पारदर्शिता जरूरी

सही मायनों में समाज में चुनाव की आवश्यकता ही नहीं होनी चाहिए परंतु चुनने की प्रक्रिया में पारदर्शिता जरूर होनी चाहिए। भारतवर्ष के समाज सदस्य का समाज के प्रति लोगों का तन-मन-धन से जुड़े सदस्यों का डाटा होना चाहिए। समाज के प्रति कौन समर्पित हैं? कौन समय के साथ समाज को संगठित कर सकता है और समाज को आज के नए माहौल में आगे ले जा सकता है? इस पारदर्शिता का समाज के पास अभाव है। भारतवर्ष में समाज के लिए न्योछावर हो सकें ऐसे सदस्यों को तलाश हों। पर पारदर्शिता के अभाव की वजह से चुनाव ही अतिउत्तम प्रणाली बनकर अपना स्थान ले लेती है। बेहतर रहेगा, पारदर्शिता के साथ जागरूक सदस्य समाज के प्रति अपना सबकुछ लगा दें।

- राजेश कोठारी, सूरत

दबाव विहीन चुनाव ही जरूरी

किसी भी लोकतांत्रिक प्रक्रिया का यदि उचित तरीके से निर्वहन किया जाना है, तो शुद्ध और पारदर्शी तरीके से चुनाव होना अत्यंत जरूरी हैं। हमारे समाज में इस बार हमारे समाज के कर्णधारों को इस बात के लिए हम बधाई देना चाहते हैं कि, उन्होंने चुनाव की प्रक्रिया को बहुत ही पारदर्शी और सरल बनाया तथा क्षेत्र के अनुसार प्रतिनिधित्व पर अधिक जोर दिया। इसके कारण पहली बार ऐसा हुआ है कि विभिन्न क्षेत्रों के चुनावों में विभिन्न मोहल्लों से, विभिन्न कॉलोनियों से प्रतिनिधित्व सामने आया है, और नई विचारधारा के साथ नए लोग सामने आए। इसके पूर्व ऐसा होता था कि अधिकांश स्थानों पर कुल्लड़ में गुड़ फोड़ लिया जाता था और सिर्फ कुछ गिने-चुने लोग पदों पर स्थापित होकर नाम का फायदा उठा लिया करते थे। काम बहुत कम होता था। इस प्रवृत्ति पर रोक लगाने के लिए इस बार जिस लोकतांत्रिक तरीके से चुनाव की प्रक्रिया की गई है, उसकी सराहना की जाना चाहिए। चुनाव आपसी विवाद एवं मनमुटाव को कई बार जन्म देने का कारण बनते हैं, पर फिर भी मेरा यह सोचना है कि, यदि सकारात्मक तरीके से और सभी लोगों से सलाह-मशविरा कर यदि चुनाव किए जाते हैं या नामांकन प्रक्रिया को अपनाया जाता है तो सबकी सहमति से कुछ अच्छे लोग आगे निकल कर सामने आते हैं, जो समाज के लिए कुछ अच्छा कार्य करने की कोशिश करते हैं। किसी भी प्रकार का दबाव बनाकर कुछ लोगों के नामांकन के प्रयास किए जाते हैं, तो वह बिल्कुल ही गलत है। नामांकन सर्वानुमति से हो वही सही होता है।

- सतीश राठी, इंदौर (मप्र)

चयन निष्पक्ष एरां सर्वे के साथ होना चाहिए

चयन सर्वोच्च उपाय है, लेकिन किस के लिए हो सकता है । चयन कमेटी ऐसी बनना चाहिए जो निष्पक्ष हो चयन अच्छी तरह से सर्वे करके हो ना चाहिए समाज और संगठन के हित में निर्णय होना आवश्यक है इस हेतु दोनो पक्ष से अगले सत्र हेतु उनकी योजना विवरण जानकर भी आगे बढ़ना उत्तम होगा महिला संगठन आज तक इस परम्परा को निभाती आ रही है । और इस लिए हम लोग उत्कृष्ट कार्यकर्ता समाज को दे पाऐं है । और इस हेतु कार्यकर्ताओं में भी आगे आने की होड़ में स्वस्थ्य प्रतियोगिता रहती है । और समाज के हर वर्ग को जोडती है ।

- शोभा सादानी, कोलकाता
पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष महिला संगठन

समाज हेतु चुनाव ही अधिक उचित

चुनाव का अर्थ होता है, योग्य व्यक्ति का चयन करना। वर्तमान समय में यह मानव के विकास का एक अहम हिस्सा है। चुनाव द्वारा समय-समय पर होने वाले परिवर्तन इस बात को साबित करते हैं कि अंतिम निर्णय जनता का ही होता है। एक लोकतांत्रिक देश में रहने वाले उच्च शिक्षित समाज में भी चुनाव व्यवस्था का काफी महत्व होता है क्योंकि इसी के द्वारा समाज के नागरिक अपने समाज के अच्छे विकास के लिए उसे सुचारु रूप से चलाने के लिए नेतृत्व चुनते हैं। इससे समाज को उचित सम्मान मिलता है व समाज के लोगों का आपस में संचार अथवा जुड़ाव होता है। सामाजिक कार्यकर्ता को अनुभव के आधार पर अपने स्वयं के व्यक्तित्व को विकसित करने का अवसर मिलता है। समाज के चयनकर्ता समाज में नई पीढ़ी के लिए नई तकनीक का विकास व समाज की आर्थिक-सामाजिक स्थिति में सुधार कर सकते हैं।

- अनिता मंत्री,

पुनः पद न लें

आज हमारे समाज के सामने वर्तमान युग की एक ऐसी उलझन भरी भयानक समस्या उपस्थित है, जिससे बचा नहीं जा सकता? प्रश्न है, समाज में चुनाव या चयन के बारे में? समाज में ज्ञान और विज्ञान की सतत प्रगति तो चुनाव चयन पद्धति से ही हो सकती है व समाज का संगठन मजबूत भी। समाज में बड़े पदों पर जो विराजमान हैं, उनको वापस पद लेना नहीं चाहिए ताकि दूसरों को भी मौका मिले। मनुष्य के मन में विष भी है, अमृत भी। विष व अमृत कहीं बाहर नहीं रहते हैं, वे मनुष्य के विचार एव संकल्प में ही रहते हैं। चुनाव द्वंद्व-युद्ध है, इससे क्रोध -घृणा का निर्माण होता है। चयन से अमृत ही मिलता है। त्याग और वैराग्य बाहर से लादने पर नहीं आता है, वह तो अंतर में जागरण से हो जाता है। यह सब वर्तमान पदाधिकारी के मन के जागरण पर ही निर्भर है।

-श्यामसुंदर धनराज लखोटिया,
मालेगांव,
कार्यकारी मण्डल सदस्य,

सहमति न होने पर ही चुनाव जरूरी

नेतृत्व हेतु आजकल चुनाव की प्रक्रिया तब आवश्यक हो जाती है, जब सर्वसम्मति से एक नाम पर सहमति न हो। किंतु ये भी सत्य है इससे गुटबाजी एवं छींटाकशी के साथ वैमनस्य बढ़ जाता है एवं एक गांठ हमेशा के लिए मन पर पड़ जाती है। ये विरोध पक्ष-विपक्ष की तरह पूरे कार्यकाल में चलता रहता है। अतः चुनाव की जगह यदि योग्य व्यक्ति को सर्वसम्मति से चुना जाए तो एक सौहार्दपूर्ण वातावरण में सभी कार्यक्रम सफलतापूर्वक हो सकेंगे। संगठन का मतलब ही संगठित रहना है, पर मतभेद के साथ रखी नींव मनमुटाव कर कई खाई उत्पन्न कर संगठन को कमजोर कर देती है। अतः योग्य व्यक्ति का चुनाव यदि निर्विरोध हो तो समाज के विकास के लिए यह निश्चित ही अधिक शुभ एवं सार्थक होगा।

- पूजा नबीरा, काटोल नागपुर

विवेक पूर्ण निर्णय लें

चयन प्रक्रिया की जिम्मेदारी जिनके हाथों में सौंपी है, उन्हें अपने विवेक से सही निर्णय लेना ही समाज के लिये हितकर होगा तथा समाजबंधुओं की आशाएँ भी धुमिल नहीं होगी। साथ ही एकाधिकार, गुटबंधी जैसे आरोपों से भी वे दूर रहेंगे। उनके पारदर्शी निर्णय से संगङ्गन को मजबूती मिलने के साथ-साथ हमारे मार्गदर्शक भी स्वयं को उपेक्षित महसूस नहीं करेंगे। उनका प्रत्येक निर्णय समाज में समरसता बढ़ाने के अलावा समाज को गति देने वाला होना चाहिए। इसी आशा के साथ ।

- प्रदीप बाहेती,
अध्यक्ष, माहेश्वरी समाज जयपुर

चयन को ही दें प्राथमिकता

एक ही समुदाय के लोग जब संगठित होते हैं, तब समाजरूपी संस्था का निर्माण होता है। जहां भी संस्थागत ढांचा निर्मित होता है। कार्यों का विभाजन करना ही पड़ता है। इन्हीं कार्यों को दायित्वपूर्वक निभाने के लिए पद दिया जाता हैं। अब प्रश्न यह है कि पद बांटने के लिए तरीका कौन सा अपनाना चाहिए? चुनाव एक जरिया है ताकि सभी इस प्रक्रिया में भाग लेकर अपनी रुचि अभिव्यक्त कर सकें। इसमें कोई दो राय नहीं है कि लोकतांत्रिक व्यवस्था में चुनाव ही एकमात्र जरिया है। इसका पालन भी होना चाहिए। लेकिन मेरा मानना है चुनाव के स्थान पर चयन प्रक्रिया को प्राथमिकता दी जाए। जैसे कि जब भी संस्था पदाधिकारियों का कार्यकाल खत्म हो तो सुनिश्चित दिन पर पदाधिकारी ही एक व्यक्ति विशेष के नाम का चयन करके उसे सबके सम्मुख प्रस्तावित करें। प्रस्तावित नाम भी ऐसा हो जो समाजरूपी संस्था को मजबूती प्रदान करें। अगर सभी की सहर्ष स्वीकृति मिल जाए तो चुनाव की जरूरत ही नहीं रहती। अगर इस तरीके से चयन ना हो सके तो इच्छुक नामों के साथ चुनाव संपन्न करना ही एकमात्र विकल्प रह जाता है।

- स्वाति मानधना, बालोतरा,राजस्थान

निर्विरोध की शक्ति सीमित न हो

"समाज के लिए चुनाव अनुचित" या उचित यह प्रश्न अत्यधिक संवेदनशील व प्रासंगिक है। चुनाव निर्विरोध हो जाए, इस बात का प्रतिरोध करना यकीनन किसी मायने में उचित नहीं प्रतीत होता। निर्विरोध चुनाव का कोई सानी नहीं है। प्रश्न ये उठता है कि निर्विरोध चुनाव के इस मुद्दे की बागडोर यदि सीमित शक्ति या चंद हाथों में ही संरक्षित रहती हो और वो भी कुछ पूर्वाग्रहों को केंद्र में रखकर तो निश्चित रूप से विचारों की आंधी इस व्यवस्था को दुरुस्त नहीं रख सकती। आप किसी के मूलाधिकारों का हनन नहीं कर सकते हैं। फिर एक बात यह भी है कि ये पूरे देश, केंद्र व समाज को लोकतांत्रिक परिदृश्य का परिणाम व अवलोकन होगा, जिसके भाग्य विधाता चंद मस्तिष्क ही हों, ये बात प्रबुद्ध सामाजिक नागरिक के गले नहीं उतरती। मैं इस बात से भी इनकार नहीं करता कि चुनाव में ऊर्जा, अर्थ, सामाजिक सौहार्द इत्यादि सभी दांव पर लगते हैं। जब तब केवल एक शहर की नहीं, बल्कि पूरे देश की सामाजिक लोकतंत्र व्यवस्था के गठन की दावेदारी हो तो प्रजातांत्रिक प्रणाली से चुनाव से भय बिलकुल न रखते हुए पूरे समाज के सामाजिक तंत्र का मान रखना चाहिए।

- जेएम बूब, जोधपुर

लोकतंत्र की नींव हैं चुनाव

लोकतांत्रिक व्यवस्था की नींव ही चुनाव है, चयन नहीं। जब आप किसी संस्था को चलाने की जिम्मेदारी किसी को सौंपते हो तो वो व्यक्ति उस पद के लिए लायक है या नहीं ये आप चुनाव के माध्यम से ही समझ सकते हो क्योंकि उसी से वैचारिक मतभेद सामने आते हैं। इससे इस बात का ज्ञान होता है कि किसकी विचारधारा समाज के हित में है। वरना आप चयन प्रक्रिया में तो उन महानुभाव को आर्थिक और ताकतवर ओहदा देखकर सीधा कुर्सी पर बैठा देते हो चाहे वह उसके लायक हो या नहीं। ऐसे किसी महानुभाव को पद देने के बाद, जिन्हें उसकी पूरी जानकारी तक नहीं होती, कई संस्थाओं का विनाशकारी हश्र होते देखा गया है। आजकल समाज बान्धव भी इस बारे में काफी समझदार हो गए हैं और समाज का भला बुरा अच्छी तरह समझते हैं। अंत में इतना ही कहना चाहूंगा कि ऐसी आदर्शवादी संकल्पना क्या काम की, जिससे समाज का भला होने के बजाय गलत हाथों में डोर सौंप दी जाए।

-राजकुमार मूंधड़ा, मालेगांव

लोकतंत्र का सम्मान होना चाहिए

हाल ही में माहेश्वरी समाज की शिर्डी में आयोजित कार्यकारी मंडल की बैठक में महासभा के आगामी चुनाव को लेकर बहुत ही गंभीर चर्चा हुई एवं पदाधिकारियों के निर्वाचन के बजाय नियुक्ति पर जोर दिया गया। हम विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र में निवास करते हैं और हमें राजनीति में, समाज में और परिवार में लोकतंत्र का सम्मान करना चाहिए। समाज के लिए किसी भी दृष्टिकोण से चुनाव अनुचित नहीं कहे जा सकते हैं। लोकतांत्रिक प्रणाली से निर्वाचन देश को ही नहीं समाज को भी मजबूत बनाता है। मतदान की पात्रता रखने वालों से उनका अधिकार लेकर कुछ लोगों को यह अधिकार दे देना किसी भी लोकतांत्रिक व्यवस्था में उचित नहीं ठहराया जा सकता। मतदाता काफी जागरूक एवं समझदार है, उसकी क्षमता एवं योग्यता पर संदेह करना अनुचित है। अतः मतदाता के मताधिकार का सम्मान किया जाना चाहिए।

महेशचन्द्र सोमानी, मंदसौर
कार्यकारी मण्डल सदस्य

समाज में चुनाव अभिशाप

'समाज के लिए चुनाव उचित या अनुचित' इस विषय में आज को देखते हुए बहुत कुछ कहा जा सकता है। पर कुछ सारांश प्रस्तुत है। समाज में चुनाव एक अभिशाप है, यह नहीं होना चाहिए। इससे मतभेद बढ़ते हैं, समाज टूटता है। किसी भी संस्था या समाज में अगर चुनाव होते हैं तो उसकी साख का स्तर गिरता है। हमारा समाज एक उच्च समाज है, समाज के करीब-करीब अधिकांश सदस्य शिक्षित हैं, अपने व्यवसाय में परिपूर्ण हैं या सफल उद्यमी हैं। अगर कोई सदस्य नौकरी भी करता है, तो उच्च पद पर आसीन है। समाज में हमेशा निर्वाचन, प्रक्रिया जो भी हो निर्विरोध संपन्न होना चाहिए।

- सतीश बजाज
पूर्व अध्यक्ष, माहेश्वरी समाज नागदा

सर्वसम्मति है समय की आवश्यकता

चुनाव का मतलब अपनों के बीच से ही अपना मुखिया चुनने की प्रक्रिया है, जो सर्वथा उपयुक्त एवं प्रभावकारी है। जब हम किसी व्यक्ति विशेष को मुखिया हेतु चुनते हैं, हम उस पर अपना भरोसा दिखाते हैं, पदभार संभालते हेतु उपयुक्त समझते हैं, तो यह बहुत बड़े सम्मान की बात होती है। प्रजातांत्रिक राज में अगर प्रजा किसी एक को जिम्मेदारी सौंपे तो उससे बड़ी उपलब्धि क्या हो सकती है? वो एक अकेला व्यक्ति सैकड़ों, लाखों, करोड़ों की अपेक्षाओं का आदर कर उनका प्रतिनिधित्व करता है। किंतु आजकल चुनाव सार्थक इसलिए नहीं लगते क्योंकि समाज में राजनीति बढ़ती जा रही है और आपसी सहयोग, मिल बांटकर कार्य का क्रियान्यवन घटता जा रहा है। ऐसे में एक अकेला मुखिया लोगों के समक्ष यदि एक गलत फैसला कर दे तो लोग उसका साथ नहीं देते जबकि ये वही लोग हैं, जिन्होंने उसे चुना है। अतः चुनाव का महत्व समझते हुए सर्वसम्मति से किसी एक व्यक्ति को चुनना और उसका सहयोग करते हुए उसे और स्वयं को एक समझकर फैसला करना आज की परम आवश्यकता है। **शालिनी चितलांग्या,** छग

चुनाव तो होना ही चाहिये

हम प्रजातांत्रिक व्यवस्था के पोषक है, अतः चुनाव तो महासभा में होना ही चाहिये। इससे मतदाताओं को मताधिकर का सम्मान होता है और बिना किसी दबाव के नेतृत्व का निर्वाचन होता है, निर्वाचन प्रक्रिया से कम से कम पूरे भारत वर्ष की कार्यकारी मंडल के सदस्यों की एक पहचान होती है और सभी पदाधिकारी उनसे परिचित होते हैं। पिछली दो कार्य समितियों में अध्यक्ष के अलावा बहुत कम पदाधिकारी ऐसे हैं जो कार्यकारी मंडल सदस्यों से परिचित हो। अतः मेरा तो बस यही मत है कि जो भी हो नेतृत्व के निष्पक्ष निर्वाचन के उचित प्रयास होने चाहिये।

- **कैलाश मुंगड़,** इंदौर
कार्यकारी मंडल सदस्य

हमारे शास्त्रों में कहा गया है कि सही विधिविधान से किया गया देव पूजन ही सम्पूर्ण मनोकामना की पूर्ति करता है। फिर जब बरत दीपावली पर्व पर पूजन की हो तो इस पर तो सभी सुख-समृद्धि ही निर्भर रहेगी। तो आईये जानें कैसे करें शास्त्रोक्त विधिविधान से पूजन, जिससे हो माता महालक्ष्मी की अनन्य कृपा।

दीपावली पर कैसे करें विधिविधान से पूजन

प्रथम पर्व- धनतेरस

पूजन विधि- सर्वप्रथम नहाकर साफ वस्त्र धारण करें। भगवान धन्वन्तरि की मूर्ति या चित्र साफ स्थान पर स्थापित करें तथा पूर्वाभिमुख होकर बैठ जाएं। उसके बाद भगवान धनवन्तरि कर आह्वान निम्न मंत्र से करें-

सत्यं च येन निरत रोग विधूतं
अन्वेषित च सविधिं आरोग्यमस्य ।
गूढ़निगूढ़औषध्यरूपम्, धन्वंतरि च सततं प्रणमामि नित्यं।

इसके पश्चात् पूजन स्थल पर आसन देने की भावना से चावल चढ़ाएं। इसके बाद आचमन के लिए जल छोड़ें। भगवान धन्वंतरि के चित्र पर गंध, अबीर, गुलाल, पुष्प आदि चढ़ाएं। चांदी के पात्र में खीर का नैवेद्य लगाएं। (अगर चांदी का पात्र उपलब्ध न हो तो अन्य पात्र में भी नैवेद्य लगा सकते हैं।) तत्पश्चात पुनः आचमन के लिए जल छोड़ें। मुख शुद्धि के लिए पान, लौंग, सुपारी चढ़ाएं। भगवान धन्वंतरि को अर्पित रोगनाश की कामना के लिए इस मंत्र का जाप करें-

"ॐ रं रुद्र रोगनाशाय धन्वंतर्य फट्।।"

इसी दिन इसके बाद भगवान धन्वंतरि को श्रीफल व दक्षिणा चढ़ाएं। पूजन के अंत में कर्पूर आरती करें। घर के मुख्य द्वार पर यमराज के निमित्त दीपदान करना चाहिए। रात्रि को एक दीपक में तेल, एक कौड़ी, काजल, रौली, चावल, गुड़, फल, फूल व मीठे सहित दीपक जलाकर यमराज का पूजन करना चाहिए। दीप प्रज्जवलित करते समय निम्न मंत्र से प्रार्थना करनी चाहिए-

"मृत्युना पाशहस्तेन कालेन भार्याय सह।
त्योदश्यां दीपदानात्सूर्यजः प्रीयतामित।।"

इस मंत्र के साथ पूजन करने से अच्छे फल प्राप्त होते हैं।

द्वितीय पर्व नरक चतुर्थी

पूजन विधि- कार्तिक मास की कृष्ण पक्ष चतुर्दशी को नरक चतुर्दशी कहते हैं। इस दिन यमराज की पूजा व व्रत का विधान है। इस दिन शरीर पर तिल के तेल से मालिश करके सूर्योदय के पूर्व स्नान के दौरान अपामार्ग (एक प्रकार का पौधा) को शरीर पर स्पर्श करना चाहिए। अपामार्ग को निम्न मंत्र पढ़कर मस्तक पर घुमाना चाहिए-

सितालोष्ठसमायुक्त सकण्टकदलान्वितम।
हर पापमपामार्ग भ्राम्यमाणः पुनः पुनः ।।

स्नान करने के बाद शुद्ध वस्त्र पहनकर तिलक लगाकर दक्षिण दिशा की ओर मुख करके यम से परिवार के सुख की कामना करें। इसके साथ ही प्रदोषकाल में चार बत्तियों वाला दीपक जलाकर दक्षिण दिशा में रखें और उसका निम्न मंत्र से पूजन करें-

"दीपश्चतुर्दश्यां नरक प्रीतये मया।
चतुर्वर्ति समायुक्तर्वपानतये। (लिंग पुराण)

अर्थात् आज चतुर्दशी के दिन नरक के अभिमानी देवता की प्रसन्नता तथा सर्व पापों के नाशों के लिये मैं 4 बत्तियों वाला चौमुखा दीप अर्पित करता/करती हूं।

तृतीय दीपावली महापर्व

पूजन विधि- कार्तिक कृष्ण अमावस्या (दीपावली) को भगवती श्री महालक्ष्मी एवं भगवान गणेश की नूतन (नयी) प्रतिमाओं का प्रतिष्ठापूर्वक विशेष पूजन किया जाता है। पूजन के लिये किसी चौकी अथवा कपड़े के पवित्र आसन पर गणेशजी के दाहिने भाग में माता महालक्ष्मी की मूर्ति को स्थापित करें। पूजन के दिन घर को स्वच्छ कर पूजा स्थान को भी पवित्र कर लें एवं स्वयं भी पवित्र होकर श्रद्धा भक्ति पूर्वक सायंकाल महालक्ष्मी व भगवान श्रीगणेश का पूजन करें। श्री महालक्ष्मीजी की मूर्ति के पास ही पवित्र पात्र में केसर युक्त चंदन से अष्टदल कमल बनाकर उस पर द्रव्य लक्ष्मी (रुपयों) को भी स्थापित करें तथा एक साथ ही दोनों की पूजा करें। सर्वप्रथम पूर्वाभिमुख अथवा उत्तराभिमुख हो आचमन, पवित्री धारण, मार्जन, प्राणायाम कर अपने ऊपर तथा पूजा-सामग्री पर निम्न मंत्र पढ़कर जल छिड़कें।

"ॐ अपवित्रः पवित्रों वा सर्वावस्थां गतोपि वा।
यः स्मरेत् पुण्डरीकाक्षं स बाह्याभ्यन्तरः शुचिः ।।"

उसके बाद जल अक्षत लेकर पूजन का निम्न मंत्र से संकल्प करें-

ॐ विष्णुर्विष्णुर्विष्णुः अद्य मासोत्तमे मासे कार्तिक मासे कृष्णपक्षे पुण्याममावस्यायां तिथौवार का उच्चारण वासरे... (वार का नाम) गोत्रोत्पन्नः (गोत्र का उच्चारण करें) /गुप्तोहंश्रुतिस्मृतिपुराणोक्त-फलावाप्तिकामनया ज्ञाताज्ञातकायिकवाचिकमानसिक सकल-पापानिवृत्तिपूर्वकं स्थिरलक्ष्मीप्राप्तये श्री महालक्ष्मीप्रीत्यर्थं महालक्ष्मीपूजनं कुबेरादीनां च पूजनं करिष्ये। तदङ्त्वेन गौश्रीगणपत्यादिपूजनं च करिष्ये।

ऐसा कहकर संकल्प का जल छोड़ दें।

प्रतिष्ठा- पूजन से पूर्व नूतन प्रतिमा की निम्न रीति से प्राण प्रतिष्ठा करें। बाएं हाथ मे चावल लेकर निम्नलिखित मंत्रों को पढ़ते हुए दाहिने हाथ से उन चावलों को प्रतिमा पर छोड़ते जाए-

ॐ मना जूतिर्जुषतामाज्यस्य बृहस्पितिर्यज्ञमिमं
तनात्वरिष्टं समिमं दधातु।
विश्वे देवास इह मादयन्तामोम्पतिष्ठ।
ॐ अस्ये प्राणाः प्रतिष्ठन्तु
अस्यै प्राणाः क्षरन्तु च।
अस्ये देवत्वपमर्चायै मामहेति च कश्चन।।

पूजन- सर्वप्रथम भगवान गणेश का पूजन करें इसके बाद कलश तथा षोडशमातृिका का (सोलह देवियों का) पूजन करें। तत्पश्चात प्रधान पूजा में मंत्रों द्वारा भगवती महालक्ष्मी का षोडशोपचार पूजन करें।

'ॐ महालक्ष्म्यै नमः' इस नाम मंत्र से भी उपचारों द्वारा पूजा की जा सकती है।

प्रार्थना- विधिपूर्वक श्री महालक्ष्मी का पूजन करने के बाद हाथ जोड़कर प्रार्थना करें-

सुरासुरेंद्रादिकिरीटमौक्तिकै-
युक्तं सदा यत्कव पादवपंकजम् ।
परावरं पातु वरं सुमंगल
नमामि भक्तयाखिलकामसिद्धये ।।
भवानि त्वं महालक्ष्मीः सर्वकामप्रदायिनी ।।
सुपूजिता प्रसन्ना स्यान्महालक्ष्मि नमोस्तु ते।
नमस्ते सर्वदेवानां वरदासि हरिप्रिये।
या गतिस्त्वत्प्रपन्नानां सा में भूयात् त्वदर्चनात् ।।
ॐ महालक्ष्म्यै नमः
प्रार्थनापूर्वक नमस्कारान् समर्पयामि।

प्रार्थना करते हुए नमस्कार करें।

समर्पण- पूजन के अंत में-

'कृतोनानेन पूजनेन भगवती महालक्ष्मीदेवी प्रीयताम् न मम।'

यह वाक्य उच्चारण कर समस्त पूजन कर्म भगवती महालक्ष्मी को समर्पित करें तथा जल गिराएं।

मंत्र पुष्पांजलि

आरती पश्चात् दोनों हाथों में कमल आदि के पुष्प लेकर हाथ जोड़े और निम्न मंत्र का पाठ करें-

"ॐ या श्री स्वयः सुकृतिनां भवनेष्वलक्ष्मी'
पापात्मनां कृतधियां हृदयेषु बुद्धिः।
श्रद्धा सतां कुलजनप्रभवस्य लज्जा
तां त्वां नताः स्म परिपालन देवि विश्वम्।।
"ॐ श्री महालक्ष्मै नमः मंत्र पुष्पांजलि समर्पयामि।।

विसर्जन

पूजन के अंत में अक्षत लेकर श्रीगणेश एवं महालक्ष्मी की नूतन प्रतिमा को छोड़कर अन्य सभी आवाहित प्रतिष्ठित एवं पूजित देवताओं को अक्षत छोड़ते हुए निम्न मंत्र से विसर्जित करें-

यान्तु देवगणाः सर्वे पूजामादय मामकीम।
दीपावली पर अन्य महत्वपूर्ण पूजन

देहली विनायक पूजन- व्यापारिक प्रतिष्ठानादि में दीवारों पर "ॐ श्रीगणेशाय नमः" स्वस्तिक चिह्न, शुभ-लाभ आदि मांगलिक एवं कल्याण शब्द सिंदूर से लिखे जाते हैं। इन्हीं शब्दों पर "ॐ देहलीविनायकाय नमः" इस नाममंत्र द्वारा गंध-पुष्पादि से पूजन करें।

श्रीमहाकाली (दवात) पूजन- स्याहीयुक्त दवात को भगवती महालक्ष्मी के सामने पुष्प तथा चावल के ऊपर रखकर उस पर सिंदूर से स्वस्तिक बना दें तथा मौली लपेट दें।

"ॐ श्रीमहाकाल्यै नमः" मंत्र से गंध-पुष्पादि पंचोपचारों या षोडशोपचारों से दवात तथा भगवती महाकाली का पूजन करें और अंत में इस प्रकार प्रार्थनापूर्वक उन्हें प्रणाम करें-

"कालिके त्वं जगन्मातर्मसिरूपेण वर्तस।
उत्पन्ना त्वं च लोकानां व्यवहारप्रसिद्धये।।
या कालिका रोगहरा सुवन्द्या
भक्तैः समस्तैव्यवहारदक्षैः।
जगजनानां भयहारिणी च सा लोकमाता मम सौख्यादास्तु।।"

लेखनी पूजन- लेखनी (कलम) पर मौली बांधकर सामने रख लें और-

"लेखनी निर्मित पूर्व ब्रम्हाणा परमेष्ठिना।
लोकांना च हितर्थय तस्मात्तां पूज्याम्यहम्।।
ॐ लेखनीस्थायै देव्यै नमः।"

इस नाममंत्र द्वारा गंध, पुष्प, चावल आदि से पूजन कर इस प्रकार प्रार्थना करें-

"शास्त्राणां व्यवहाराणां विद्यानामाप्युयाद्यातः।
अतस्त्वां पूजयिष्यामि मम हस्ते स्थिरा भव।।"

बहीखाता पूजन- बही, बसना तथा थैली में रोली या केसरयुक्त चंदन से स्वस्तिक का चिह्न बनाएं एवं थैली में पांच हल्दी की गांठ, धनिया, कलमगट्टा, अक्षत, दुर्वा और द्रव्य रखकर सरस्वती का पूजन करें। सर्वप्रथम सरस्वती का ध्यान इस प्रकार करें-

"या कुन्देन्दुतुषारहारधवला या शुभ्रवस्त्रावृता
या वीणावरदण्डण्डितकरा या श्वेतपद्मासना।
या ब्रह्माच्युशंकरप्रभृतिभिदेवैः सदा वन्दिता
सा मां पातु सरस्वती भगवती निःशेषजाड्याप्हा।।
ॐ वीणापुस्तकधारिण्यै श्रीसरस्वत्यै नमः "

इस नाममंत्र से गंधाकादि उपचारों द्वारा पूजन करें-

कुबेर पूजन- तिजोरी अथवा रूपए रखे जाने वाले संदूक आदि को स्वस्तिकादि से अलंकृत कर उसमें निधिपति कुबेर का आह्वान करें-

"आवाहयामि देव त्वामिहायाहि कृपां कुरू।
कोशं वद्राय नित्यं त्वं परिरक्ष सुरेश्वर ।।"

आह्वान के बाद ॐ कुबेराय नमः नाममंत्र से गंध, पुष्प आदि से पूजन कर अंत में इस प्रकार प्रार्थना करें।

"धनदाय नमस्तुभ्य निधिपद्माधिपाय च।
भगवान् त्वप्रसादेन धनधान्यादिसम्पदः।।"

इस प्रकार प्रार्थनाकर पूर्व पूजित हल्दी, धनिया, कमलगट्टा, द्रव्य, दूर्वादि से युक्त थैली तिजोरी में रखें।

तुला (तराजू) पूजन- सिंदूर से तराजू पर स्वस्तिक बना लें। मौली लपेटकर तुला देवता का इस प्रकार ध्यान करें-

"नमस्ते सर्वदेवानां शक्तित्वे सत्यमाश्रिता।।
साक्षीभूता जगद्धात्री निर्मिता विश्वयोनिना।।"
ध्यान के बाद "ॐ तुलाधिष्ठातृदेवतायै नमः"
इस मंत्र से गधाक्षतादि उपचारों द्वारा पूजन करें।

दीपमालिका (दीपक) पूजन- किसी पात्र में ग्यारह, इक्कीस या उससे अधिक दीपकों को प्रज्वलित कर महालक्ष्मी के समीप रखकर उस दीपज्योति का "ॐ दीपावल्यै नमः" इस नाममंत्र से गंधादि उपचारों द्वारा पूजन कर इस प्रकार प्रार्थना करें-

"त्वं ज्योतिस्त्वं रविश्चनद्रो विद्यदर्निश तारकाः।
सर्वेषा ज्योतिषां ज्योतिर्दीपाल्यै नमो नमः।।"

दीपमालाओं का पूजन कर संतरा, ईख, धान, इत्यादि पदार्थ चढ़ाएं। धान का लावा (खील) गणेश, महालक्ष्मी तथा अन्य सभी देवी-देवताओं को भी अर्पित करें। अंत में अन्य सभी दीपकों को प्रज्वलित करें।

खुश रहें... खुश रखें...

अपने मूल पर टिके रहें, जड़ों से नहीं कटें

पं. विजयशंकर मेहता
(जीवन प्रबन्धन गुरु)

हर मनुष्य के दो जन्म हुए हैं, एक शरीर के तल पर, दूसरे आत्मा के तल पर। हमने जन्म देने वाली स्त्री को माँ और जिस धरती के खंड पर जन्म लिया गया उसे मातृभूमि कहा है। अपने मूल पर टिके रहना, अपनी जड़ों से न कटना यह एक नैतिक दायित्व, मूल्य है। वर्षों में सब कुछ बदल जाता है, मूल्य नहीं बदलते। मातृभूमि के साथ-साथ आपका परिवार भी आपकी जड़ें हैं, आपकी पहचान है, इसलिए प्रेमपूर्वक उससे जुड़े रहें।

अपनी मातृभूमि से प्रेम करने के भाव का अर्थ है, जहां हमारा जन्म हुआ, उससे जुड़े रहना। आध्यात्मिक भाषा में यूं कहा जाए कि आत्मा के तल पर जन्म हुआ है तो आत्मा से जुड़े रहें, अपने भीतर उतरें, थोड़ें स्वयं के निकट बैठें। सारी दुनिया घूमें परंतु अपनी मातृभूमि, अपने परिवार को नहीं भूलें। वैसे ही शरीर पर टिकें, संसार में घूमें पर अपनी आत्मा को विस्मृत नहीं करें।

अमीर खुसरो ने फारसी में नुह सिपिहर नामक मस्नवी में लिखा है कि हिंदुस्तान मेरी मातृभूमि है। इसलिए इससे मुझे बहुत प्रेम है। हजरत पैगंबर ने भी फरमाया है, देश प्रेम धार्मिक निष्ठा का ही अंग है। अमीर खुसरो तो यहां तक लिख गए कि दिल्ली हजरते देहली है। देहली की खूबसरती यदि मक्का शरीफ सुन ले तो वह भी आदरपूर्वक हिंदुस्तान की तरफ अपना रुख मोड़ ले। इस्लामी दीन में मक्का शरीफ का रुतबा दुनिया जानती है। इसकी तुलना दिल्ली से करने की हिम्मत अमीर खुसरो ने इसलिए की थी कि वे मातृभूमि के प्रेम को दर्शाना चाहते थे।

भारत में इस्लाम की नींव मोहम्मद गौरी ने डाली थी। कई मुसलमान शासकों ने भारत के सांस्कृतिक, धार्मिक दृश्य को तहस-नहस किया तो कई मुस्लिम बादशाहों ने इसे संवारा भी। इसीलिए बहुत कुछ गुजर जाता है पर जो रह जाता है, वह है मूल्य। खुसरो जैसे लोग उन्हीं मूल्यों पर अपनी कलम चलाते हैं। मातृभूमि से प्रेम का एक ऐसा भी अर्थ है कि अपने भीतर उतरो, यहीं खुदा है, ईश्वर है और वह सब कुछ है जैसा हम होना चाहते हैं।

जल देवता

वेद-पुराण-कुरान-बायबिल सहित सभी धर्मग्रन्थों ने भी कहा है- 'जल है तो कल है'। इन्हीं सन्दर्भों से सन्दर्भित **डॉ. विवेक चौरसिया** के जल पर केन्द्रित लेखों का संग्रह 'जल देवता'.

जिनमें आप पायेंगे न सिर्फ भारतीय संस्कृति बल्कि सम्पूर्ण विश्व ने स्वीकारी है जल की महत्ता.

Rs. 150/- डाक खर्च सहित

खूबसूरती से जीएँ 55 के बाद

55 के बाद की जिन्दगी सपनों का अन्त नहीं बल्कि उन्हें साकार करने का स्वर्णिम समय है. बस इसके लिए जरूरी है खूबसूरती से जीना कैसे जीएँ... इसी के सूत्र बताती है

डॉ. एच.एल. माहेश्वरी की पुस्तक "खूबसूरती से जीएँ 55 के बाद".

Rs. 120/- डाक खर्च सहित

आपसे कहा जाता है -

- संकट निवारण हेतु पानी में नारियल बहा दें।
- सांप दिखे तो काम टालें।
- नल को पानी टपकता न छोड़ें।

... और भी बहुत कुछ **तो फिर...**

ऐसा क्यों?
aisa kyon

जिसमें छुपा है आपके हर क्यों का जवाब

प्रश्न उठना स्वाभाविक है - "ऐसा क्यों?" लेकिन इसका उत्तर देगा कौन? **इसका उत्तर देगी गहन अध्ययन से संजोई पुस्तक**

Rs. 100/- डाक खर्च सहित

ऋषिमुनि प्रकाशन

90, विद्यानगर, सॉवेर रोड, उज्जैन (म.प्र.) फोन - 0734-2526561, 2526761, मो. 094250-91161

चोराफली गुजराती नमकीन

आवश्यक सामग्री- बेसन-1 कप (100 ग्राम), उरद दाल का आटा-1/2 कप (50ग्राम), नमक-1/2 छोटी चम्मच (स्वादानुसार), तेल-आटे में डालने के लिए और तलने के लिए, बेकिंग सोडा (मीठा सोडा)-1/2 छोटी चम्मच, चोरा फली के ऊपर छिड़कने के लिए मसाला, काला नमक-1/2 छोटी चम्मच, लाल मिर्च पाउडर-1/2 छोटा चम्मच

विधि-बेसन को किसी बर्तन में निकाल लीजिये। उरद दाल का आटा भी उसी में डाल लीजिये। 2 टेबल स्पून तेल और नमक डालकर मिला दीजिए। थोड़ा-थोड़ा पानी डालकर पूरी से भी थोड़ा अधिक सख्त आटा लगाकर तैयार कर लीजिए। आटे को ढंककर 1 घंटे के लिए रख दीजिये। आटा फूलकर सेट हो जाएगा। एक घंटे बाद आटे को 7-8 मिनट तक अच्छी तरह मसल मसल कर सॉफ्ट कर लीजिये या चकले पर रखकर बेलन से कूट-कूटकर फोल्ड करते जाइये। थोड़ी देर मसलने पर आटा एकदम चिकना और सॉफ्ट हो जाएगा। अब आटे को लंबाई में 1 इंच मोटा रोल बना लीजिये। इस रोल से आधा इंच मोटी लोइयां काटकर तैयार कर लीजिए। इतने आटे में 12 लोइयां बनकर तैयार हो जाएंगी। लोइयां ढंककर प्याले में रख लीजिए। एक लोई उठाइये और चकले पर रखिये, और 4-5 इंच के व्यास में पतला बेलकर तैयार कर लीजिये, और अब इस पूरी को 1-1.5 सेमी. की चौड़ाई में लंबी-लंबी पट्टियों में काट लीजिये। काटी गई पट्टियां किसी प्लेट में रख लीजिये। सारी लोइयों को इसी तरह बेलकर, काटकर तैयार कर लीजिए। कढ़ाई में तेल डालकर गरम कीजिए। तेल अच्छी तरह गरम होने पर ये कटी हुई पट्टियां 6-7 या जितनी कढ़ाई में आसानी से आ जाएं, उतनी चोराफली तलने के लिये डाल दीजिये। चोरा फली तैरकर आ जाय उन्हें पलट दीजिये और हल्की ब्राउन होने तक तलकर, नैपकिन बिछी प्लेट के ऊपर निकालकर रख लीजिये। इसी तरह सारी चोराफली को तल कर तैयार कर लीजिए। गरमा-गरम चोराफली पर ही काला नमक और लाल मिर्च पाउडर छिड़ककर मिक्स कर दीजिए। बहुत ही स्वादिष्ट कुरकुरी चोराफली बनकर तैयार हैं। दिवाली पर पेश करें। अभी खाइये और ठंडा होने के बाद एयर टाइट कंटेनर में भरकर रख लीजिये और 1 माह तक खाते रहिए।

पुनम राठी, नागपुर
9970057423

आपणी बोली

- स्वाति जैसलमेरिया, जोधपुर

कर्म रो सिद्धान्त

खम्मा घणी सा हुक्म आपने बताऊं कि जिण रफ्तार सूं कांग्रेसी जेल जा रिया है म्हने लागे कांग्रेसियों रे वास्ते अलग जेल हुवणी चईजे **'राजीव गांधी कारागृह'** या **'चाचा नेहरू कारागृह'** क्योंकि 1957 में तिहाड़ जेल भारत देश रा प्रधानमंत्री चाचा नेहरू री ही देन है। पूरा परिवार रे नाम कई संस्थान, भवन, उद्यान हैं तो जेल भी याणे नाम री हुवणी चईजे।

हुक्म जण नरेंद्र मोदी भारत मे शौचालय अभियान चला रिया था जण चिदम्बरम जेड़ा महाउद्यमी मोदीजी री मज़ाक बणा रिया था ... आज वे ही कोर्ट में खड़ा हुने वेस्टन टॉयलेट री गुहार कर रिया है। करोड़ों री सम्पदा रा मालिक जो कदैई वित्तमंत्री और गृहमंत्री रे पद पर था, आज शौचालय री मांग.... अहो ! ...कैड़ी विडम्बना..

दिग्गज कांग्रेसी नेता शिवकुमार, चिदम्बरम, यादव परिवार जिन्हें कने अकूत सम्पत्ति है तिहाड़ जेल में मज़ा कर रिया है। ऐड़ा कई दिग्गज नेता जिना श्वेत धवल ईमानदारी रा वर्क उतर रिया है और असली चेहरा जनता रे सामने आ रिया है। पाप प्रगट हुया बिना नहीं रैवे हुक्म। मनुष्य कित्ती भी हुशियारी करले, सारी चतुराई अपनाले, पाप प्रगट हूँ जावे हुक्म। पापी रे पाप में ही उना विनाश रा बीज छुपयोडा हुवे पर पापी ने दिखे कौनी। उण टाइम वो सोचे मारा सुं हुशियार कोई नहीं। उन्हीं आँखियाँ आगे माया री धुंध आ जावे।

हुक्म कॉंग्रेस शासन रो इतिहास देखा तो यूपीए सरकार में घोटालों री भरमार रही ...1999 में **सिंचाई घोटाले** में 35 हज़ार करोड़, 2005 में **स्कार्पिन पनडुब्बी** में 1100 करोड़ रो घोटालो, 2008 में **टू जी** में 76 लाख करोड़ रो घपलो, 2009 में **सत्यम घोटाले** में 7855 करोड़ रो घोटालों, 2010 में **कॉमन वेल्थ घोटाले** में 70 हज़ार करोड़, 2013 में **आँगस्ट वेस्टलेड** में 3600 करोड़ रु रो घोटालों, 2015 में **सारदा चिट फंड** में 2500 करोड़ रो घोटालों, इने अलावा **आदर्श सोसायटी घोटालो**, **रेलों में नियुक्ति घोटालों** 2013 में **हेलोकोप्टर घोटालों** ... सच कहूं हुक्म देश में भ्रष्टाचार रो दीमक कांग्रेस सता री ही देन है ।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने चोर केवण वाला कांग्रेसी खुद देख ले कि मोदी जी आज भारत देश ही नहीं विश्व री जनता रे दिल में आपरों घर बणा दियों। या बात समझ में आवे की ईमानदारी सूं सफलता हासिल करण वाला रे साथे सौ लोग हुवे और बेईमानी अनाथ हुवे ... जिन्हों अंत बहुत बुरे हुवे... हुक्म स्वर्ग नरक सब अठे ही है। आपरों बुरों कियोड़ो आपरों पीछो नहीं छोड़े, आपने दंडित जरूर करें और आपरे अछो कियोड़ो भी आपने पुरस्कृत जरूर करावें ... कर्म ही जीवन रो सिद्धान्त है हुक्म। सबसूं बच सको पर कर्म सूं बचणो मुश्किल है।

मुलाहिजा फ़रमाइये

▸▸ ज्योत्सना कोठारी
मेरठ

- *हम तो आज भी अपने हुनर में दम रखते हैं,*
  उड़ जाते हैं रंग लोगों के जब
  हम महफिल में क़दम रखते हैं।
- *ए ज़िन्दगी बहुत तेज़ है रफ्तार तेरी,*
  थोड़ा आहिस्ता चल, समझने तो दे
  ये पड़ाव है या मेरी मज़िल।
- *वक़्त का तकाज़ा था बदलने लगी हूँ अब,*
  शब्दों का माप-तोल कर कहने लगी हूँ अब।
  अपेक्षा नहीं रखती किसी रिश्ते में,
  सुकुन की नींद आने लगी है, अब
  जब से बहते हुए आंसुओं के निशान पौंछे हैं
  आईने को भी पसंद आने लगी हूं अब।
- *ओंस की बूंद सा है ज़िन्दगी का सफ़र*
  कभी फूल में तो कभी धूल में।
- *अब कौन रोज़-रोज़ ख़ुदा ढूंढे*
  जिसको न मिले वही ढूंढे।
- *उलझे जो कभी हमसे तो तुम सुलझा लेना*
  तेरे हाथ में भी रिश्ते का एक सिरा होगा।

राशिफल

संकेत सितारों के

पं. विनोद रावल
(ज्योतिर्विद)
फोन : 0734-2515326

मेष

इस माह आपको लिये धन लाभ, मान-सम्मान मिलेगा। अधूरे कार्य पूर्ण होंगे। सुख-साधनों की बढ़ोत्तरी होगी। कोर्ट-कचहरी के कार्य में प्रगति, नौकरी में स्थान परिवर्तन, जीवन में उन्नति का मार्ग प्रशस्त होगा। रुका धन प्राप्त होगा। आय से अधिक व्यय होगा, जीवन साथी से पूरा सहयोग प्राप्त होगा, किन्तु पारिवारिक उलझनें अधिक रहेंगी। मित्र सहयोगी रहेंगे। परिवार के साथ घूमने-फिरने में समय व्यतीत करेंगे। स्वास्थ्य नरम-गरम बना रहेगा। विवाह संबंध संबंधित कार्य पूर्ण होगा।

वृषभ

इस माह व्यवसाय में वृद्धि सामाजिक कार्यों में मान-सम्मान व यश बढ़ेगा। सफलता के सुअवसर मिलेंगे। शत्रु परास्त होंगे। परिश्रम के बल से आय बढ़ेगी। जीवन साथी का स्वास्थ्य खराब बना रहेगा। व्यापार, नौकरी में लाभ होगा। यात्रा योग अपने लोग परायों जैसा व्यवहार करेंगे। भागदौड़ अधिक रहेगी। मनोरंजन पर अधिक खर्च करेंगे। क्रोध और वाणी से अपने बनते कार्य बिगाड़ लेंगे। शुभचिंतकों का सहयोग मिलता रहेगा। धन लाभ से मन प्रसन्न रहेगा। अपने भाग्य के सहारे काम बना लेंगे। संतान एवं माता की चिंता रहेगी। स्त्री वर्ग से सहयोग मिलेगा।

मिथुन

इस माह आपके यहाँ मांगलिक कार्य होंगे। सफलता एवं प्रसन्नता का वातावरण रहेग, यात्रा होगी। उपहार मिलने के योग, शुभ समाचार मिलेंगे। आलस्य से बचे, विपरीत योनी की ओर रुझान बना रहेगा। निर्णय सोच-समझकर लें, नहीं तो हानि उठाना पड़ सकती है। जीवन में उन्नति के सुअवसर प्राप्त होंगे। मित्रों से अनबन बनी रहेगी। राजकीय कार्यों से भी सफलता मिलेगी। अधिक खर्च के कारण कर्ज लेना पड़ सकता है। दिनचर्या अस्त-व्यस्त बनी रहेगी। काम का बोझ बढ़ेगा, समय प्रतिकूल है।

कर्क

इस माह खर्च अधिक रहेगा। धार्मिक कार्यों रुचि बढ़ेगी। लंबी यात्रा का कार्यक्रम बनेगा। नये अवसर मिलेंगे। भागदौड़ अधिक करनी पड़ेगी। परिवार के साथ सानन्द समय व्यतीत करेंगे। संतान की उन्नति से खुश होंगे। मांगलिक कार्यों में भाग लेंगे। विरोधी परेशान करेंगे। भाइयों से भी विवाद बना रहेगा। जीवन साथी से वैचारिक मतान्तर बने रहेंगे। बहन से सहायता मिलेगी। व्यापार से लाभ होगा। वाहन पर खर्च होगा। प्रति-योगिता या परीक्षा में सफलता मिलेगी।

सिंह

इस माह सामाजिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी। धन लाभ एवं उन्नति के अवसर मिलेंगे। मित्रों का सहयोग मिलेगा। अतिथियों के आने से प्रसन्नता का वातावरण रहेगा। वाहन सुख प्राप्त होगा। जीवन साथी से सहयोग, संतान सुख मिलेगा। मांगलिक कार्य में शामिल होंगे। लॉटरी, शेयर में सावधानी रखें। परीक्षा में सफलता मिलेगी। काम काज की स्थिति बदलेगी। क्षेत्र का विस्तार होगा। परिवार को समय नहीं दे पाएंगे, यात्रा होगी।

कन्या

इस माह रुके कार्य पूरे होंगे। प्रियजन से भेंट, भौतिक सुख बढ़ेगा। मांगलिक कार्य पर खर्च करेंगे। परिवार में खुशी का माहौल रहेगा। विलासिता के साधनों पर खर्च, जीवन साथी का सहयोग मिलेगा। मानसिक-तनाव दूर होंगे। संतान की उन्नति से प्रसन्नता होगी। बड़ों का सहयोग मिलेगा। स्थान परिवर्तन होगा। व्यापार में वृद्धि होगी। लंबी दूरी की यात्रा होगी। वाहन खरीदेंगे और बेचेंगे। अधिक खर्च से बजट बिगड़ेगा। शरीर कष्ट होगा। चोर से सावधानी रखें।

तुला

इस माह आपको अपनी सुझबुझ से लाभ होगा। मांगलिक शुभ कार्यों पर व्यय, आर्थिक स्थिति में सुधार, सरकारी कार्यों से लाभ होगा। विवाह की बाधाऐं दूर होंगी। प्रतियोगी परीक्षा में संतान सफलता होगी। उन्नति के अवसर मिलेंगे। प्रियजन के संपर्क का लाभ मिलेगा। सामाजिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। स्थान, व्यवसाय में परिवर्तन होगा। ध्यान व योग मे रुचि रखेंगे। रुके कार्य पूरे होंगे। दौड़धूप अधिक होगी। जीवन साथी से विवाद व अस्थिरता रहेगी। शारीरिक कष्ट बना रहेगा।

वृश्चिक

इस माह कोर्ट कचहरी के कार्यों में सफलता मिलेगी। संतान की उन्नति होगी। दाम्पत्य सुख बढ़ेगा। मित्रों का सहयोग, नये अवसर से उन्नति की ओर अग्रसर होंगे। परिवार का भरपूर सहयोग मिलेगा। माता से वैचारिक मतान्तर, जीवन साथी को शारीरिक कष्ट रहेगा। सुख साधनों में वृद्धि और खर्च होगा। शत्रु से परेशानी बनी रहेगी, यात्रा होगी। जमीन-सम्पत्ति के कार्यों में उलझने बढ़ेगी। पत्राचार से लाभ होगा, सेहत का ध्यान रखें।

धनु

यह माह आपके लिये मिश्रित फलदायी रहेगा। नया कार्य करेंगे। मनोकांक्षा पूरी होगी। उन्नति के प्रयास सफल होंगे किन्तु संबंधों का लाभ नहीं मिलेगा। अपनों के प्रति गुस्सा रहेगा, वाहन खरीदेंगे। माता के स्वास्थ्य की चिंता रहेगी। जीवन साथी की चिंता करेंगे। राजकीय कार्यों में सफलता, परिवार से दूर रहना पड़ेगा। सहयोगियों से अनबन रहेगी। धार्मिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। दूसरों की जमानत देना हानिकारक रहेगा। व्यर्थ के वाद-विवाद से बचें। रुका धन प्राप्त होगा। मित्रों के सहयोग से कार्य बना लेंगे। भाइयों से संबंध सामान्य रहेंगे।

मकर

इस माह पारिवारिक सुख बढ़ेगा। अपनों का सहयोग मिलेगा। धन और यश की प्राप्ति होगी, आय बढ़ेगी। मित्रों से सहयोग, नये संबंधों का लाभ, भाई-बहन के मतभेद दूर होंगे। परिवार और जीवन साथी का सहयोग मिलेगा। भौतिक सुख-सुविधा, पद, प्रतिष्ठा बढ़ेगी। नौकरी में उन्नति एवं स्थान परिवर्तन के योग, शत्रु परास्त होंगे। लेनदेन में सतर्कता बरतें। परीक्षा में सफलता मिलेगी। माता के स्वास्थ्य की चिंता बनी रहेगी। मान सिक तनाव कम रहेगा। अपने विचार दूसरों पर नहीं थोपें। वाहन पर खर्च करेंगे।

कुम्भ

इस माह शुभ समाचार प्राप्त होंगे। अपनों का सहयोग, सरकारी कार्यों में सफलता मिलेगी। घर में अतिथियों का आगमन बना रहेगा। भौतिक सुख-साधनों में वृद्धि होगी। सामाजिक यश बढ़ेगा। घर में नया मेहमान आयेगा। मनोरंजन पर व्यय करेंगे। व्यवसाय में साझेदारी शुभ रहेगी। यात्रा होगी किन्तु सम्पत्ति विवाद में उलझेंगे। पारिवारिक सुख में कमी आयेगी। मानसिक तनाव बढ़ेगा। माता के स्वास्थ्य की चिंता रहेगी। साक्षात्कार व परीक्षा में सफलता मिलेगी। मनचाहे परिणाम मिलेंगे।

मीन

इस माह धार्मिक कार्यों में बढ़-चढ़ कर भाग लेंगे। धर्म के कारण मन प्रसन्न रहेगा। रुका धन मिलेगा। संतान के कार्यों पर व्यय होगा। परिवार के साथ प्रसन्न रहेंगे। जीवन साथी का सहयोग रहेगा। दिनचर्या व्यस्त रहेगी। विरोधी शांत रहेंगे। राजकीय कार्यों से लाभ होगा। यात्रा सुखमयी होगी, आलस्य करना परेशानीदायक रहेगा। परिवारजनों के सहयोग से बिगड़ा कार्य पूरा हो जाएगा। जल्दबाजी एवं क्रोध से हानि उठाना पड़ सकती है। माता के स्वास्थ्य की चिंता रहेगी। व्यापार में लाभ होगा। शुभ समाचार प्राप्त होंगे।

हैदराबाद ही नहीं बल्कि अमेरिका में भी अपनी समाजसेवा से विशिष्ट पहचान रखने वाले ख्यात समाजसेवी ब्रजभूषण बजाज नहीं रहे। श्री बजाज ऐसे समाजसेवियों में से एक थे, जिन्होंने स्वयं पद प्रतिष्ठा की लालसा तो नहीं की लेकिन तन-मन-धन से अपना सहयोग देने में भी कोई कसर नहीं रख छोड़ी। स्व. श्री बजाज को देशप्रेम व देश सेवा पैतृक रूप से विरासत में मिली थी। उन्होंने इसे भी बड़ी शिद्धत से संभाला। श्री बजाज को कई राजनेताओं व समाज सेवियों ने उपस्थित होकर अश्रुपुरित अंतिम बिदाई दी।

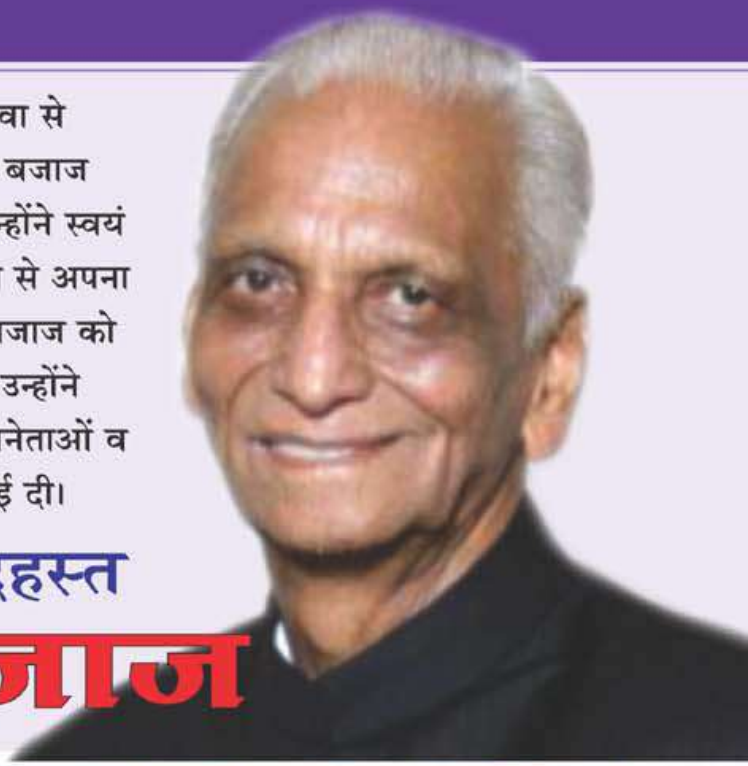

नहीं रहे समाज सेवा के वरदहस्त

ब्रजभूषण बजाज

स्वतंत्रता संग्राम सेनानी स्व. श्री वृंदावनदास बजाज के सुपुत्र एवं वरिष्ठ समाजसेवी श्री ब्रजभूषण बजाज का 83 वर्ष की आयु में देहावसान हो गया। श्री बजाज कई संस्थाओं रामायण मेला, माहेश्वरी प्रादेशिक सभा आदि से सक्रिय रूप से जुड़े रहे। बृजभूषण बजाज रक्तदान के साथ मरणोंपरांत नेत्रदान करने की प्रेरणा देते रहे। सामाजिक कुरीतियों को दूर करने में भी वे काफी सक्रिय रूप से जुड़े रहे। समाज में जरूरतमंदों की सेवा के लिए अभियान चलाया और अपनी अंतिम सांस तक सेवा कार्यों से जुड़े रहे। श्री बजाज हमेशा से ही सत्य के पक्षधर रहे और रूढ़िवादी परंपराओं के खिलाफ। नगर के कवि सम्मेलनों और देशभक्ति कार्यक्रमों में वह सक्रिय रूप से भाग लेते थे। उन्होंने स्वतंत्रता संग्राम में भी भाग लिया। आप अपने पीछे पत्नी डॉ. सरोज बजाज, दो पुत्र अनुराग एवं पराग बजाज (पूर्व सभापति नार्थ-अमेरिका माहेश्वरी महासभा) पौत्र आदित्य, यश, अनंत और अर्जुन, पुत्री अर्चना व दामाद निर्भय, दोहित्र नेहा और नीरज सहित भरापूरा परिवार छोड़ गए हैं।

बचपन से पढ़ा राष्ट्रप्रेम का पाठ

स्व. श्री बजाज के लिए पिता स्व. श्री वृंदावनदास बजाज उनके सच्चे मार्गदर्शक व आदर्श थे। पिता श्री वृंदावनदासजी तथा ताऊजी श्री बिट्ठलदास जी सच्चे देश भक्त व स्वतंत्रता संग्राम सेनानी थे। अतः बचपन से ही श्री बजाज को देशप्रेम की भावना विरासत में मिली। उनके स्वतंत्रता आंदोलन के महात्मा गांधी सहित कई नेताओं से कितने मधुर संबंध थे, उसका अनुमान इसी से लगाया जा सकता है कि गांधीजी उनके यहां रुकते थे और पूर्व राष्ट्रपति शंकरदयाल शर्मा की गोद में बैठकर श्री बजाज ने जीप से भोपाल का चक्कर लगाया था। पिताजी एक दैनिक समाचार पत्र भी निकालते थे, जिसके माध्यम से समाज सुधार के मुद्दे पर प्रखर होकर लिखते थे।

संस्कारों के पथ पर धर्मपत्नी का साथ

श्री बजाज का विवाह उस समय हो गया था, जब उनकी धर्म पत्नी 15 वर्ष की थी। धर्मपत्नी डॉ. सरोज बजाज अत्यंत विदुषी महिला होने के साथ ही परिवार के प्रति इस तरह समर्पित रहीं कि जिससे सभी पुत्र-पुत्री सुसंस्कारित हो गए। श्रीमती बजाज ने उज्जैन के विक्रम विश्वविद्यालय से पूर्व कुलपति के ख्यात साहित्यकार डॉ. शिवमंगलसिंह 'सुमन' के निर्देशन में पीएचडी की उपाधि प्राप्त की थी। श्रीमती बजाज की समस्त उच्च शिक्षा विवाहोपरांत ही हुई। परिवार के प्रति उसके समर्पण के बारे में स्व. श्री बजाज ने एक साक्षात्कार में स्वयं कहा था कि बच्चों के लालन-पालन से लेकर कुशल अर्द्धांगिनी के रूप में उन्होंने जो योगदान दिया है, उसके ऋण को वे जीवित रहते तो ठीक मरणोपरांत भी नहीं उतार सकते। श्री बजाज वरिष्ठों की संस्था ''सांझ का साथी'' के संस्थापक थे।

महिलाओं के उत्थान को रहे समर्पित

श्री बजाज के पिता ने नारी शिक्षा व सशक्तिकरण की जो ज्योति जलाई थी, श्री बजाज ने उसे मशाल बनाने का सदैव प्रयास किया। धर्मपत्नी डॉ. बजाज महिला दक्षता समिति की अध्यक्ष हैं, लेकिन श्री बजाज व्यक्तिगत रूप से तन-मन-धन से इस संस्था को सदैव पोषित करते रहे। उन्होंने ग्रामीण व गरीब परिवारों की बालिकाओं की शिक्षा के लिए 'वीडी बजाज एंड महिला दक्षता समिति डिग्री कॉलेज' की स्थापना की। श्री बजाज की विशेषता यह थी कि वे व्यावसायिक व्यस्तता में व्यस्त रहे लेकिन फिर भी डॉ. सरोज बजाज के साथ कंधे-से-कंधा मिलाकर समाजसेवा में योगदान अवश्य ही देते रहे।

आदित्य विक्रम बिड़ला केन्द्र के अर्थमंत्री हरिकृष्ण झंवर

चेन्नई. आदित्य विक्रम बिड़ला केन्द्र के अर्थमंत्री श्री हरिकृष्ण झंवर श्री आदित्य विक्रम बिड़ला मेमोरियल व्यापार सहयोग केन्द्र के संस्थापक सदस्य एवं अर्थमंत्री श्री हरिकृष्ण झंवर का 74 वर्ष की आयु में गत 22 सितम्बर को चेन्नई में असमायिक निधन हो गया। स्व. श्री झँवर को स्नेहवश बड़े बाबू के नाम से संबोधित किया जाता था। आप अत्यंत ही सरल स्वभावी, मृदुभाषी, समय के पाबंद, स्पष्टवादी, परोपकारी व्यक्तित्व के धनी थे। श्री वल्लभाचार्य विद्या सभा एवं सनातन धर्म विद्यालय एसोसिएशन के अन्तर्गत संचालित विभिन्न प्रतिष्ठित शिक्षण संस्थाओं से आप सक्रिय रूप से जुड़े हुए थे। आपने तमिलनाडु माहेश्वरी फाउण्डेशन में अध्यक्ष पद को भी सुशोभित किया। इसके अलावा आप विभिन्न सत्रों में अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महासभा के सदस्य रहे। आप विगत 3 सत्रों से श्री आदित्य विक्रम बिरला मेमोरियल व्यापार सहयोग केन्द्र के अर्थमंत्री रहे हैं। केन्द्र की ओर से कार्याध्यक्ष पद्म श्री वंशीलाल राठी व महामंत्री कस्तूरचंद बाहेती ने उन्हें श्रृद्धांजलि अर्पित की।

श्री अनिल सोमानी

उज्जैन। उज्जैन सुप्रसिद्ध समाजसेवी स्व. श्री नाथुलालजी सोमानी जी के चिरंजीव संतोष सोमानी जी के अनुज, राहुल, सिद्धार्थ के चाचाजी, अपूर्व के पिताश्री एवम् अबीर के दादाजी श्री अनिल सोमानी का निधन 12 सितम्बर को हो गया। श्री सोमानी बहुत ही मिलनसार व सरल व्यक्तित्व थे। आपके निधन पर सभी इष्टमित्रों ने श्रद्धांजलि अर्पित की।

श्री कपूरचंद बाहेती

मलकापुर. श्री आदित्य विक्रम बिरला मेमोरियल व्यापार सहयोग केंद्र के महामंत्री व महासभा के पूर्व महामंत्री कस्तूरचंद बाहेती के बड़े भाई मलकापुर निवासी श्री कपूरचंद बाहेती का स्वर्गवास गत दिनों हो गया। आपके बड़े पुत्र किशोर वर्तमान सत्र में महासभा के कार्यकारी मंडल सदस्य हैं।

श्री निर्मल बागड़ी

नागपुर. समाज सदस्य श्री निर्मल विश्वेश्वरदासजी बागड़ी का 57 वर्ष की अवस्था में असामयिक निधन गत 5 सितंबर हो गया। आप अपने पीछे भरापूरा शोकाकुल परिवार छोड़ गए हैं।

श्री शिवदयाल असावा

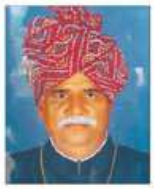

भीलवाड़ा. किम चौकड़ी निवासी महादेवप्रसाद, चंद्रशेखर, मनोजकुमार असावा के पिता श्री शिवदयाल असावा का देवलोकगमन गत 21 अगस्त 2019 को हो गया। आप अपने पीछे भरापूरा शोकाकुल परिवार छोड़ गये हैं।

श्री गिर्राजप्रसाद भूतड़ा

जयपुर. समाज के वरिष्ठ श्री गिर्राजप्रसाद-द्वारकाप्रसाद भूतड़ा का गत 1 सितंबर को देहावसान हो गया। आप अपने पीछे भाई गोवर्धनदास, श्यामसुंदर, घनश्याम तथा पुत्र मनमोहन व चंद्रप्रकाश सहित भरापूरा परिवार छोड़ गए हैं।

श्री लीलाधर भूतड़ा

आर्वी (वर्धा). समाज के वरिष्ठ श्री लीलाधर राधाकिशन भूतड़ा का 76 वर्ष की अवस्था में गत दिनों देहावसान हो गया। आप अपने पीछे पुत्र सुनीलकुमार तथा पौत्र-पुत्री आदि का भरापूरा परिवार छोड़कर गए हैं।

श्री हरीश भैया

दर्यापुर (अमरावती). समाज के वरिष्ठ अंबालाल भैय्या बेंक मेडिकल व्यवसायी सुपुत्र हरीश भैय्या के 45 वर्ष की अवस्था असामयिक दुखद निधन हो गया है। आप अपने पीछे भरापूरा परिवार छोड़ गए हैं।

जय श्रीकृष्ण
शशांक राजेश डागा

आदित्य कमर्शियल
मेंगलोर (कर्नाटक), मो.-99606-95355

डीलर
काली मिर्च
सुपारी,
गोल सफेद सुपारी
इलायची
जायफल
अन्य पैकिंग खड़े मसाले

विश्वास एजेंसीज
* सुपारी * काली मिर्च * ईलायची * बादाम * काजू के होल सेल विक्रेता
111, रसिक कॉम्प्लेक्स मस्कासाथ, नागपुर–440002
मो–98231–23460
E mail : info@radityacommercial.com, Website : www.rdadityacommercial.com

दीर्घायुभव जीव वत्सरशतम् नश्यन्तु सर्वा पदः
स्वास्थ्यम् संभज मुञ्च चञ्चलधीयं लक्ष्यैक निष्ठोभवः

आप दीर्घायु हो 100 वर्ष पूर्ण करें, आपकी समस्त आपदाएं नष्ट हो, आप उत्तम स्वास्थ्य प्राप्त करें, आपकी बुद्धि की चंचलता दूर हो और आप अपने लक्ष्य के प्रति निष्ठावान हो।

माहेश्वरी युवा संगठन उज्जैन के संस्थापक एवं हम सबके आत्मीय

दिनेश माहेश्वरी

को

61वीं वर्षगांठ (8 अक्टूबर) पर

हार्दिक मंगलकामनाएँ एवं बधाई

शुभेच्छु सखा . . .

श्रीपाल जैन, पुष्कर बाहेती, जयप्रकाश राठी, कैलाश डागा, नवल माहेश्वरी, संदीप कुलश्रेष्ठ, सुनील जैन, अक्षय आमेरिया, प्रमोद जेथलिया, राजेश जाजू, अमूल लड्ढा, ओम पलोड़ एवं श्री माहेश्वरी टाईम्स परिवार

श्री माहेश्वरी टाईम्स

का आगामी विशेषांक रहेगा
सनातन संस्कृति के महापर्व दीपावली को समर्पित

दीपावली विशेषांक

जिसमें आप पाएंगे इस विशिष्ट अवसर से संबंधित ऐसे विशिष्ट आलेख जो तथ्य परक व सटीक होने के कारण आपके लिए होंगे संग्रहणीय। यदि आप अपने व्यक्तिगत शुभकामना संदेश अथवा आपके प्रतिष्ठित प्रतिष्ठान का विज्ञापन देना चाहते हैं तो लाखों पाठकों तक अपनी भावनाएं पहुंचाने के लिए शीघ्र ई.मेल द्वारा प्रेषित करें।

श्री माहेश्वरी टाईम्स
90, विद्या नगर, साँवेर रोड, उज्जैन (म.प्र.)
दूरभाष : 0734-2526761,
मो. 94250 91161
E-mail : smt4news@gmail.com

दीर्घायुभव जीव वत्सरशतम् नश्यन्तु सर्वा पदः
स्वास्थ्यम् संभज मुञ्च चञ्चलधीयं लक्ष्यैक निष्ठोभवः

आप दीर्घायु हो 100 वर्ष पूर्ण करें, आपकी समस्त आपदाएं नष्ट हो, आप उत्तम स्वास्थ्य प्राप्त करें, आपकी बुद्धि की चंचलता दूर हो और आप अपने लक्ष्य के प्रति निष्ठावान हो।

माहेश्वरी युवा संगठन उज्जैन के संस्थापक
एवं हम सबके आत्मीय

दिनेश माहेश्वरी

को

61वीं वर्षगांठ (8 अक्टूबर) पर

हार्दिक मंगलकामनाएँ एवं बधाई

शुभेच्छु सखा . . .

श्रीपाल जैन, पुष्कर बाहेती, जयप्रकाश राठी, कैलाश डागा, नवल माहेश्वरी, संदीप कुलश्रेष्ठ, सुनील जैन, अक्षय आमेरिया, प्रमोद जेथलिया, राजेश जाजू, अमूल लड्ढा, ओम पलोड़ एवं श्री माहेश्वरी टाईम्स परिवार

श्री माहेश्वरी टाईम्स

का आगामी विशेषांक रहेगा
सनातन संस्कृति के महापर्व दीपावली को समर्पित

दीपावली विशेषांक

जिसमें आप पाएंगे इस विशिष्ट अवसर से संबंधित ऐसे विशिष्ट आलेख जो तथ्य परक व सटीक होने के कारण आपके लिए होंगे संग्रहणीय। यदि आप अपने व्यक्तिगत शुभकामना संदेश अथवा आपके प्रतिष्ठित प्रतिष्ठान का विज्ञापन देना चाहते हैं तो लाखों पाठकों तक अपनी भावनाएं पहुंचाने के लिए शीघ्र ई.मेल द्वारा प्रेषित करें।

श्री माहेश्वरी टाईम्स
90, विद्या नगर, साँवेर रोड, उज्जैन (म.प्र.)
दूरभाष : 0734-2526761,
मो. 94250 91161
E-mail : smt4news@gmail.com

ॐ

शुभं करोति कल्याणं
आरोग्यं धनसम्पदा।
शत्रुबुद्धिविनाशाये
दीपज्योति नमोऽस्तुते ॥

सभी स्नेहीजनों को दीपावली पर्व की
हार्दिक शुभकामनाएँ

पद्मश्री बंशीलाल राठी

पूर्व सभापति,
अखिल भारतवर्षीय महासभा
कार्याध्यक्ष,
श्री आदित्य विक्रम बिड़ला मेमोरियल व्यापार सहयोग केन्द्र

1, दामोदर मूर्ति रोड, किलपॉक गार्डन, चैन्नई (तमिलनाडु)-600010
फोन : 044-25290137, मो. 098400 42217

RNI-MPHIN/2005/14721
Po.-Malwa Division/244/2017-2019
Despatch Date - 02 October, 2019

If Undelivered Please Return To
SRI MAHESHWARI TIMES
90, Vidya Nagar (Behind Tedi Khajur Dargah)
Sanwer Road, UJJAIN (M.P.) - 456010
Ph. : 0734-2526561, 2526761 , Mo. : 94250-91161
E-mail : smt4news@gmail.com